हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • गुरुवार • 10.04.2025 • वर्ष : 15 • अंक : 256 • पृष्ठ : 12 • आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

मांस-मछली और मुर्गा की दुकानें आज रहेंगी बंद

रांची : राज्य भर में 10 अप्रैल को मांस, मुर्गा और मछली के दुकान बंद रहेंगे। भगवान महावीर जयंती को लेकर यह आदेश जारी किया गया है। राज्य के सभी नगर निगम क्षेत्र और पंचायत क्षेत्र में इससे संबंधित आदेश जारी कर दिया गया है। जारी आदेश के मुताबिक, महावीर जयंती के दिन मांस-मछली और मुर्गा की बिक्री और क्रय-विक्रय पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, अगर कोई दुकानदार मांस, मुर्गा या मछली बेचता पाया जाता है, तो उसके खिलाफ विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

भारत-पाक सीमा पर आईईडी धमाका, बीएसएफ का जवान घायल

चंडीगढ़ : पंजाब के गुरदासपुर में बीओपी चौतरा बॉर्डर के पास कंटीली तारों के पार हुए धमाके में बीएसएफ का जवान जख्मी हुआ है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पाकिस्तान की तरफ से बीएसएफ के जवानों तथा किसानों को निशाना बनाने के लिए यह धमाका किया गया है। इस घटना के बाद सभी आला अधिकारी गुरदासपुर पहुंच गए। बीएसएफ ने पूरे इलाके को सील कर दिया है और बुधवार सुबह से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। घायल जवान को अमृतसर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बीएसएफ के अनुसार मंगलवार व बुधवार की मध्य रात्रि बीएसएफ के गश्ती दल ने सीमा सुरक्षा बाड़ के आगे भारतीय क्षेत्र के अंदर संदिग्ध वस्तुओं का पता लगाया। इस ऑपरेशन के दौरान सैनिकों ने बाड़ के आगे एक संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) की पहचान की, जो सुरक्षा बलों और किसानों को निशाना बनाने के स्पष्ट प्रयास का संकेत था। आगे की जांच में खेतों में छिपे हुए तारों का एक नेटवर्क पाया गया, जिससे कई आईईडी की मौजूदगी की पुष्टि हुई। क्षेत्र की घेराबंदी और सफाई करते समय आईईडी में विस्फोट हो गया, जिससे एक बीएसएफ जवान के पैर में गंभीर चोट आई है। बीएसएफ बम निरोधक दस्ते ने क्षेत्र की गहन तलाशी ली और क्षेत्र की सफाई करने के बाद आईईडी को मौके पर ही नष्ट कर दिया। इस घटना के बाद पूरे क्षेत्र की जांच की जा रही है।

गुरमीत राम रहीम 21 दिन के फरलो पर जेल से बाहर

रोहतक : हरियाणा के रोहतक की सुनारिया जेल में दुष्कर्म और हत्या के मामले में 20 साल की सजा काट रहा डेरा प्रमुख गुरमीत राम रहीम बुधवार सुबह एक बार फिर 21 दिन के फरलो पर सलाखों के पीछे से बाहर आ गया। राम रहीम इस अवधि में सिरसा डेरे में ही रहेगा। सुबह करीब साढ़े छह बजे वह कड़ी सुरक्षा के बीच जेल से सिरसा रवाना हुआ। इससे पहले वह 28 जनवरी 2025 को 30 दिन की पैरोल पर जेल से बाहर आया था। तब उसने पैरोल के 10 दिन सिरसा डेरा और 20 दिन यूपी के बरनावा में काटे थे। बताया जा रहा है कि राम रहीम डेरे के स्थापना दिवस के 77वें समारोह में शामिल होगा। सिरसा डेरे को डेरा सच्चा सौदा के नाम से जाना जाता है। इसकी स्थापना 29 अप्रैल 1948 को संत शाह मस्ताना ने की थी।

सभी मेडिकल कॉलेज में हेलीपैड बनाने की पहल करें : मुख्यमंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

- समय सीमा के अंतर्गत छात्रवृत्ति राशि का करें भुगतान।
- मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना की परिसंपत्ति पर लोगो लगाया जाए।
- जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की जाए।
- गर्मी के दिनों में पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो इस पर विशेष ध्यान रखा जाए।

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में सभी जिलों के उपायुक्तों के साथ अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास एवं गृह विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में मुख्यमंत्री ने विभागों द्वारा संचालित की जा रही महत्वाकांक्षी एवं जनकल्याणकारी विकास योजनाओं के संचालन में पूरी तत्परता, पारदर्शिता एवं प्रतिबद्धता के साथ तेजी लाने का निर्देश अधिकारियों को दिए। इस समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव वंदना दादेल, सचिव कृपानंद झा, सचिव के० श्रीनिवासन, सचिव अरवा राजकमल, सचिव मनोज कुमार, आदिवासी कल्याण आयुक्त अजय नाथ झा, मनरेगा आयुक्त मृत्युंजय बरनवाल, निदेशक कृषि कुमार ताराचंद, एम डी, एनआरएचएम अबू इमरान तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सभी जिलों के उपायुक्त एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिला स्तर पर योजनाओं के कार्यान्वयन में गति लाएं ताकि विकास की राह में खड़े अंतिम व्यक्ति तक राज्य सरकार द्वारा संचालित महत्वाकांक्षी योजनाओं को पहुंचाया जा सके। मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के उपायुक्तों से कहा कि राज्य में विकास की गति को तेज करने में आपसभी की कार्यशैली अहम भूमिका रखती है, ऐसे में आप सभी इस बात का विशेष ख्याल रखें कि योजनाएं तय समय सीमा में पूरी हो, ताकि अधिक से अधिक जनमानस को योजनाओं का लाभ मिल सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि गर्मी के महीने में आम जनमानस को पेयजल की समस्या उत्पन्न न हो इस पर विशेष ध्यान रखी जाए। जल संकट की स्थिति उत्पन्न न हो, इस निमित्त शीघ्र कार्य योजना तैयार करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि गर्मी के दिनों में अक्सर जंगलों में आगजनी की खबरें मिलती हैं। जंगलों को संरक्षित करना राज्य सरकार की प्राथमिकता है अतएव आगजनी की समस्या का तत्काल समाधान निकालें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि प्रखंड कार्यालय, अंचल कार्यालय तथा थाना, सरकार का चेहरा होता है। इन कार्यालय में पूरी पारदर्शिता के साथ जमीन की रसीद काटने से लेकर म्यूटेशन के कार्य हों तथा विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र निर्गत करने में शिथिलता नहीं बरती जाए। लोगों का राज्य सरकार के प्रति विश्वास बढ़े इस निमित्त छोटी-छोटी समस्याओं का भी त्वरित निदान सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्री मैट्रिक (कक्षा 1 से 10) की छात्रवृत्ति राशि का भुगतान अध्यनरत छात्र-छात्राओं को निर्धारित समय पर किया जाना सुनिश्चित करें। इस हेतु एक तय समय सीमा के अंतर्गत सत्यापन और भुगतान का कार्य पूरा करें। राज्य सरकार इस बात को लेकर प्रतिबद्ध है कि छात्रवृत्ति राशि हेतु प्राप्त आवेदनों की जांच / सत्यापन कर छात्रवृत्ति राशि का भुगतान किसी भी हाल में लम्बित नही रहना चाहिए।

आतंकी तहव्वुर राणा अमेरिका से स्पेशल फ्लाइट से भारत रवाना

एजेंसी

नयी दिल्ली : 26/11 मुंबई आतंकी हमलों के दोषी तहव्वुर राणा भारत लाया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार जांच एजेंसी एनआईए और खुफिया एजेंसी रॉव की एक जॉइंट टीम तहव्वुर को लेकर स्पेशल फ्लाइट में रवाना हो चुकी हैं। बुधवार देर रात तक उसके भारत पहुंचने की संभावना है। राणा को एनआईए अगले कुछ हफ्तों तक उसे अपनी कस्टडी में रखेगी।

2008 मुंबई आतंकी हमले के दोषी राणा के प्रत्यर्पण पर रोक लगाने की याचिका अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। राणा ने भारत आने से बचने के लिए याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में राणा खुद को पार्किंसन बीमारी से पीड़ित बताते हुए कहा था कि अगर भारत डिपोर्ट किया गया तो उसे प्रताड़ित किया जा सकता है। गौरतलब है कि 26 नवंबर 2008 को मुंबई में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकियों ने हमले किए। चार दिनों तक चले इन हमलों में कुल 175 लोग मारे गए, जिनमें 9 हमलावर भी शामिल थे, और 300 से अधिक लोग घायल हुए।

अमेरिका के शिकागो में अक्टूबर 2009 में एफबीआई ने ओ हेयर एयरपोर्ट से तहव्वुर राणा को गिरफ्तार किया था। राणा पर मुंबई और कोपेनहेगन में आंतकी हमले को अंजाम देने के लिए जरूरी सामान मुहैया कराने का आरोप था। हेडली की गवाही के आधार पर तहव्वुर को 14 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह अमेरिका के लॉस एंजिल्स के एक डिटेंशन सेंटर में बंद है। राणा को अमेरिका में लश्कर-ए-तैयबा का समर्थन करने के लिए दोषी ठहराया गया था।

जांच एजेंसियों के अनुसार, राणा ने इन हमलों की योजना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और वह खुद नवंबर 2008 में 11 से 21 तारीख के बीच दुबई होते हुए मुंबई आया। उसने होटल रेनासां में ठहरकर हमले से संबंधित तैयारियों की समीक्षा की, और हमले ठीक पांच दिन बाद 26 नवंबर को हुए।

अमेरिकी न्याय विभाग के दस्तावेजों के अनुसार, तहव्वुर राणा और डेविड हेडली को 2009 में एफबीआई ने डेनमार्क के एक समाचार पत्र पर हमले की योजना बनाने और लश्कर-ए-तैयबा को सहायता देने के आरोप में गिरफ्तार किया था। भारत सरकार ने 2019 में राणा के प्रत्यर्पण के लिए अमेरिका को एक कूटनीतिक नोट भेजा था।

बिहार में वज्रपात की चपेट में आने से 11 की मौत व पांच गंभीर

एजेंसी

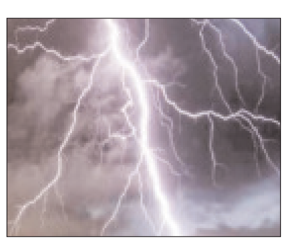

पटना : बिहार में बुधवार को आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें सबसे ज्यादा बेगूसराय में पांच लोगों की मौत हुई। इसके अलावा मधुबनी में तीन, दरभंगा में दो और अररिया में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

बेगूसराय जिले के बलिया, साहेबपुर कमाल, मुफस्सिल, भगवानपुर और मटिहानी थाना क्षेत्रों में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हुई है और पांच अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। बलिया थाना क्षेत्र के भगतपुर गांव में 50 वर्षीय बिरल पासवान की मौत हो गई है, जबकि उनकी पत्नी जितन देवी गंभीर रूप से झुलस गई हैं। पत्नी को बलिया पीएचसी में भर्ती कराया गया है। यह दंपति खेत से भूसा लेकर आ रहे थे, तभी अचानक आसमान से गिरी बिजली की चपेट में आ गए। दूसरी घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के मोहनपुर ढाब बहियार में हुई, जहां महादलित टोला नवटोलिया की रहने वाली 60 वर्षीय इंदिरा देवी आकाशीय बिजली की चपेट में आ गईं। पुलिस ने उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

तीसरी घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के कोला बहियार में हुई, जहां सूजा गांव के निवासी 45 वर्षीय पंकज महतो खेत से लौटते समय अचानक हुए वज्रपात से जान गंवा बैठे। चौथी घटना मटिहानी के सिंहमा गांव में हुई, जहां सिंहमा गांव के वार्ड-4 निवासी 80 वर्षीय जनार्दन महतो की आकाशीय बिजली गिरने मौत हो गई। पांचवीं घटना भगवानपुर थाना क्षेत्र के मानोपुर गांव में 13 वर्षीय अंशु कुमारी पुत्री रामकुमार सदा की आकाशीय बिजली गिरने से मौत हो गई। उसके साथ की तीन अन्य महिलाएं और बच्चियां संजू देवी, आंचल कुमारी और मुस्कान कुमारी गंभीर रूप से घायल हो गईं इनको निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मधुबनी जिले में झंझारपुर थाना क्षेत्र के पिपरौलिया पंचायत वार्ड संख्या -4 में निवासी रमन कुमार महतो की पत्नी दुर्गा देवी बारिश में अपने गोइथा को ढकने के लिए गई थी, तभी वह व्रजपात की चपेट में आ गई और उनकी मौके पर मौत हो गई।

सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करने लिए लगातार प्रयासरत है : रामदास सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में जिला स्तरीय चौकीदार नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर मंत्री ने चौकीदार के 224 रिक्त पदों पर नवचयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपा। नियुक्ति पत्र प्राप्त होते ही युवाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे और वे उत्साह से झूम उठे। उन्होंने एक स्वर में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

मंत्री रामदास सोरेन ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार युवाओं के सपनों को पूरा करने लिए लगातार प्रयासरत है। सरकारी नौकरी पाना हर युवा का सपना होता है, और सरकार के संकल्प का ही परिणाम है कि आज 224 युवाओं को चौकीदार पद पर नियुक्त किया गया है। उन्होंने नियुक्त अभ्यर्थियों से अपील की कि वे अपने दायित्वों का कर्तव्यनिष्ठा से निर्वहन करें और प्रशासन को मजबूत बनाने में योगदान दें।

उन्होंने राज्यवासियों से आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को नियमित रूप से स्कूल भेजें, क्योंकि शिक्षा ही समाज में बदलाव ला सकती है। जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय ने चौकीदारों की नियुक्ति को सरकार की सराहनीय पहल बताते हुए कहा कि पुलिस प्रशासन की सबसे निचली इकाई के रूप में चौकीदारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने आशा जताई कि नवचयनित युवा अपने पद के प्रति न्यायसंगत कार्य करेंगे और कानून व्यवस्था बनाए रखने में मदद करेंगे। बहरागोड़ा के विधायक समीर मोहंती ने कहा कि इस नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रशासनिक व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने नियुक्त अभ्यर्थियों से सेवा और समर्पण की भावना से कार्य करने का आह्वान किया। पोटका के विधायक संजीव सरदार ने नवचयनित चौकीदारों को बधाई देते हुए कहा कि यह पद बेहद महत्वपूर्ण है और सभी को पूरी निष्ठा के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करना चाहिए। इस अवसर पर राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष हिदायतुल्ला खान, गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष राजू गिरी, जिला परिषद अध्यक्ष बारी मुर्मू समेत जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

नौसेना के लिए फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने को सरकार की मंजूरी

- अनुबंध के तहत 37 महीनों के भीतर पहला राफेल मरीन विमान देने की बाध्यता होगी

एजेंसी

नई दिल्ली : भारत ने फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील को मंजूरी दे दी है। 63 हजार करोड़ रुपये से अधिक के इस सरकारी सौदे पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। इससे भारतीय नौसेना की लड़ाकू ताकत और ज्यादा मजबूत होगी। फ्रांस को अनुबंध के तहत सौदे पर हस्ताक्षर करने की तिथि से 37 महीनों के भीतर पहला राफेल मरीन विमान देने की बाध्यता होगी। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत के लिए बोइंग एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट की जगह फ्रांसीसी राफेल मरीन को चुना है। भारत और फ्रांस के बीच इस बारे में लम्बे समय से चल रही बातचीत पूरी हो चुकी है। पहले इस वित्तीय वर्ष में ही सौदे पर हस्ताक्षर करने की योजना थी, लेकिन संसद के बजट सत्र के कारण इसमें देरी हुई है। भारतीय नौसेना के मल्टी-रोल कैरियर बोर्न फाइटर के लिए आपातकालीन खरीद नीति के तहत सरकार-से-सरकार सौदे के माध्यम से 26 एयरफ्रेम प्राप्त किए जाएंगे। पहले इस तरह के 57 विमान खरीदे जाने थे, लेकिन बाद में यह संख्या घटाकर 26 कर दी गई है।

भारत की जरूरतों के लिहाज से फ्रांसीसी कंपनी ने परमाणु सक्षम एक 'राफेल मरीन' स्की-जंप करने की क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए भारत भेजा था।विमानवाहक आईएनएस 'विक्रांत' के लिए भारतीय नौसेना ने पिछले साल जनवरी में गोवा स्थित आईएनएस हंसा में समुद्री लड़ाकू विमान 'राफेल मरीन' का परीक्षण किया था। वायु सेना के राफेल जेट और समुद्री संस्करण 'राफेल मरीन' में एक अंडरकारेज और नोज व्हील, एक बड़ा अरेस्टर हुक, एक एकीकृत सीढ़ी जैसे कई अन्य मामूली अंतर हैं। 'राफेल मरीन' स्की टेक-ऑफ के लिए चार-पांच टन तक बाहरी भार (पूर्ण आंतरिक ईंधन के साथ) ले जा सकता है। राफेल बनाने वाली कंपनी डसॉल्ट एविएशन को भरोसा है कि राफेल एम भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस विक्रांत के लिए उपयुक्त होगा। राफेल एम का इस्तेमाल अभी भी ग्रीस, इंडोनेशिया और यूएई की सेनाएं कर रही हैं। भारतीय नौसेना का मानना है कि राफेल उसकी जरूरतों को काफी बेहतर तरीके से पूरा कर सकता है। भारतीय नौसेना 43 पुराने रूसी फाइटर जेट मिग-29के और मिग-29के यूबी को अपने बेड़े से हटाना चाहती है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भाजपा सरकार पर किया प्रहार

सत्ताधारी पार्टी संवैधानिक मूल्यों व संस्थाओं पर कर रही है हमला : मल्लिकार्जुन खरगे

एजेंसी

अहमदाबाद : कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने देश के मौजूदा राजनीतिक हालात पर चिंता जताई और केन्द्र की भाजपा सरकार पर जमकर प्रहार किया। खरगे ने कहा कि पिछले 11 साल से सत्ताधारी पार्टी संवैधानिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रही है, इससे रोकने की जरूरत है और इसके लिए कुछ भी करने के लिए तैयार रहने की जरूरत है। केन्द्र सरकार का यह रवैया है, लोकतंत्र को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है।

साबरमती तट पर बसे अहमदाबाद में चल रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने हाल ही में हुए बजट सत्र के दौरान सरकार पर मनमानी करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि स्पीकर ने राहुल गांधी का नाम लिया, लेकिन बाद में उन्हें बोलने नहीं दिया गया। यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। यह सरकार सामान्य लोगों को कहा बोलने देगी। नेता विपक्ष की बात को दबाई जा रही है तो आज की सरकार की मानसिकता समझी जा सकती है।

खरगे ने कहा कि आज देश में जनता के मुद्दों पर चर्चा होने के बजाए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण पर चर्चा हो रही है। उन्होंने कहा कि मणिपुर जैसे मुद्दे पर सुबह 4.30 बजे चर्चा होती है। उन्होंने संसद में कहा था कि इस मुद्दे पर वे बात करना चाहते हैं, क्योंकि इस मुद्दो पर हमें बोलना है कि मणिपुर में क्या चल रहा है। इसके बावजूद सरकार ने हमारी बात नहीं मानी। इसका आशय है कि मणिपुर मामले में सरकार कुछ छुपाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सुबह 5 बजे तक संसद चली, लोग सो रहे थे, इस समय सरकार बिल लाती है। सरकार का यह रवैया है, लोकतंत्र को धीरे-धीरे खत्म कर रहा है। खरगे ने कहा कि अमेरिका ने हम पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में हजारीबाग की रामनवमी जुलूस संपन्न, सांसद व विधायक ने जताया आभार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग की ख्यातीपुर्ण और ऐतिहासिक रामनवमी जुलूस-2025 को सौहार्दपूर्ण वातावरण में शांति और अमन के साथ संपन्न कराने के लिए हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने हजारीबाग के सभी अखाड़ाधारी, क्लबों के सदस्यों, आम- आवाम, रामभक्त, सद्भावना से जुड़े लोग, समाजसेवी, जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, रामनवमी महासमिति के लोग, विभिन्न सामाजिक संगठन और प्रेस- मीडिया के लोगों को बहुत-बहुत बधाई दी। सांसद मनीष जायसवाल ने बताया कि हजारीबाग रामनवमी की परंपरा वर्तमान वर्ष पूरे उत्कर्ष और वैभव पर दिखा और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। झांकियों के अवलोकन के लिए विशाल जनसैलाब भी उमड़ा। हजारीबाग के जन-जन रामधुन में रमें रहें और कण- कण में श्री राम नाम गुंजायमान होती रही। उन्होंने बिना किसी विवाद या अप्रिय घटना के पारंपरिक अस्त्र-शस्त्र कला कौशल प्रदर्शन के वैभव के साथ सौहार्दपूर्ण वातावरण में रामनवमी मनाने के लिए हजारीबाग के रामभक्तों और श्रद्धालुओं को साधुवाद भी दिया ।

आस्था, अनुशासन और एकता की मिसाल है हजारीबाग : मुन्ना सिंह

हजारीबाग : इंटरनेशनल रामनवमी 2025 के ऐतिहासिक और भव्य आयोजन को लेकर हजारीबाग कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने समस्त राम भक्तों, आयोजन समिति, जिला प्रशासन और आम नागरिकों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। एक प्रेस वक्तव्य में मुन्ना सिंह ने कहा कि हजारीबाग की धरती ने एक बार फिर यह प्रमाणित कर दिया है कि यह केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना का भी एक जीवंत केंद्र है। उन्होंने कहा, यह आयोजन आस्था, अनुशासन और एकता की मिसाल है, जहां हर वर्ग, हर समुदाय ने एक साथ मिलकर भक्ति, भाईचारे और व्यवस्था का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष बसंत यादव, जिला प्रशासन, पुलिस बल, नगर निगम, स्वयंसेवकों और समस्त आयोजन समिति की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मेहनत और कुशल समन्वय के बिना यह आयोजन इस स्तर की सफलता प्राप्त नहीं कर सकता था। उन्होंने आगे कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल धार्मिक आस्था को बल मिलता है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकजुटता भी सशक्त होती है।

संजय सिंह ने रामनवमी शांतिपूर्वक संपन्न कराने पर प्रशासन दिया बधाई

बड़कागांव : झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष झारखंड श्रमिक संघ जिला सचिव संजय कुमार सिंह ने बड़कागांव प्रखंड में शांतिपूर्वक रामनवमी संपन्न होने पर जिला प्रशासन, स्थानीय प्रशासन एवं ग्रामीणों को बधाई दिया है ।कहा बड़कागांव प्रखंड में ऐतिहासिक रूप में महा रामनवमी को त्यौहार मनाया गया। इस त्यौहार में नवमी दशमी को जुलुस झांकी राम भक्तों के द्वारा एवं अस्त्र शस्त्र का कला प्रदर्शन दिखाया गया। एसडीपीओ पवन कुमार,बीडीओ जितेंद्र मंडल, सीओ मनोज कुमार इंस्पेक्टर अनिल कुमार ,थाना प्रभारी नेमधारी रजक, रामनवमी महासमिति के अध्यक्ष विवेक सोनी ने 13 अखाड़े के राम भक्त एवं विधि व्यवस्था सुरक्षा में तैनात पुलिस जवान धन्यवाद के पात्र हैं।

रामनवमी की ऐतिहासिक सफलता पर सदर विधायक ने दी समस्त हजारीबाग वासियों को दी बधाई

हजारीबाग की गौरवशाली सांस्कृतिक परंपरा के अनुरूप इस वर्ष रामनवमी शोभायात्रा 2025 अत्यंत भव्य, अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। इस ऐतिहासिक आयोजन की सफलता पर हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने समस्त हजारीबाग वासियों, रामभक्तों, आयोजन समिति और प्रशासन एवं मीडिया को हार्दिक बधाई एवं आभार प्रकट किया। विधायक श्री प्रसाद ने कहा रामनवमी सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, अपितु हमारी सांस्कृतिक चेतना का उत्सव है। इस बार हजारीबाग ने जिस उत्साह, एकजुटता और अनुशासन के साथ इस आयोजन को सम्पन्न किया, वह पूरे राज्य के लिए एक मिसाल है। उन्होंने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सभी अखाड़ाधारी वीरों, क्लब प्रतिनिधियों, रामनवमी महासमिति के समर्पित सदस्यों, सामाजिक संगठनों, सेवा में तत्पर अस्पताल कर्मियों, जिला प्रशासन, पुलिस बल तथा मीडिया कर्मियों के प्रति विशेष धन्यवाद व्यक्त किया। साथ ही श्री प्रसाद जी ने कहा कि इस वर्ष का रामनवमी झांकी को देखने के लिए लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरे थे। महिलाएं, नौजवान साथियों की संख्या भी काफी देखने को मिली।

रामनवमी हुआ भव्य एवं शांतिपूर्ण समापन, उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने हजारीबाग वासियों का जताया आभार

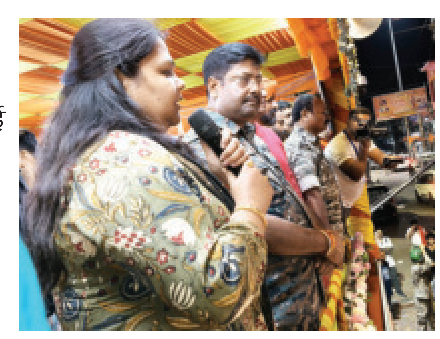

हजारीबाग : हजारीबाग की सुविख्यात रामनवमी 2025 का शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न होने पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने हजारीबाग के समस्त जनता को धन्यवाद दिया,उन्होंने पुलिस प्रशासन एवं जिला प्रशासन के बेहतर कॉर्डिनेशन को सफलता का मूल मंत्र बताया। मौके पर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त नैन्सी सहाय ने जिलेवासियों को तहे दिल से धन्यवाद दिया है। उपायुक्त ने कहा कि 2025 की रामनवमी व्यक्तिगत रूप मेरे लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य था, लगातार चार रामनवमी का आयोजन कराने को लेकर कई महत्वपूर्ण जिम्मेवारीयों का निर्वहन करने का दायित्व भी था। हजारीबाग वासियों ने मिसाल कायम किया है,सभी को दिल से आभार। पुलिस पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों,अन्य जिलों से आए प्रतिनियुक्त दंडाधिकारियों, अंचलाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, कर्मियों, विद्युत विभाग, नगर निगम एवं स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े तमाम लोगों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि अथक प्रयास और पूरी तत्परता के साथ सभी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया है। मीडिया को धन्यवाद देते हुए उपायुक्त ने कहा सभी ने अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सही सूचनाओ को आमजन तक पहुंचाया उनका भी सहयोग सराहनीय है। पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह ने भी ऐतिहासिक रामनवमी पर्व के सफल आयोजन पर कहा कि तमाम जिले वासियों के सहयोग,अनुशासन से प्रभावित हूं। सभी मीडिया कर्मी,पुलिस प्रशासन ने भी इस ऐतिहासिक पर्व को सफल बनाने में कोई कोर कसर बाकी नहीं रखी सभी को आभार। उन्होंने शांति समिति, शांति मित्र, विभिन्न अखाड़ा समिति, सद्भावना समिति, संरक्षण समिति, महासमिति के तमाम सदस्यों और विभिन्न धर्मों के प्रबुद्धजनों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से यह सम्भव हो पाया है। इस अवसर पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने उम्मीद जताया कि आगे भी इसी तरह जनता और मीडिया का सहयोग मिलता रहेगा।

बाइक राइडर ने रोड पर खड़ी ट्रेलर को मारी टक्कर, मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : चौपारण थाना क्षेत्र के पवई गांव के समीप सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। हाईवे पर सड़क किनारे खड़े ट्रेलर में बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दी। जिसके कारण बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान दिवाकर चक्रवर्ती, उम्र 45 वर्ष, पिता विजय चक्रवर्ती, निवासी रविन्द्र नगर बी.के.सी. कॉलेज आई.एस.आई, थाना बड़ा नगर, जिला- 24 उत्तर परगना पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। जो अपने चार साथियों के साथ बंगाल से नेपाल घूमने जा रहा था। मृतक दिवाकर चक्रवर्ती के साले राजू मजूमदार ने चौपारण थाना में लिखित आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि पश्चिम बंगाल से हम सभी चार लोग मंगलवार की देर शाम 7:20 अपने-अपने मोटरसाइकिल से पश्चिम बंगाल से नेपाल घूमने जा रहे थे। मेरे साला दिवाकर चक्रवर्ती अपनी मोटरसाइकिल यामाहा एफ.जेड रजि. नं.-डब्ल्यूबी24बीएन-5382 चला रहे थे। बुधवार की सुबह करीब 05.00 बजे जब हम चौपारण थाना अंतर्गत पवई गांव के समीप जीटी रोड पर एचपी पेट्रोल पंप के पास पहुंचे तो सड़क के किनारे एक ट्रक खड़ी थी और मेरे साला दिवाकर चक्रवर्ती उसमें पीछे से टकरा गया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद वहां भीड़ जमा हो गई, भीड़ में से किसी ने थाने को सूचना दी, जिससे पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद मेरे साला मृतक दिवाकर चक्रवर्ती को ट्रक के पीछे से निकाला गया। खड़ी ट्रक का रजिस्ट्रेशन नंबर जेएच02बीपी-4265 है और यह ट्रक हाईवे पर सड़क के किनारे सफेद पट्टी से अंदर रोड की ओर लगा हुआ था। ट्रक के पीछे कोई रिफ्लेक्टर टेप नहीं लगा था और न ही ट्रक के पीछे या ट्रक से थोड़ी दूरी पर कोई साइन बोर्ड लगा था। जिसके कारण मेरे साला दिवाकर चक्रवर्ती ट्रक में पीछे से टकरा गया और उनकी मौत हो गई। साथ ही आवेदन में उन्होंने लिखा कि मेरा पुरा विश्वास है कि मेरे साले की मृत्यु ट्रक के चालक के लापरवाही के कारण रोड के किनारे ट्रक खडा कर देने से उससे टकराने पर मृत्यु हुई है।

केंद्र सरकार जल जंगल जमीन के साथ भी कर रही खिलवाड़ : अंबा प्रसाद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : अहमदाबाद में राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय अधिवेशन को कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व कांग्रेस सह प्रभारी पश्चिम बंगाल, पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने भाग लिया और लोगों को संबोधित किया। अपने अभिभाषण शुरूआत करते हुए अंबा प्रसाद ने कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व जिम्मेदारी पर बात करते हुए आला कमान का धन्यवाद दिया। जारी प्रेस विज्ञप्ति में अंबा प्रसाद ने केंद्र सरकार के निरंकुश सरकार कहा और उनके फैसलों पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा? कि आज देश में अन्याय सिर्फ लोगों के साथ नहीं हो रही है, बल्कि जल-जंगल-जमीन के साथ भी हो रहा है। देश के जंगलों को नष्ट किया जा रहा है। पशु-पक्षी सभी अपने घर खो रहे हैं। अंबा प्रसाद ने कहा कि हम झारखंड से आते हैं तथा झारखंड वासियों के लिए सबसे प्रिय उनकी जल, जंगल जमीन होती है ।लेकिन सरकार के चहेते लोग प्रोजेक्ट लेने के बाद हमारे जंगल और जमीन के साथ खिलवाड़ करते हैं। इसकी वजह से न तो हमारे लोगों को संरक्षण मिलता है और न ही सुविधाएं। केंद्र सरकार हमारे जल जंगल और जमीन के साथ भी खिलवाड़ कर रही है। अंबा प्रसाद ने अपील करते हुए कहा कि हमें इसी अन्याय के खिलाफ लड़ना है और न्यायपथ पर आगे बढ़ना है।

भव्य कलश यात्रा के साथ श्री श्री 108 बूढ़ा बाबा रूद्र महायज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बांसा बांधडीह में बुधवार को श्री श्री 108 बूढ़ा बाबा रूद्र महायज्ञ सह शिव प्राण प्रतिष्ठा का शुभारंभ भव्य कलश यात्रा के साथ विधिवत रूप से किया गया। यज्ञ स्थल से कुल 551 कलश लेकर कुंआरी कन्याएं एवं श्रद्धालु महिलाएं चेचकाधाम घाट, दामोदर नदी पहुँचीं। यहां कांकोमठ से पधारे यज्ञाचार्य रविकांत शास्त्री द्वारा मुख्य यजमान संटू राय के साथ वैदिक विधि-विधानपूर्वक कलश पूजन व संकल्प सम्पन्न कराया गया। कलशों में पवित्र जल भरने के बाद जय श्रीराम, हर हर महादेव और जय हनुमान के जयघोष के साथ श्रद्धालु कलश यात्रा के रूप में पुनः यज्ञ स्थल की ओर रवाना हुए। इस दौरान विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से श्रद्धालुओं के लिए पानी, शर्बत एवं अन्य पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई। यज्ञ संचालन समिति की ओर से जल, शर्बत, फल, चना-गुड़ तथा महाप्रसाद का भी वितरण किया गया। यज्ञ मंडप में कलशों की स्थापना वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हुई। मुख्य आचार्य रविकांत शास्त्री के साथ पं. अरुण कुमार पाण्डेय, पं. रौशन पाण्डेय, पं. अविनाश की उपस्थिति में अग्नि प्रज्वलित कर यज्ञ अनुष्ठान की शुरूआत की गई। यह रूद्र महायज्ञ सप्ताह भर तक चलेगा, जिसमें प्रतिदिन हवन, यज्ञ एवं परिक्रमा का आयोजन होगा। रात्रि कालीन कार्यक्रम में कथावाचिका नंदिनी तिवारी एवं शिवि तिवारी द्वारा शिव चर्चा पर आधारित कथा का वाचन किया जाएगा। साथ ही नगर भ्रमण के तहत शिवलिंग यात्रा भी संपन्न की गई। आयोजन में मुख्य यजमान संटू राय के साथ आयोजन समिति के सदस्य राजकिशोर मेहता, बब्लू चौबे, श्याम पैतंडी, माणिक राय, शुभंकर पैतंडी, विक्की तिवारी, अमित मेहता, किशन चौबे, जगतू दास, चंदन मेहता, रूपेश तिवारी, नेपाल तिवारी, पंकज भट्टाचार्य सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

एक नजर

वेंकटेश्वर मंदिर के वार्षिकोत्सव की तैयारियां शुरू

रांची : रांची के रातू रोड वेंकटेश्वर मंदिर संचालन समिति की बैठक बुधवार को कार्यकारी अध्यक्ष राम अवतार नारसरिया की अध्यक्षता में हुई। बैठक में कहा गया कि भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर को रांची में स्थापित हुए 18 वर्ष पूरे हो रहे हैं। बैठक में समिति ने मंदिर का 18वां वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया। समिति ने कहा कि वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव 18 से 20 जुलाई तक मनाई जाएगी। इस अवसर पर महालक्ष्मी और माता भूदेवी के साथ भगवान का कल्याणोत्सव दाक्षिणात्य पद्धति से होगा। इसके पहले भगवान श्रीलक्ष्मी वेंकटेश संग माता श्रीदेवी और श्रीभूदेवी पालकी पर विराजमान होकर नगर भ्रमण के लिये निकलेंगे और भक्तों को उनके दरवाजे तक जाकर दर्शन देंगे। समिति की ओर से मंदिर में हनुमानजी और गरुड़जी को प्रतिष्ठापित करने का निर्णय लिया गया। भक्त हनुमानजी गर्भगृह के दाहिने तरफ और पक्षीराज श्रीगरुड़ गर्भगृह के बाएं तरफ विराजमान होंगे ।मूर्ति निर्माण के लिए कारीगर को आंध्र प्रदेश के तिरुपति ये बुलाया गया है और जल्दी ही मूर्ति निर्माण का कार्य शुरू हो जाएगा। हनुमानजी और गरुड़जी की प्रतिष्ठा मंदिर के वार्षिकोत्सव सह कल्याणोत्सव के समय होगी। बैठक में अनूप अग्रवाल, नारायण प्रसाद जालान, रमेश धरनीधरका, ओमप्रकाश केजरीवाल, रामवृक्ष साहू, मुरारी लाल मंगल, संतोष कुमार मोदी और विनय धरनीधरका उपस्थित थे।

स्वर्णिम और गौरवपूर्ण है सीआरपीएफ का इतिहास : पुष्कर भारद्वाज

खूंटी : तजना स्पोर्ट्स कांप्लेक्स खूंटी में स्थित 94 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की ओर से बुधवार को शौर्य दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सीआरपीएफ 94 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी पुष्कर भारद्वाज ने शहीदों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने क्वार्टर गार्ड में सलामी ली और सैनिक सम्मेलन के माध्यम से जवानों को शौर्य दिवस के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल भारत का ही नहीं, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा अर्धसैनिक बल है। इसका इतिहास स्वर्णिम एवं गौरवपूर्ण है। नौ अप्रैल 1965 का गौरवशाली दिन सीआरपीएफ के लिए ही नहीं, बल्कि सभी वदीर्धारियों के लिए गौरव का दिन है, क्योंकि आज ही के दिन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जांबाजों द्वारा ऐसा कारनामा किया गया, जिसका कोई अन्य उदाहरण विश्व इतिहास में नहीं मिलता। नौ अप्रैल 1965 को पश्चिम पाकिस्तान की सीमा पर स्थित कच्छ के रन (गुजरात) में सरदार और टाक पोस्ट पर सीआरपीएफ की द्वितीय वाहिनी की चार कंपनियां सुरक्षा व्यवस्था में तैनात थीं। तभी तड़के लगभग 3.30 बजे पाकिस्तान की इन्फेंट्री ब्रिगेड के लगभग 3500 जवानों ने गुपचुप तरीके से सीमावर्ती भारतीय क्षेत्र पर कब्जा करने के नापाक इरादे से ऑपरेशन डेजर्ट हॉक के तहत अचानक हमला कर दिया था। तब उन पोस्टों पर तैनात द्वितीय वाहिनी सीआरपीएफ के जवानों ने साहस और वीरता का परिचय देते हुए पाकिस्तान की इन्फेंट्री ब्रिगेड के हमले को नाकाम किया। इसमें पाकिस्तानी फौज के 34 सैनिक मारे गये थे और चार को जिंदा पकड़ा गया था। सीआरपीएफ के जवानों ने बहादुरी से लड़ते हुए पाकिस्तानी इन्फेंट्री ब्रिगेड को 12 घंटे तक रोककर रखा। यह सैनिक लड़ाई इतिहास में अद्वितीय है, जिसमें एक अर्धसैनिक बल की छोटी सी टुकड़ी के जवानों ने एक पूरे ब्रिगेड के नियोजित आक्रमण को निष्फल कर दिया था।

संक्षिप्त खबरें

मनीष जायसवाल के द्वारा बड़कागांव बेटियों के लिए उपलब्ध कराया गया लहंगा

बड़कागांव : सांसद मनीष जायसवाल द्वारा लोकसभा क्षेत्र के गरीब बेटियों के बीच लहंगा वितरण कार्यक्रम के तहत बुधवार को बड़कागांव के विभिन्न गांव में बड़कागांव सांसद प्रतिनिधि पूनम साव के नेतृत्व में लहंगा वितरण किया गया। जिसमें बड़कागांव, पड़रिया, चोरका, जमनीडीह,आराहारा, लगातू, जुगरा, चेपा कला आदि गांव में घर-घर जाकर लहंगा उपलब्ध कराया गया। जो नियमित रूप से जारी रहेगा। मौके पर विधानसभा विधानसभा प्रतिनिधि पूनम शाह, सह प्रतिनिधि कृष्णा राम, बड़कागांव विधानसभा मीडिया प्रतिनिधि उमेश दांगी, बड़कागांव मंडल प्रतिनिधि रंजीत कुमार, सिद्धार्थ कुमार मौजूद थे।

शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने को लेकर नामांकन रैली का हुआ आयोजन

चौपारण : प्रखंड के पड़रिया पंचायत स्थित प्राइमरी स्कूल पड़रिया में बुधवार को नए नामांकन को बढ़ावा देने के लिए रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य था कि अधिक से अधिक बच्चों का स्कूल में प्रवेश हो और हर बच्चा स्कूल तक पहुँच सके। रैली की शुरूआत स्कूल परिसर से हुई और आस-पास के इलाकों में जाकर लोगों को बच्चों के नामांकन के लिए जागरूक किया गया। स्पीकर के माध्यम से पूरे क्षेत्र में शिक्षा का संदेश पहुँचाया गया और सभी अभिभावकों से अनुरोध किया गया कि वे अपने बच्चों को स्कूल में जरूर नामांकित करें। इस रैली में स्कूल के सभी शिक्षक, छात्र-छात्राएं और प्रबंधन समिति के सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए। पंचायत समिति, वार्ड सदस्य और ग्रामीणों ने भी पूरा सहयोग दिया। रैली के दौरान पड़रिया पंचायत के मुखिया पप्पू कुमार ने पूरी रैली में शामिल होकर सहयोग प्रदान किया। पिरामल फाउंडेशन से दुर्गेन्द्र राव ने भी रैली में भाग लेकर लोगों को शिक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया और समुदाय के सहयोग की सराहना की। सभी के सामूहिक प्रयासों से यह रैली सफल रही और नामांकन अभियान को नई ऊर्जा मिली।

दो विधायक के वर्चस्व की लड़ाई ने विस्थापित आंदोलन को किया बर्बाद : इमाम सफी

बोकारो : 03 अप्रैल को अपरेंटिस प्रशिक्षित संघ के छात्रों ने बोकारो स्टील प्लांट के एडीएम विल्डिंग के समक्ष नियोजन की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन के दौरान सीआईएसएफ के जवानों द्वारा लाठीचार्ज किया गया जिससे प्रेम कुमार महतो की मृत्यु हो गई और कई छात्र को गंभीर चोट आई जिसका बीजीएच में इलाज जारी है। घटना के तुरंत बाद स्थानीय विधायक स्वेता सिंह पहुंची और कुछ समय बाद डुमरी विधायक भी पहुंचा जिसके बाद दोनों विधायकों के समर्थक आपस में उलझ पड़े और देखते ही देखते विस्थापित आंदोलन दिशाहीन हो गया। दोनों विधायक की जुबानी जंग शुरू हो गई। 04 को बोकारो पुरी तरह बंद रहा वार्ता के लिए कई विधायक डीसी कार्यालय पहुंचे वहां भी विधायक स्वेता सिंह और जयराम महतो के समर्थक लड़ने लगे जिससे विस्थापित आंदोलन की कमजोरी उजागर कर दिया जिससे वार्ता असफल हो गया। देर शाम धारा 163 लगाकर आंदोलन को कुचलने का काम किया गया। दोनों विधायकों के जुबानी जंग तेज हो गया जिससे आन्दोलन पुरी तरह कमजोर हो गया। इसी कमजोरी को भांपते हुए सांसद ढूल्लू महतो ने पीड़ित परिवार, आन्दोलनकारी से बिना कोई बात किए आनन-फानन में शहीद प्रेम कुमार महतो के गार्जियन को पांच लाख रुपया की चेक, अस्थाई नोकरी, 20 डिसमिल जमीन मुआवजा की आश्वासन देकर आंदोलन को समाप्त करवा दिया। दुसरे दिन सेल प्रबंधन के शिकायत पर लगभग 400 अज्ञात आन्दोलनकारी पर मुकदमा दर्ज कर दिया गया। जो आंदोलन को हमेशा के लिए कुचलने की कोशिश है। सबसे आश्चर्य की बात है कि आन्दोलन में लगातार बयानबाजी करने वाले विधायक, सांसद पर कोई केस दर्ज नहीं किया जाता है। एक विस्थापित की बेटा मारा गया लेकिन दोषी सेल प्रबंधन और सीआईएसएफ के जवान पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। एशिया का सबसे बड़ा इस्पात कारखाना आज जमीन देने वाले को नौकरी मांगने पर मौत बांट रहा है। जो बहुत ही पीड़ादायक और असहनीय होता जा रहा है। राज्य और केंद्र सरकार इसका तमाशा देख रहे हैं। समय रहते सरकार इसका समाधान नहीं करते हैं तो जमीन मालिक और स्थानीय लोगों की बर्दाश्त की इंतहा पार कर गया है, कहीं ऐसा न हो कि आने वाले समय में बोकारो स्टील प्लांट इतिहास में दर्ज.होकर रह जाएगा।

सरहुल महोत्सव में जमकर थिरके विधायक सुदीप गुड़िया

खूंटी : रनिया बाजार टांड़ में बुधवार को आयोजित प्रखंड स्तरीय सरहुल मिलन समारोह में तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया और झामुमो के जिलाध्यक्ष जुंबैर अहमद पार्टी कार्यकताओं के साथ ढोल-मांदर की थाप पर जमकर थिरके। इसके पूर्व मुख्य अतिथि विधायक सुदीप गुड़िया, जुबैर अहमद, बीडीओ प्रशांत डांग, थाना प्रभारी विकास जायसवाल सहित अन्य अतिथियों का आयोजन समिति ने स्वागत किया। मौके पर विधायक ने कहा कि सरहुल प्रकृति से जुड़ा त्योहार है। उन्होंने कहा कि हम आदिवासियों और मूलवासियों का जीवन प्रकृति से जुड़ा है। हमारा जीवन जल जंगल, जमीन पर आश्रित है। आज के दिन में हमें प्रकृति के संरक्षण का संकल्प लेना होगा। प्रकृति की रक्षा से हमारा जीवन तथा पर्यावरण सुरक्षित रहेगा। उन्होंने कहा वे नेता नहीं, आपका बेटा व भाई हैं। झामुमो जिलाध्यक्ष जुबैर अहमद ने कहा कि पर्व त्योहार समाज में भाईचारा को बढ़ाता हैं। यहां के सभी समुदाय के लोग सभी त्योहार मिलकर जुलकर मनाते हैं। यही हमारी खासियत है। उन्होंने कहा कि प्रकृति व पर्यावरण के संरक्षण से हमारा जीवन चलता हैं यही सरहुल का संदेश भी है। कार्यक्रम की शुरूआत में पहानों ने पूजा अर्चना की। इसके बाद शोभायात्रा निकाली गयी। शोभायात्रा में शामिल लोग ढ़ोल मांदर की थाप नाचते गाते चल रहे थे। विधायक सुदीप गुड़िया ने भी स्वयं मांदर बजाकर सबको झूमाया। यहां विभिन्न गांव से आयी मंडलियों ने पारम्परिक नृत्य और गीत प्रस्तुत कर सबको झूमाया। मौके पर ग्राम प्रधान संघ तथा मुंडा संरक्षण समिति के अध्यक्ष सुरेश कोनगाडी, पीयूष गुड़िया, गैबिरियल तोपनो, तुरतन होरो, बेनसन कंडुलना, अनिल कंडुलना सहित अन्य उपस्थित थे।

एक नजर

तालाब में डूबने से बच्ची की मौत

रांची : रांची के हरमू राम नगर स्थित छठ तालाब में डूबने से एक बच्ची की मौत हो गई। 13 वर्षीय बच्ची अपने भाई के साथ तालाब में नहाने गई थी। इसी दौरान दोनों भाई- बहन तालाब में डूबने लगे। दोनों के डूबने के दौरान वहां कोई मौजूद नहीं था। इसी बीच बच्ची के एक और भाई ने जब छत से देखा की कोई भी दिखाई नहीं दे रहा है। तब वह दौड़ते हुए तालाब के पास पहुंचा। उसके बाद बच्ची के पिता ने आसपास के लोगों को इकट्ठा और अपनी बेटी को तालाब से निकाला। जिसके बाद सभी लोग बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्ची के पिता दिलीप यादव बस ड्राइवर हैं। हरमू में यह परिवार कई सालों से रह रहा है। तालाब में नहाने के लिए सभी भाई-बहन हर रोज जाते थे। बच्ची के तालाब में डूबने की सूचना पर सुखदेव नगर थाने पुलिस मौके पर पहुंची। जब तक पुलिस पहुंची बच्ची को लोगों की मदद से बाहर निकाल लिया गया था।

छात्रों और युवाओं की आवाज है एनएसयूआई : आलोक

रांची : भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के स्थापना दिवस पर झारखंड प्रदेश एनएसयूआई के पूर्व अध्यक्ष और प्रदेश कांग्रेस के महासचिव आलोक कुमार दुबे ने कहा कि एनएसयूआई छात्रों और युवाओं की आवाज है। दुबे ने बुधवार को कहा कि एनएसयूआई केवल छात्र संगठन नहीं, बल्कि यह एक वैचारिक आंदोलन है जिसने देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई की स्थापना वर्ष 1971 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने की थी, जिसका उद्देश्य युवाओं को प्रगतिशील विचारों से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनाना था। बीते वर्षों में संगठन ने शिक्षा, रोजगार और छात्र अधिकारों के लिए कई ऐतिहासिक संघर्ष किया है। उन्होंने कहा कि एनएसयूआई ने देशभर में छात्रों की आकांक्षाओं को स्वर दिया है। यह संगठन छात्र जीवन में राजनीतिक चेतना और सामाजिक ज़िम्मेदारी का बीज बोता है। मौजूदा दौर में जब शिक्षा प्रणाली और युवाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है,ऐसे में एनएसयूआई जैसे संगठनों की ज़िम्मेदारी और भी बढ़ जाती है।

श्री हनुमान जयंती 12 को

रांची : राजधानी रांची में श्री हनुमान जयंती 12 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जाएगी।आचार्य पंडित मनोज पांडेय ने बुधवार को बताया कि हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह की पूर्णिमा के दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। चैत्र पूर्णिमा 12 अप्रैल को है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को संकट मोचन श्री राम भक्त हनुमान का जन्म हुआ था। उन्होंने बताया कि भगवान विष्णु को रामावतार के समय सहयोग करने के लिए रुद्रावतार हनुमान का जन्म हुआ। सीता खोज, रावण युद्ध और लंका विजय में हनुमान जी ने प्रभु श्रीराम की पूरी मदद की। उनके जन्म का उद्देश्य ही राम भक्ति था। हनुमानजी के जन्म दिन को हनुमत जयंती और हनुमान व्रतम नामों से भी जाना जाता है। राजधानी रांची के संकट मोचन मंदिर सहित अन्य मंदिरों में हनुमान जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि पंचांग के अनुसार इस साल चैत्र पूर्णिमा 11 अप्रैल को तड़के 2.40 बजे शुरू हो रही है। पूर्णिमा का समापन 13 अप्रैल को रात 4.34 बजे होगा। सूर्योदय के समय पूर्णिमा तिथि 12 अप्रैल को है। ऐसे में हनुमान जयंती 12 अप्रैल को मनाई जाएगी। उसी दिन ही व्रत रखा जाएगा और हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार हनुमान जयंती रवि योग, जय योग, हस्त और चित्रा नक्षत्र में मनाई जाएगी। 12 अप्रैल को हस्त नक्षत्र सुबह से लग जाएगा।

झारखंड में औपचारिकता बनकर रह गयी है टेंडर प्रक्रिया : बाबूलाल मरांडी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में टेंडर प्रक्रिया और प्रशासनिक पारदर्शिता पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि राज्य में टेंडर केवल औपचारिकता बनकर रह गया है, जिससे भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण को बढ़ावा मिल रहा है। मरांडी ने बुधवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि भवन निर्माण विभाग ने सिमडेगा में लगभग एक करोड़ रुपये की लागत से कोल्ड स्टोरेज निर्माण के लिए 5 अप्रैल को टेंडर जारी किया और महज दो दिन बाद, 7 अप्रैल को निविदा खोलने की तिथि तय कर दी। उन्होंने कहा है कि गौर करने वाली बात यह है कि छह अप्रैल को रामनवमी का पर्व था और रविवार की छुट्टी भी। ऐसे में किसी भी इच्छुक संवेदक के लिए केवल एक दिन में आवश्यक दस्तावेज तैयार करना और निविदा प्रक्रिया में शामिल होना लगभग असंभव है। बाबूलाल ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया संदेह के घेरे में है और ऐसा प्रतीत होता है कि टेंडर पहले से ही किसी खास वर्ग या चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से तय किया गया था। उन्होंने कहा कि मैं पहले भी कई बार यह मुद्दा उठा चुका हूं कि अधिकांश टेंडर पहले से फिक्स होते हैं, जिससे घटिया निर्माण कार्य और भ्रष्टाचार को खुला बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने डीसी सिमडेगा से कहा है कि इस टेंडर को तत्काल निरस्त कर निष्पक्ष, पारदर्शी और सभी इच्छुक प्रतिभागियों को समान अवसर देने वाली प्रक्रिया के तहत पुनः जारी किया जाये, ताकि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाया जा सके और गुणवत्ता से समझौता न हो। आदिवासी समाज के अस्तित्व से समझौता कर लिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा है कि हेमंत सरकार ने अपने राजनीतिक स्वार्थ और वोट बैंक की राजनीति के चलते आदिवासी समाज के अस्तित्व से समझौता कर लिया है। संथाल परगना में घुसपैठियों को नागरिकता देकर वहां की परंपरा, संस्कृति और पहचान को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है। रामनवमी जुलूस में बाधा पहुंचाने वाले असामाजिक तत्वों को भी वोटबैंक की राजनीति के तहत संरक्षण दिया जा रहा है।

झारखंड में बादल छाने से गर्मी से राहत, आज बारिश की संभावना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

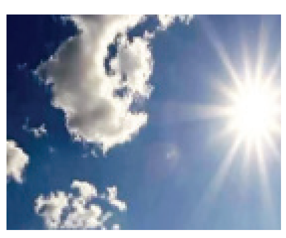

रांची : निम्न दबाव के कारण बुधवार को राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में बादल छाने से गर्मी से थोड़ी राहत मिली है। इससे रांची में तापमान में दो डिग्री की कमी आई है। यहां का तापमान मंगलवार को 37.5 डिग्री था जो घटकर बुधवार को 35.4 डिग्री सेल्सियस हो गया। मौसम विभाग के अनुसार 10 अप्रैल को राज्य के दक्षिणी जिले पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावां, मध्यवर्त्ती, जिले रांची, खूंटी, रामगढ़, गुमला, हजारीबाग तथा उत्तर-पूर्वी जिले देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोडडा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहेबगंज में हल्की बारिश, वज्रपात और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, 11 अप्रैल को राज्य के उत्तर-पश्चिम भागों में गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर भी येलो अलर्ट जारी किया गया है। 12 अप्रैल को राज्य दक्षिण, मध्य और उत्तर-पूर्वी भागों में कही-कहीं गर्जन, वज्रपात और 30-40 किमी की गति से तेज हवा चलने की आशंका व्यक्त की गई है। बुधवार की सुबह में रांची और आसपास के इलाकों में घने बादल छाये रहे और ठंडी-ठंडी हवा चली। इससे लोगों को ठंड का एहसास हुआ। हालांकि बाद में धूप निकली। दिनभर धूप और छांव की स्थिति बनी रही। इससे मौसम सुहावना रहा और गर्मी से लोगों को काफी राहत मिली।

विधायक सीपी सिंह के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से की मुलाकात

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधायक सीपी सिंह के नेतृत्व में भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी अनुराग गुप्ता से मुलाकात की। रांची के कांके में अनिल टाइगर महतो हत्याकांड के मुख्यारोपित को गिरफ्तार करने और अलग-अलग स्थानों में बड़ी आपराधिक घटनाओं को लेकर डीजीपी को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधि मंडल ने विधि व्यवस्था पर भी सवाल उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि झारखंड में अपराधी बेलगाम हैं। संगठित अपराधियों में पुलिस का भय खत्म हो चुका है। इस वजह से लोगों का विश्वास पुलिस पर से उठता जा रहा है। विधायक सीपी सिंह ने कहा कि रांची जिले में दिनदहाड़े हत्या, चोरी डकैती,दुष्कर्म की घटनाएं हुई हैं। हाल में ही कांके में भाजपा नेता अनिल टाइगर महतो की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। एक अपराधी के पकड़े जाने के बाद भी मुख्य आरोपित अबतक नहीं पकड़ा गया। उन्होंने कहा कि ठीक घटना के दूसरे दिन ही रवि स्टील में भूपल साहू की गला रेत कर हत्या कर दी गई। विधायक ने बताया कि डीजीपी ने बताया है कि अनिल महतो हत्याकांड का अनुसंधान चल रहा है जल्द ही अपराधी का खुलासा कर दिया जाएगा। मौके पर राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने इस बात पर चिंता जताई कि राजनीतिक कार्यकताओं खासकर भाजपा के कार्यकताओं को निशाना बनाया जा रहा है। इन सारी बातों से डीजीपी को अवगत कराया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि पुलिस उनकी मांगों को गंभीरता से लेगी और आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगी। प्रतिनिधिमंडल में विधायक सीपी सिंह, सांसद आदित्य साहू, हटिया विधायक नवीन जायसवाल, पूर्व मंत्री भानुप्रताप शाही, जिला अध्यक्ष विनय महतो धीरज, पूर्व विधायक समरी लाल, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, भाजपा नेता शशिभूषण भगत, प्रीतम साहू, अनिल महतो टाईगर के भाई अनुज कुमार महतो सहित अन्य शामिल थे।

ठेकेदारों को भुगतान नहीं कर रहा पेयजल विभाग, चेंबर से मांगी मदद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पेयजल और स्वच्छ,ता विभाग ठेकेदारों को भुगतान नहीं कर रहा है। इससे ठेकेदारों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट पैदा हो गई और वे बैंक डिफॉल्टर हो गए हैं। इसे लेकर ठेकेदारों ने बुधवार को चैंबर ऑफ कॉमर्स से हस्तक्षेप करने की गुहार लगाई है। राज्य के विभिन्न जिलों में कार्यरत कलस्टर सिंगल विलेज योजनाओं के कार्य में लगे ठेकेदारों चेंबर के पदाधिकारियों से मुलाकात की और बताया कि उन्हें पिछले 14 माह से भुगतान नहीं किया गया है। ठेकेदारों ने कहा कि आर्थिक समस्या के चलते गर्मी में सरकार की हर घर नल जल योजना भी प्रभावित हो सकती है। अधिकांश ठेकेदार 10 करोड़ रुपए से अधिक के कर्ज में हैं। मामले में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी ने जल्द ही इस मुद्दे पर विभाग से बात करने को लेकर आश्वासन दिया। साथ ही इस मामले में मुख्य सचिव से भी ठेकेदारों के बकाये की भुगतान के लिए जल्द पहल करने का आग्रह किया। मौके पर चेंबर अध्यक्ष ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि ठेकेदारों के प्रयास के बावजूद इस मामले में बातचीत के विभाग के अधिकारी केवल असमर्थतता जताते हैं।साथ ही अधिकारी ठेकेदारों को पुलिस बुलाकर कार्यालय से बाहर कर देने तक की बात करते हैं। चैंबर अध्?यक्ष ने विभागीय अधिकारियों के इस व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए जल्द ही इस मामले में विभागीय मंत्री से मिलकर बातचीत करने का आश्वासन दिया। मौके पर चैंबर के सह सचिव विकास विजयवर्गीय, ठेकेदार प्रभात कुमार, अनिल कुमार, शिवम कुमार, बिजय कुमार, बसंत कुमार, हरिष शर्मा, नीलांब कुमार, अनंत सिंन्हा सहित अन्यु मौजूद थे।

झामुमो के संविधान संशोधन समिति की बैठक में कई बिंदुओं पर हुई चर्चा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के हरमू स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में बुधवार को पार्टी के संविधान संशोधन समिति की बैठक हुई। बैठक में पार्टी के 13वें केंद्रीय महाधिवेशन में पेश होने वाले पार्टी के संविधान संशोधन के बिंदुओं पर विचार विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि झामुमो का महाधिवेशन 14 और 15 अप्रैल को होगा। महाधिवेशन में पार्टी के संशोधन किया जाएगा। इसे लेकर संविधान संशोधन समिति की बैठक में चर्चा की गई। साथ ही समिति ने पार्टी के कई प्रावधानों पर चर्चा की। साथ ही पार्टी के संगठन को और धारदार बनाने पर भी चर्चा हुई। बैठक में संविधान संशोधन समिति के सदस्य विनोद कुमार पांडेय, फागु बेसरा, सुदिव्य कुमार, योगेंद्र प्रसाद, अभिषेक प्रसाद और विजय कुमार हांसदा शामिल हुए।

अग्निवीर भर्ती : ऑनलाइन पंजीकरण की तिथि 25 अप्रैल तक बढ़ी, परीक्षा जून में संभावित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय सेना में अग्निवीरों की भर्ती के लिए ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि अब 25 अप्रैल 2025 कर दी गई है। इच्छुक अभ्यर्थी इस तिथि तक कॉमन एंट्रेंस परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं। रांची जिला प्रशासन ने बुधवार को यह जानकारी दी। परीक्षा का आयोजन जून 2025 में संभावित है। पंजीकरण करने के इच्छुक उम्मीदवारों को सलाह दी गयी है कि वे समय पर आवेदन करें और आवश्यक दस्तावेजों के साथ सभी दिशा-निर्देशों का पालन करें।

ये है मुख्य बिंदु

पंजीकरण तिथि : ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया 12 मार्च 2025 से शुरू होकर 25 अप्रैल 2025 तक चलेगी। पद : अग्निवीर जनरल ड्यूटी, क्लर्क/स्टोरकीपर, टेक्निकल, ट्रेड्समैन 10वीं और 8वीं श्रेणियों के लिए आवेदन मंगाये गये हैं। आयु सीमा : आयु की गणना 01 अक्टूबर 2025 से की जायेगी। पंजीकरण प्रक्रिया : उम्मीदवारों को भारतीय सेना की वेबसाइट (www.joinindianarmy.nic.in) पर लॉगिन करके अपनी पात्रता की जांच करनी होगी और प्रोफाइल बनानी होगी। परीक्षा शुल्क : परीक्षा शुल्क 250 रुपये निर्धारित किया गया है। सहायता : उम्मीदवारों को रजिस्ट्रेशन में किसी भी प्रकार की मदद चाहिए, तो वो सेना भर्ती कार्यालय, रांची से संपर्क कर सकते हैं। अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उम्मीदवारों को अपने आधार कार्ड को डिजिलॉकर से लिंक करना होगा। आधार कार्ड से लिंक मोबाइल नंबर और एक्टिव ईमेल आईडी की आवश्यकता होगी। आईटीआई डिप्लोमा, पॉलिटेक्निक डिप्लोमा, एनसीसी प्रमाण पत्र, स्पॉट्स प्रमाण पत्र धारकों को अधिकतम बोनस दिया जायेगा। फर्जी दस्तावेजों के मामले में उम्मीदवार की उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी। दलालों से सावधान रहें. उनके झांसे में न आएं। भारतीय सेना में भर्ती पूरी तरह से निष्पक्ष और पारदर्शी है।

संक्षिप्त खबरें

राज्यपाल से केनरा बैंक ऑफिसर्स ऑर्गेनाईजेशन के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को केनरा बैंक ऑफिसर्स ऑर्गेनाइजेशन का एक प्रतिनिधिमंडल ने संगठन महामंत्री नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में राज भवन में शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधियों ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े अधिकारी न केवल अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, बल्कि समाज सेवा में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

ग्रामीणों ने चोरों की बाइक और पिकअप वैन को किया आग के हवाले

रांची : रांची के ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के पतरातू गांव में बैटरी चोर गिरोह के पिकअप वैन और दो बाइक को आग के हवाले करने का मामला बुधवार को प्रकाश में आया है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की देर रात चार से पांच की संख्या में चोर पतरातू गांव में स्थित एक मोबाइल टावर का बैटरी चुराने के लिए पहुंचे थे। बैटरी टावर से खोलने के दौरान ही कुछ ग्रामीण नींद से जाग गए, जिसके बाद उन्होंने शोर मचाया तो चोर अपने वाहन वहीं छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों ने चोरों को काफी दूर तक खदेड़ा भी, लेकिन अंधेरे का फायदा उठाकर सभी चोर फरार होने में कामयाब रहे। इसके बाद ग्रामीणों ने चोर के वाहन में आग लगा दी। ठाकुरगांव थाना प्रभारी विनीत कुमार ने बुधवार को बताया कि बैटरी चोर गिरोह के वाहनों को आग के हवाले किया गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जले हुए वाहनों का सत्यापन भी करवाया जा रहा है।

हाई कोर्ट ने रांची की सहायक सड़कों की बदतर हालत पर पांच मई तक सरकार और निगम से मांगा जवाब

रांची : झारखंड हाई कोर्ट ने रांची की सहायक सड़कों की बदतर हालत को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और रांची नगर निगम को सख्त निर्देश दिए हैं। न्यायमूर्ति एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बुधवार को सरकार और नगर निगम को प्रार्थी की ओर से दी गयी सड़कों की सूची के आधार पर इसको दुरुस्त करने के लिए उठाए गये कदमों पर विस्तृत जवाब दाखिल करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई पांच मई को होगी, जिसमें सरकार और नगर निगम को अपने जवाब के साथ अदालत में पेश होना है। प्रार्थी के अधिवक्ता शुभम कटारुका ने अदालत को बताया कि रांची की मुख्य सड़कों को छोड़कर सभी सहायक सड़कों की हालत खराब है। इनमें लेक रोड, लालजी हिरजी रोड, विष्णु टॉकीज लेन, मधुकम रोड, सेवा सदन पथ, टैगोर हिल रोड और लालपुर-कोकर रोड जैसी प्रमुख सड़कें शामिल हैं। इन सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे हैं और मानसून और हल्की बारिश में जल जमाव से स्थिति और भी खराब हो जाती है। प्रार्थी ने आरोप लगाया कि सरकार और नगर निगम सड़कों की मरम्मति के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई कर रहे हैं। सड़कों के बनने के बाद भी छह महीने में ही उनकी हालत जर्जर हो जाती है। अपर बाजार में स्थिति और भी खराब है, जहां ट्रैफिक का दबाव बहुत ज्यादा है।

मंत्री ने राजकीय विद्यालय का किया औचक निरीक्षण, छात्राओं से किया संवाद

रांची : कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने बुधवार को राजधानी रांची के जेल मोड़ स्थित राजकीय पिछड़ी जाति प्लस टू आवासीय बालिका उच्च विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने विद्यालय में चल रही शैक्षणिक गतिविधियों, छात्राओं की उपस्थिति, भोजन, आवासीय सुविधा, पुस्तकालय और सुरक्षा व्यवस्था का गहन अवलोकन किया। इस दौरान मंत्री ने विद्यालय प्रबंधन समिति एवं छात्राओं से सीधा संवाद किया और उन्हें झारखंड सरकार की विभिन्न शैक्षणिक एवं कल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आप सभी को अच्छे से पढ़ना है, डॉक्टर, इंजीनियर बनना है। अब वह सोच नहीं रहेगी कि लड़कियां बस शादी करके किसी और के घर चली जाएंगी। हर क्षेत्र में आज महिलाएं पुरुषों के बराबर खड़ी हैं। इस मौके पर मंत्री ने विद्यालय परिसर में ही नवनिमार्णाधीन बालिका छात्रावास भवन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता और प्रगति की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि छात्राओं के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक और आधुनिक आवासीय व्यवस्था शीघ्र उपलब्ध कराई जाए। मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार छात्राओं की हर शैक्षणिक जरूरत जैसे कि किताबें, ड्रेस, हॉस्टल, स्कॉलरशिप और करियर गाइडेंस की पूर्ति के लिए कटिबद्ध है, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार की ओर से दी जा रही सुविधाओं का उद्देश्य है कि छात्राएं बेहतर प्रदर्शन करें और अपने घर-समाज और राज्य का नाम रौशन करें। राज्य सरकार शिक्षा के माध्यम से समाज के पिछड़े वर्गों, विशेषकर बालिकाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए सतत प्रयासरत है। यह औचक निरीक्षण उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे सरकार की योजनाओं के जमीनी प्रभाव का आकलन हो सके। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है, जिससे सामाजिक समानता और समावेशी विकास संभव है। भविष्य में ऐसे विद्यालयों और छात्रावासों की संख्या एवं गुणवत्ता में और सुधार लाया जाएगा।

हाई कोर्ट ने पारसनाथ पहाड़ का अवलोकन कर रिपोर्ट देने का दिया निर्देश

रांची : झारखंड हाई कोर्ट में जैन संस्था ज्योत की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। इसमें प्रार्थी की ओर से कहा गया है कि इस पवित्र स्थल पर शराब और मांस की बिक्री, अतिक्रमण और अनधिकृत निर्माण हो रहे हैं। इस पर महाधिवक्ता राजीव रंजन ने अदालत को बताया कि सरकार जैन धर्मावलंबियों की भावनाओं का सम्मान करती है। अतिक्रमण एवं मांस बिक्री के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने बुधवार को सरकार को पारसनाथ पहाड़ को संरक्षित रखने का निर्देश दिया है। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार, प्रार्थी और राज्य सरकार के प्रतिनिधियों को पारसनाथ पहाड़ का अवलोकन कर रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया है।

एक नजर

अभिनेता व फिल्मकार मनोज कुमार को दी गयी श्रद्धांजलि

बोकारो : हाल ही में दिवंगत हुए फिल्मजगत के सुप्रसिद्ध अभिनेता, निमार्ता-निर्देशक व लेखक मनोज कुमार को बोकारो के कलाकारों ने संगीत संध्या के माध्यम से सुरमयी श्रद्धांजलि दी। मंगलवार की शाम सेक्टर 12 में स्वरागिनी म्यूजिकल ग्रुप के तत्वावधान में आयोजित इस संगीत संध्या में वरिष्ठ तबलावादक व भारतीय संगीत कला अकादमी के सचिव डॉ राकेश रंजन, शिक्षाविद् व गायक आर ई सिंह, सुप्रसिद्ध गायक व मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, बोकारो के सांस्कृतिक सचिव अरुण पाठक, वरिष्ठ रंगकर्मी शंभु झा, शिक्षक व संगीतप्रेमी नीरज सिंह, कार्यक्रम संयोजक रमण चौधरी व रागिनी सिन्हा अंबष्ठ द्वारा मनोज कुमार जी की तस्वीर पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन से कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कलाकारों ने मनोज कुमार जी के जीवन व उनकी फिल्मों की खासियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी फिल्में देशभक्ति व सामाजिक सरोकार की भावना से प्रोत-प्रोत होती थीं। उनकी फिल्मों के संगीत भी काफी लोकप्रिय हुए। वह एक महान कलाकार होने के साथ ही बहुत ही नेकदिल इंसान भी थे। फिल्म जगत में उनका योगदान स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा।

तेतुलिया सार्वजनिक श्री राधा कृष्ण मंदिर में सात दिवसीय अखंड हरिनाम संकीर्तन समापन

बोकारो : सियालजोरी पंचायत के तेतुलिया श्री श्री सार्वजनिक राधाकृष्ण हरिमंदिर प्रागंण में आयोजित सात दिवसीय अखण्ड हरिनाम संकीर्तन बुधवार को श्री राधाकृष्ण कुंजमिलन के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के अमित भट्टाचार्य, सोनाली मुखर्जी व मनोरंजन दास वैष्णव बोकारो ने प्रत्येक रात्रि श्री राधा कृष्ण लीलापाला कीर्तन व रास लीला कीर्तन परिवेशन कर श्रदालुओं भकतो को भावविभोर कर दिया। समापन के बाद राखालभोग तथा महाप्रसाद का वितरण किया गया। आयोजन को सफल करने में :-सोलह आना कमिटी तेन्तुलिया के मुख्य पुजारी तनमय घोषाल, अध्यक्ष अशोक सिंह, मुखिया :-सन्तोष रवानी ,पं स स :- पिन्टू सिंह संजीव सिंह, बलराम चटर्जी, जादू रवानी, लालू कुम्भकार, बीरबल कुम्भकार, नवकुमार सिंह, भरत कुम्भकार, सुफल बाउरी, सीताराम कुम्भकार व ग्रामीण का योगदान रहा।

महुआ चुनने गये युवक पर लकड़बग्घे ने किया हमला, हालत गंभीर

लातेहार : जंगल में महुआ चुनने गए एक युवक पर लकड़बग्घे ने हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घटना पलामू टाइगर रिजर्व के करमडीह गांव की है। सूचना मिलते ही वन विभाग के अधिकारी अस्पताल पहुंचे और और घायल युवक से मिलकर हालचाल जाना। बताया गया कि लातेहार जिले के बरवाडीह प्रखंड के करमडीह गांव निवासी दीपक सिंह खरवार अन्य ग्रामीणों के साथ बुधवार की सुबह करीब चार बजे जंगल में महुआ चुनने गया था। इसी दौरान लकड़बग्घे ने उस पर हमला कर दिया। युवक ने भी हिम्मत दिखाते हुए लकड़बग्घे पर डंडे से प्रहार किया। उसका शोर सुनकर अन्य ग्रामीण वहां पहुंच गए। भीड़ देख लकड़बग्घा भाग निकला। ग्रामीणों ने घायल दीपक खरवार को स्थानीय अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उसे रेफर कर दिया गया।

बोकारो में पुलिस की बड़ी कार्रवाई : तीन आभूषण दुकानों से चोरी का खुलासा

- अंतर प्रांतीय गिरोह के चार चोरों की गिरफ्तारी
- पुलिस की कार्रवाई से व्यापारियों ने ली राहत की सांस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : पुलिस ने तीन आभूषण दुकानों से की गई चोरी का खुलासा किया है, मामले मे संलिप्त चार अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, चोरी गहने भी हुए बरामद, घटना मे प्रयुक्त सामान भी बरामद, मास्टरमाइंड को यूपी पुलिस ने किया गिरफ्तार। बताते चले की बोकारो पुलिस ने एक साथ तीन आभूषण दुकानों से की गई चोरी का उदभेदन किया है, साथ ही अंतर प्रांतीय गिरोह के चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जबकि घटना के मास्टर माइंड नरेश को उत्तरप्रदेश पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले मे बालीडीह थाना प्रभारी नवीन कुमार सिंह ने बताया कि चारो अपराधियों ने चंचली मार्केट स्थित बीरेंद्र जवलर्स से 8 मार्च को चोरी किया था। एसपी के निर्देश पर टीम का गठन किया गया था, गठित टीम ने अनुसन्धान शुरू कर चार अपराधियों को गिरफ्तार किया जो उत्तरप्रदेश के बदायू जिले के भोजपुर के निवासी है। सबकी गिरफ्तारी चास से हुई है। उन्होंने बताया कि सभी चोर किराये के मकान लेकर साईकिल से कुर्सी बेंचने का बहाना बनाकर रेकी करते थे, इसके बाद घटना को अंजाम देते था। गिरफ्तार अपराधियों ने अन्य चोरी मामलों मे संलिप्तता स्वीकार किया है। इन चोरो के पास से चोरी किये गए आभूषण, घटना मे प्रयुक्त चार साईकिल, गुलेल, कटर, एयरपंप, समेत अन्य सामान बरामद किये गए है। घटना मे सात अपराधी शामिल है, जिनमे से चार अपराधी गिरफ्तार किये गए है, धर्मपाल, पे० जय सिंह, सा० धनूपुरा, थाना कादर चौक, जिला- बदायूं, उ०प्र०, ब्रिजेश, पे० स्व० बिरबल, सा० धनूपुरा, थाना कादर चौक, जिला-बदायूं, उ०प्र०, भीम सिंह, पे० हरदेव, सा० भोजपुर, थाना-कादर चौक, जिला बदायूं, उ०प्र०,राजेन्द्र, पे० मुन्ना लाल, भोजपुर, थाना-कादर चौक, जिला-बदायूं, उ०प्र०के रहने वाले है। जबकि तीन फरार है जिनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है, गिरफ्तार सभी अपराधियों का आपराधिक इतिहास रहा है।

छापामारी दल में शामिल पुलिस

पु०अ०नि० जितेन्द्र कुमार यादव पु0नि0 सह थाना प्रभारी, नवीन कुमार सिंह, पु0अ0नि0 वीरमणि कुमार, पु0अ0नि0 अजय कुमार राय,पु०अ०नि० संदीप कुमार पु०अ०नि० शशिकान्त ठाकुर, आ0 1027 सौरभ कुमार सिंह आदि लोग शामिल रहे।

तालाब में तैरता हुआ मिला लड़की का शव, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जिले के पिंड्राजोड़ा थाना क्षेत्र स्थित बांधगोड़ा साइट मेपिंडाजोड सुबह एक युवती का शव तालाब में तैरता हुआ पाया गया। मृतक खुशी कुमारी की पहचान ग्रेजुएशन की छात्रा के रूप में हुई है, जो अपने पिता सुरेश महतो, जो बीएसएल में ठेका मजदूरी करते हैं, और भाई के साथ रहती थी। घटना मंगलवार रात की बताई जा रही है, जब सुरेश महतो अपने कार्य से लौटे और रात का भोजन अपने परिवार के साथ किया। भोजन के बाद वे तीनों सो गए। सुबह जब सुरेश ने अपनी बेटी खुशी को नहीं पाया, तो उन्होंने आसपास पूछताछ शुरू की। खुशी के बारे में जानकारी जुटाते हुए, जब घर के पास स्थित चार कुनिया तालाब के पास लोग जमा हुए, तो पाया कि एक शव तालाब में तैर रहा था। शव को बाहर निकालने के बाद पता चला कि यह खुशी का था। ग्रामीणों के अनुसार खुशी एक बहुत ही अच्छी लड़की थी, पढ़ाई में अव्वल थी, और परिवार में कोई भी विवाद नहीं था। साथ ही, गांव में उसका तालाब से कोई विशेष संबंध नहीं था, न ही उसे तैराकी का शौक था। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल, यह मामला आत्महत्या या हत्या का है, यह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और मामले के विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखते हुए निष्कर्ष पर पहुंचने की कोशिश कर रही है।

धनबाद में एनआइए की रेड, बंद मुर्गी फार्म में मिली भारी मात्रा में विस्फोटक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : कोयला राजधानी धनबाद में राष्ट्रीय जांच एजेंसी एनआइए ने चिरकुंडा में बड़ी कार्रवाई की है। एनआइए ने भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री बरामद की है। यह घटना झारखंड और पश्चिम बंगाल की सीमा पर स्थित चिरकुंडा थाना क्षेत्र और कालूबथान ओपी क्षेत्र में घटी है। एनआईए की टीम ने निरसा के चिरकुंडा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले बोरिया गाँव में जुनकुदर निवासी संजय रवानी के घर पर छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान, एनआईए की टीम को भारी मात्रा में बारूद और लगभग 12 बोरे जिलेटिन बरामद हुआ, जिसे तुरंत जब्त कर लिया गया। बरामद विस्फोटकों की मात्रा इतनी अधिक थी कि पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। एनआईए के सूत्रों के अनुसार, टीम अब बरामद विस्फोटकों की सटीक मात्रा का आकलन करने और उनके संभावित उपयोग का पता लगाने में जुटी हुई है। विशेषज्ञों की टीम विस्फोटकों की जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि वे किस प्रकार के हैं और उनकी क्षमता क्या है। इसके साथ ही, यह भी जांच की जा रही है कि क्या इन विस्फोटकों का संबंध किसी आतंकवादी गतिविधि से तो नहीं है।इसके अलावा, एनआईए की टीम ने बाबू डंगाल इलाके में भी छापेमारी की, जो संजय रवानी का एक और ठिकाना बताया जा रहा है। इस छापेमारी के दौरान, संजय रवानी के भाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। एनआईए अधिकारी उससे संजय रवानी के बारे में और विस्फोटकों के बारे में जानकारी जुटाने की कोशिश कर रहे हैं। उससे यह भी पूछा जा रहा है कि क्या उसे इन विस्फोटकों के बारे में कोई जानकारी थी और क्या वह संजय रवानी के किसी भी गैरकानूनी गतिविधि में शामिल था। एनआईए यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि क्या संजय रवानी का किसी आपराधिक गिरोह से संबंध है या नहीं। एनआईए इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही है और विभिन्न पहलुओं से मामले की छानबीन कर रही है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत कैंप का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : प्रधानमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना अन्तर्गत नाई ट्रेड में आवेदनों की संख्या बढ़ाने हेतु विशेष अभियान के तहत आज बोकारो जिला उद्योग केंद्र द्वारा खैराचातर पंचायत भवनमें कैम्प का आयोजन किया गया। इस दौरान 87 नाई कारीगरों का आवेदन प्राप्त हुआ है जिसे ऑनलाइन के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना में नामांकन कराया जाएगा। इस दौरान पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने बताया कि ग्रामीण कारीगरों को पीएम विश्वकर्मा योजना से आच्छादित करने से शिल्पकारों को काफी फायदा होगा। सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड झारखंड सरकार द्वारा नाई ट्रेड के शिल्पकारों को योजनाबद्ध तरीके से पीएम विश्वकर्मा योजना से लिंकेज कराने का कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड बोकारो के डीईसी किशोर रजक ने बताया कि योजना के इस योजना से लाभुकों को स्किल अपग्रेडेशन हेतु 5 से 7 दिन की बेसिक ट्रेनिंग के साथ 500 रु. प्रति दिन का ट्रेनिंग स्टाइपेंड दिया जाएगा। साथ ही टूलकिट इंसेंटिव के तहत 15,000 रु. औद्योगिक उपकरण खरीदने के लिए, योग्य आवेदकों को कोलैटर नन-फ्री लोन, उत्पादों और सेवाओं का ऑनलाइन मार्केटिंग एवं ट्रेड फेयर में भाग लेने का अवसर मिल पाएगा। इस दौरान जिला उद्योग केंद्र के प्रखंड समन्वयक नरेंद्र शेखर, सहयोगिनी की प्रतिमा सिंह, रवि कुमार राय, विवेक जायसवाल, मनोज कुमार आदि उपस्थित थे।

बोकारो में ऑर्किड मेडिकल सेंटर की सुपरस्पेशलिटी ओपीडी का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो के लक्ष्मी मार्केट, सेक्टर-4 स्थित संजय मेडिकल हॉल में ऑर्किड मेडिकल सेंटर की सुपरस्पेशलिटी ओपीडी का भव्य उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर रांची के ऑर्किड मेडिकल सेंटर से सुपरस्पेशलिटी चिकित्सकों की टीम परामर्श हेतु उपलब्ध रही। आज आयोजित इस भव्य ओपीडी में 40 से अधिक मरीजों ने विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श लिया, जिससे यह आयोजन अत्यंत सफल रहा। इस अवसर पर निःशुल्क ओपीडी की व्यवस्था की गई थी, जिसमें हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण सर्जन डॉ. अनुभव जैन, किडनी रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा शर्मा, तथा पेट, आंत एवं पाचन तंत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश यादव ने परामर्श दिया। साथ ही पेट एवं लिवर से संबंधित रोगियों के लिए निःशुल्क फाइब्रोस्कैन टेस्ट की सुविधा भी उपलब्ध रही, जिसके माध्यम से फैटी लिवर की मुफ्त जांच की गई। ऑर्किड अस्पताल के एजीएम श्री हृदय लक्ष्मण ने बताया कि यह सुपरस्पेशलिटी ओपीडी अब प्रत्येक महीने के दूसरे और चौथे बुधवार को नियमित रूप से आयोजित की जाएगी, जिससे बोकारो व आसपास के क्षेत्रों के लोगों को रांची के अनुभवी विशेषज्ञों की सेवाएं अपने शहर में ही प्राप्त होंगी। बोकारोवासी इस पहल से अत्यंत उत्साहित हैं और ऑर्किड मेडिकल सेंटर द्वारा दी जा रही इस सुविधा का भरपूर लाभ उठाना चाहते हैं। चौथे बुधवार, 23 अप्रैल को डॉक्टर से मिलने के लिए 7360043649 पर संपर्क करें।

उपायुक्त ने पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा ने बुधवार को समाहरणालय से पोषण रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उपायुक्त ने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह के तहत 8 अप्रैल से 22 अप्रैल तक पोषण पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इस दौरान पोषण रथ जिले के सुदूरवर्ती इलाकों का भ्रमण करेगा और बच्चों के जीवन के प्रथम सुनहरे 1000 दिवस पर विशेष ध्यान देने, पोषण ट्रैक्टर में लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार प्रसार करने, समुदाय स्तर पर कुपोषण प्रबंधन, बच्चों में मोटापे के समाधान के लिए स्वस्थ जीवन शैली अपनाने सहित ग्रामीणों को खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, फल, अंडा व अन्य पौष्टिक चीज शामिल करने के लिए जागरूक करेगा। उन्होंने बताया कि यह पखवाड़ा 22 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान जिला समाज कल्याण विभाग की ओर से कई कार्यक्रम एवं गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। इसके बाद उपायुक्त ने विभिन्न प्रखंड की आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, पर्यवेक्षिका द्वारा लगाए गए पोषण स्टॉल का निरीक्षण किया। तत्पश्चात उन्होंने सभी को भारत के बच्चों, किशोरों और महिलाओं को कुपोषण मुक्त स्वास्थ्य प्रदान करने, राष्ट्रीय पोषण माह के दौरान हर घर पर सही पोषण का संदेश पहुंचाने, इस अभियान को देशव्यापी जन आंदोलन बनाने तथा सही पोषण से देश रोशन करने की शपथ दिलाई। मौके पर उपायुक्त सुश्री माधवी मिश्रा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर पीयूष सिन्हा, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्रीमती अनीता कुजूर, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा श्री नियाज अहमद के अलावा सभी प्रखंड की सीडीपीओ सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी सेविका, सहायिका, पर्यवेक्षिका मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस कार्यक्रम का हुआ आयोजन

धनबाद : भारतीय जनता पार्टी के 46वें स्थापना दिवस के उपलक्ष पर सेवा सप्ताह कार्यक्रम के तहत कुष्ठ अस्पताल तेतुलमारी में स्वस्थ लाभ ले रहे मरीजों के बीच भाजपा राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह के नेतृत्व में फल वितरण किया एवं अस्पताल के सभी कर्मचारियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया डॉक्टर को भगवान का दूसरा रूप मानते हैं। अभी दिन रात सेवा में तत्पर रहते हैं। इसमें समाज का भी दायित्व बनता है। कि हमेशा सेवा करने वालों को सम्मान करना चाहिए। मौके पर इस कार्यक्रम के प्रभारी हिरामन नायक, भाजपा नेता विक्रम पांण्डेय, मुखिया अशोक ठाकुर, संजीत सिंह,अजय साहनी, संजय सिंह, यशवंत सिंह, शंकर निषाद, गणेश रवानी, बसंत सिंह, दिलीप गोस्वामी, पप्पू बरनवाल, मनोज वर्मा, डब्लू कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कोयलांकन का 12 और 13 को प्रथम कला प्रदर्शनी का होगा आयोजन

धनबाद : कोयलांचल के कला प्रेमियों के लिए एक सुखद समाचार है। शिल्पराज एकेडमी ऑफ फाईन आर्ट्स द्वारा आयोजित प्रथम एकल कला प्रदर्शनी कोयलांकन का अदभुत आगाज आगामी 12 अप्रैल 2025 को प्रात: 10:30 बजे कला भवन, लुबी सर्कुलर रोड में होने जा रहा है। इस अवसर पर बीसीसीएल के सीएमडी समीरन दत्ता बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगें। प्रदर्शनी में शिल्प राज अकादमी के संस्थापक राजीव अग्रवाल के द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों प्रदर्शित की जाएगी। जिनमें कोयला क्षेत्र और स्थानीय जनजीवन की झलक देखने को मिलेगी। यह प्रदर्शनी 12 एवं 13 अप्रैल 2025 को प्रात: 10:30 से सायं 08:00 बजे तक आम दर्शकों के लिए खुली रहेगी। विशेष आकर्षण सिट एण्ड ड्रॉ प्रतियोगिता प्रदर्शनी के दूसरे दिन 13 अप्रैल 2025 को एक सिट एण्ड ड्रॉ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया जा रहा है। प्रतियोगिता स्टैंडर्ड 2 से लेकर स्टैंडर्ड 11 तक के छात्र-छात्राएं भाग ले सकते हैं। प्रत्येक समूह से सर्वश्रेष्ठ 3 प्रतिभागियों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। सभी प्रतिभागियों को सहभागिता प्रमाणपत्र और एक सुंदर रंगीन कैटलॉग दिया जाएगा। यह आयोजन धनबाद की सांस्कृतिक और कलात्मक पहचान को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोयला की छापेमारी में प्रबंधन को सौपा

धनबाद : सिजुआ क्षेत्र के तेतुलमारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलदारिया बस्ती के समीप अज्ञात लोगों द्वारा अवैध रूप से चोरी करके जमा करके रखा गया कोयला को तेतुलमारी प्रबंधक,सी आई एस एफ के मौजूदगी में छापेमारी की गयी। जब्त किये गये कोयले को तेतुलमारी प्रबंधक को सौप दिया गया जिसका वजन लगभग 20 टन होगा। मौके पर बी सी सी एल के सिजुआ क्षेत्र के नोडल अधिकारी अशोक कुमार ,कोलियरी के लोडिंग बाबू,पुलिस व सी आई एस एफ के बल मौजूद थे।

विश्व शांति और सद्भावना के विकास हेतु जैन मिलन सेक्टर 2 में नवकार महामंत्र का अनुष्ठान

बोकारो : जैन धर्मावलंबियों ने विश्व शांति और सद्भावना के विकास हेतु नमस्कार महामंत्र का सामूहिक अनुष्ठान जैन मिलन सेक्टर 2 स्थित तेरापंथ भवन में किया गया। इस विश्वव्यापी अनुष्ठान का आयोजन भारत सहित दुनिया के लगभग 108 देश में एक साथ किया गया। जैन मिलन के अध्यक्ष संजय बैद ने कहा कि इस मंत्र के उच्चारण से व्यक्ति अपनी अंतर्चेतना को जागृत कर सकता है। संजय बैद ने कहा कि इस अनुष्ठान के माध्यम से विश्व शांति, सहयोग, सद्भावना, एकता एवं परस्पर बंधुत्व का संदेश मुखर होगा। नवकार महामंत्र जैन धर्म का प्राण तत्व है। महामंत्र की वैज्ञानिकता इसकी शब्द संरचना में और प्रभाव शीलता इसके जप से स्वस्थ होने वाले शारीरिक और मानसिक बीमारियों में इसकी उपयोगिता निर्विवाद है। जैन मिलन के पूर्व सचिव श्याम जैन ने कहा कि आवश्यकता है नवकार महामंत्र की आराधना में जप, भक्ति और ज्ञान का सामंजस्य हो। जैन मिलन के सचिव आलोक जैन ने बताया कि पंथ संप्रदाय से ऊपर उठकर जैन श्रद्धालुओं ने इस अनुष्ठान में उपस्थित होकर अपनी आत्म शक्ति को जागृत किया।

कचरा निष्पादन प्लांट नहीं बनने से खुले में फेंका जा रहा कचरा

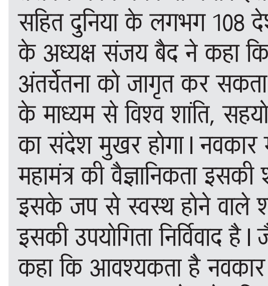

बोकारो : दामोदर बचाओ आंदोलन का एक प्रतिनिधि मंडल चास नगर निगम के आयुक्त से मिले और पूर्व में दी गई ज्ञापन के अवलोक में की गई कार्रवाई एवं समाधान को लेकर जानकारी ली उपायुक्त महोदया द्वारा दिए गए निर्देश के बावजूद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है वही ढाक का तीन पात वाला कहानी है बताते चले की जल एवं वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु उचित कार्रवाई निगम क्षेत्र में खासकर नदियों को प्रदूषित एवं अतिक्रमण करना एनजीटी के नियमों का उल्लंघन है और अपराध की श्रेणी में आता है नियमों के अनुसार नदियों के 15 मीटर की दायरे में किसी भी प्रकार का निर्माण नहीं होना चाहिए,नगर निगम की खुद की सीवरेज सिस्टम की व्यवस्था नहीं होने के कारण आवासीय कॉलोनी का गंदा पानी पूर्णता गर्ग नदी में गिराया जा रहा है जिसके कारण प्रदूषित जल उपयोग के लायक नहीं है और स्थिति दयनीय है हमारे द्वारा दिए गए पत्राचार के अवलोक में उन्होंने कहां की हम डीपीआर बना रहे हैं पर बना नहीं पाया है उन्होंने और समय मांगा है हमने अब कह दिया कि आप अगर करेंगे तो ठीक है नहीं तो हम नगर विकास सचिव एवं एनजीटी को संपर्क करके तड़ित कार्रवाई करने की मांग करेंगे और जन समस्याओं का समाधान हो जनता त्राहिमाम है पानी,सफाई स्ट्रीट लाइट जैसी तमाम समस्या जस की तस है ना आज तक कचरा निष्पादन प्लांट बना कचरा खुले में एनएच-32 के किनारे फेंका जा रहा है आग लगाकर जहरीली गैस निकल रही है इस पर भी किसी तरह का कोई कार्रवाई नहीं हो रहा है,जैसी की तैसी है।

एक नजर

यूसिल ने 6 सरकारी स्कूलों के 432 बच्चों को बांटे स्कूल बैग

जमशेदपुर : यूसिल के नरवापहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट प्रबंधन की ओर से सरकारी स्कूलों के बच्चों के बीच खेल सामग्री व स्कूल बैग का वितरण किया गया। प्रबंधन ने बुधवार को छह स्कूलों में बच्चों के बीच कुल 432 स्कूल बैग व खेल सामग्री का वितरण किया। उत्क्रमित मध्य विद्यालय भुटका के सहायक शिक्षक पीयूष कुमार पालित ने यूसिल की पहल का स्वागत किया। कहा कि ऐसे कार्यक्रम से बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ती है और वे नियमित स्कूल आते हैं। यूसिल प्रबंधन की ओर से सीएसआर के तहत तीसरे चरण में नरवापहाड़ यूरेनियम प्रोजेक्ट से सटे प्राथमिक विद्यालय पाथर चाकडी, प्राथमिक विद्यालय बाड़ेडीह, उत्क्रमित मध्य विद्यालय माटकु, प्राथमिक मध्य विद्यालय काशीडीह, उत्क्रमिक मध्य विद्यालय भुटका व उत्क्रमिक उच्च विद्यालय शंकरदा में बच्चों के बीच बैग का वितरण किया गया।

सड़क दुर्घटना में कंप्यूटर शिक्षक की मौत

लोहरदगा : लोहरदगा जिला के कैरो प्रखण्ड बस्ती निवासी सरफुल अंसारी के पुत्र तबरेज अंसारी (30) की मौत बुधवार को सड़क दुर्घटना में हो गई। तबरेज भंडरा प्रखण्ड के भीठा मिडिल स्कूल में संविदा में कंप्यूटर शिक्षक था। वह लोहरदगा में अपने बहन के यहां रहता था, रोज की तरह सुबह सात बजे लोहरदगा से भीठा अपने गेलेमर बाइक से जा रहा था। इसी क्रम में बरही के पास अज्ञात वाहन ने सामने से टक्कर मार दी और फरार हो गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्थानीय लोगों के सहयोग से रांची रिम्स ले जाया गया था। जहां उसकी मौत हो गई। बताया जाता है कि तबरेज अंसारी का तीन वर्ष पूर्व विवाह हुआ था।

विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने किया नौ दिवसीय नेत्र जांच शिविर का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बोकारो ओल्ड जेव्रियन्स एलुमिनी ट्रस्ट के योगदान की हुई विशेष सराहना सीएचसी में आयोजित नौ दिवसीय नेत्र जांच सह ऑपरेशन शिविर का शुभारंभ विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुनील कुमार तिवारी ने किया, जबकि स्वागत भाषण सिविल सर्जन डॉ. एसपी मिश्रा ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त स्मृता कुमारी, पूर्व विधायक केदार हाजरा, झामुमो जिलाध्यक्ष संजय सिंह, जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ. रेखा झा, डीपीएम प्रतिमा कुमारी, बीडीओ निसात अंजुम, सीओ मो. हुसैन, इंस्पेक्टर कमाल खान, थाना प्रभारी आनंद प्रकाश सिंह, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अबु कासिफ हसन, तथा झामुमो नेता महालाल सोरेन, चांद मल मरांडी, मो. शब्बीर समेत कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। इस नेत्र जांच शिविर का आयोजन शंकर नेत्रालय तथा बोकारो ओल्ड जेव्रियन्स एलुमिनी ट्रस्ट के संयुक्त प्रयास से किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य प्रायोजकों में अमेरिका निवासी सी. यू. वेंकटेश्वर, शांता वेंकटरमण और कन्नन वेंकटरमण शामिल हैं, जिनके उदार सहयोग से यह सेवा शिविर संभव हो पाया है। उनके इस मानवीय योगदान की सभी ने सराहना की और उन्हें धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर ट्रस्ट की भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक अरविन्द चोपड़ा, अध्यक्ष महेश कुमार गुप्ता तथा ट्रस्ट के तेज बहादुर सिंह, राजन जैन, अविनाश, बसंत, अपूर्व, अनमोल, अरुण सिंह, अनीता, अंजलि सिंह, अलका मिंज, जगदीश इत्यादि के अथक प्रयासों और सामाजिक प्रतिबद्धता की सभी उपस्थित अतिथियों ने भूरी-भूरी प्रशंसा की। यह ट्रस्ट वर्षों से स्वास्थ्य, शिक्षा एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सक्रिय रहा है। नेत्र जांच शिविर जैसे सेवा कार्यों के माध्यम से ट्रस्ट ने यह प्रमाणित किया है कि वह समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा पहुंचाने के लिए संकल्पबद्ध है। ट्रस्ट अध्यक्ष महेश गुप्ता की प्रेरणादायी नेतृत्व क्षमता तथा संस्थापक अरविन्द चोपड़ा की दूरदर्शी सोच के चलते ही यह शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया जा रहा है। ट्रस्ट द्वारा लाए गए विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम, आधुनिक उपकरण एवं समर्पित सेवा भावना इस शिविर की विशेषताएं हैं। शिविर में सैकड़ों जरूरतमंदों की आंखों की जांच की जाएगी तथा चयनित रोगियों का ऑपरेशन निशुल्क किया जाएगा। यह शिविर समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें बोकारो ओल्ड जेव्रियन्स एलुमिनी ट्रस्ट की भूमिका अत्यंत सराहनीय है।

संक्षिप्त खबरें

कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में नामांकन हेतु चयन समिति की हुई बैठक

पटमदा : पटमदा प्रखंड कार्यालय सभागार में बुधवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में वित्तीय वर्ष 202425 के लिए कक्षा 6 में नामांकन हेतु बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधियों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में जानकारी देते हुए कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के वार्डन रजनी मुर्मू ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024–25 में कक्षा 6 में नामांकन हेतु 75 सीट के लिए पटमदा प्रखंड के विभिन्न पंचायतों से 265 विद्यार्थियों ने आवेदन किया है। जिसमें जांचोपरांत एसटी 23, एससी 4, ओबीसी 28, अल्प संख्यक 1 एवं जेनरल बीपीएल 19 बालिकाओं का चयन किया गया है। बैठक में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने कहा कि चयन किए गए बालिकाओं की सूची को एकबार अपने स्तर से पुनरीक्षण करने के बाद ही उस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बीडीओ ने इसके लिए जनप्रतिनिधियों को दो दिन का समय दिए हैं। 11 अप्रैल को होने वाली बैठक में सूची को फाइनल करने के बाद जिला प्रशासन को भेज दिया जाएगा। बैठक में बीडीओ शशि नीलिमा डुंगडुंग, जिला पार्षद खगेन चंद्र महतो व प्रदीप बेसरा, प्रमुख बालिका सोरेन, उप प्रमुख श्रीदेवी मांझी, वार्डन रजनी मुर्मू, बीआरपी अबनी महंती, मुखिया कृष्णपद सिंह, अश्विनी महतो, कर्मु गोप, निर्मल पावरी समेत अन्य कई लोग मौजूद थे।

चैनपुर प्रखंड के शिक्षकों ने निकाली ध्यान आकर्षण रैली, सौपी 11 सूत्री मांग

चैनपुर : चैनपुर प्रखंड में प्रखंड के शिक्षकों ने ध्यानाकर्षण रैली निकाल अपनी 11 सूत्री मांगों को लेकर चैनपुर वीडियो श्री यादव बैठा को एक ज्ञापन सौपाहै। ध्यानाकर्षण रैली पूरे राज्य में निकाली जा रही है। जिसमें शिक्षकों का प्रमुख मांग शिक्षक संवर्ग का MACP, राज्य कर्मियों की उम्र सीमा 62 वर्ष करने, शिशु शिक्षण भत्ता सहित 11 मांगे शामिल है। इधर प्रखंड के सौकडो शिक्षकों ने अपनी मांगों को लेकर प्रखंड मुख्यालय में जुलूस निकाला और 11 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन चैनपुर वीडियो यादव बैठा को सोपा। शिक्षकों का कहना था कि राज्य मैं कई विभागों में राज्य कर्मियों की उम्र सीमा 62 वर्ष कर दी गई है । लेकिन शिक्षा विभाग में अभी भी 60 वर्ष ही उम्र सीमा है । उन्होंने सरकार से मांग किया है कि शिक्षा विभाग में भी शिक्षकों की उम्र सीमा 62 वर्ष की जाए। साथ ही 11 अन्य मांगों को भी सरकार पूरी करें।

सीओ ने अवैध बालू परिवहन करते एक ट्रैक्टर को किया जब्त

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना क्षेत्र के बड़ाचुनचुड़िया गांव के समीप बुधवार को उपायुक्त के निदेर्शानुसार अंचल अधिकारी दीपक प्रसाद ने एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त कर ईचागढ़ थाना को सुपुर्द कर दिया। वही अंचलाधिकारी दीपक प्रसाद ने बताया कि बुधवार को औचक छापेमारी अभियान चलाया गया जिसमें बड़ा चुनचुड़िया गांव के समीप एक अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया गया और ईचागढ़ थाना को सुपुर्द किया गया। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत से ईचागढ़ क्षेत्र से अवैध कारोबारी नहीं करने दिया जाएगा और जो भी इसमें सम्मलित है उसको चिन्हित करके करवाई किया जाएगा।

झारोटेफ ने निकाली ध्यानाकर्षण रैली सीएस के नाम बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड एम्पलाइज फेडरेशन के प्रांतीय कार्यकारणी के निर्देश पर पटमदा प्रखंड में प्रखंड कार्यकारिणी द्वारा अपनी मांगों को लेकर ध्यान आकर्षण रैली निकाली गई । इस दौरान मुख्य सचिव तथा मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव झारखंड सरकार के नाम बीडीओ के माध्यम से प्रखंड अध्यक्ष प्रबोध कुमार महतो तथा सचिव शक्ति शेखर के नेतृत्व में पूरे पटमदा प्रखंड कार्यकारिणी व सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति में 11 सूत्री मांगों का एक ज्ञापन सौंपा गया । कार्यक्रम जिला अध्यक्ष पंचानन महतो के मार्ग दर्शन तथा देख रेख में संपन्न हुआ । रैली के माध्यम से शिक्षक संवर्ग को एमएसीपी का लाभ देने,राज्य कर्मियों की सेवानिवृति 62 वर्ष करने ,शिशु शिक्षण भत्ता देने समेत 11 सूत्री शामिल हैं। शिक्षक व कर्मी ने सबसे पहले भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर माल्यार्पण कर रैली की शक्ल में प्रखंड मुख्यालय पहुंचे। उक्त जानकारी प्रखंड अध्यक्ष प्रबोध महतो ने दी। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष पंचानन महतो, प्रखंड अध्यक्ष प्रबोध कुमार महतो,सचिव शक्ति शेखर,राजेश मिश्रा, अमरेश कुमार, परेश महतो, डॉ अद्वित, सुष्मिता खां, प्रतिमा कुंभकार,अंजू दत्ता, श्वेता कुमारी, अजित कुमार, नरेंद्र नाथ दत्त,राज नारायण दत्ता, सुधांशु महतो, इंद्र नारायण गोप, राम पद महतो, बासु देव महतो, हरे कृष्ण पाल, मिहिर कुमार प्रामाणिक, सहित सैकड़ों कर्मी उपस्थित थे ।

टीजीटी/पीजीटी शिक्षकों के पद को सरेंडर करना और वेतनमान में कटौती : सोहन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : ऑल इंडिया डेमोक्रेटिक स्टूडेंट ऑर्गनाइजेशन झारखंड राज्य कमिटी झारखंड सरकार द्वारा टीजीटी/पीजीटी शिक्षकों के पदों को सरेंडर करने के निर्णय का विरोध करता है। विगत 8 अप्रैल 2025 को राज्य सरकार ने कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया कि झारखंड के टीजीटी और पीजीटी शिक्षक के तकरीबन 9000 पदों को सरेंडर कर दिया गया है अर्थात उन्हें समाप्त कर दी गई है। इस निर्णय से झारखंड के शिक्षक नियुक्ति की तैयारी कर रहे हैं लाखों छात्रों पर प्रभाव पड़ेगा। AIDSO छात्र संगठन के प्रदेश सचिव सोहन महतो ने कहा कि शिक्षक केवल एक पेशा नही बल्कि एक चरित्र निर्माणकर्ता और कर्तव्यपूर्ण जिम्मेदारी है। शिक्षक आने वाले भविष्य के छात्रों युवाओं को बनाता है। ऐसे में सभी की नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि राज्य की शिक्षा व्यवस्था दुरुस्त रहे। इस निर्णय से सरकारी शिक्षा व्यवस्था कमजोर और निजी शिक्षण व्यवस्था को भी एक तरफ से मजबूती मिलेगी। नई शिक्षा नीति के नाम पर शिक्षकों के पदों को सरेंडर करना उनके वेतनमान में कटौती एक पहलू है। जहां सांसद विधायक अपने वेतन में बढ़ोतरी कर रही है वहीं शिक्षकों की वेतन में कटौती ये दुर्भाग्यपूर्ण है। एक ओर जहां शिक्षा व्यवस्था के मामले में झारखंड पूरे भारत स्तर पर नीचे से तीसरे या चौथे स्थान पर हैं। प्राथमिक विद्यालय से लेकर उच्चतर स्तर पर शिक्षकों की भारी कमी है। ऐसे अनेकों विद्यालय हैं जहां पर एक दो शिक्षकों के भरोसे सैकड़ो छात्र हैं। सैकड़ो विद्यालयों को अपग्रेड किया गया परंतु उनमें शिक्षकों की नियुक्ति का कोई पहल नहीं किया गया है। बिना शिक्षक के समृद्ध और विकसित झारखंड का सपना दिखाने का काम जो झारखंड सरकार कर रही है। वह बिल्कुल ही विपरीत है। राज्य सरकार ने न केवल पदों को सरेंडर किया गया बल्कि इन पदों को माध्यमिक सहायक आचार्य नाम देकर उनके वेतनमान में भी भारी कटौती कर दी गई। यह कहीं ना कहीं झारखंड के शिक्षा व्यवस्था में कटौती है। झारखंड सरकार के इस निर्णय से राज्य के लाखों छात्रों में काफी आक्रोश है जहां एक ओर झारखंड में किसी भी प्रकार की बहाली नियुक्ति की प्रक्रिया नहीं हो रही है।

तुता गांव में सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के तुता गांव में बुधवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन ग्राम प्रधान कार्तिक सिंह मुंडा, रामनाथ महतो, गणेश महतो,नकुल उरांव,मंगल सिंह मुंडा, पत्रकार चन्दन कुमार महतो आदि ने विधिवत रूप से फीता काटकर किया। आयोजक समिति के सचिव लालटू महतो ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बंगाल के झूमर संगीत उस्ताद लालटू महतो ने एक से बढ़कर एक झूमर गीत से दर्शकों का मन मोहा। साथ ही रात्रि में बंगाल के ही उस्ताद कार्तिक सिंह मुंडा एवं उस्ताद निपेन सहिस ने छौ नृत्य का प्रस्तुति किया। मौके पर उमेश चंद्र महतो, विष्णु चरण महतो,कृष्णा महतो, खुदी राम महतो,परमानंद महतो, विष्णु महतो, मुकेश महतो सहित आयोजक समिति के सदस्य उपस्थित थे।

बीडीओ ने किया गरिमा केंद्र का उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

खूंटी : कर्रा प्रखंड परिसर में बुधवार को गरिमा केंद्र, जेंडर रिसोर्स सेंटर का उद्घाटन प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नगेशिया ने फीता काटकर किया । इस केंद्र की स्थापना का उद्देश्य घरेलू और सार्वजनिक स्थलों पर हिंसा की शिकार महिलाओं को एक सुरक्षित और सहायक मंच प्रदान करना है, जहां उन्हें मनोवैज्ञानिक परामर्श, सहायता और उचित कानूनी दिशा-निर्देश प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में जिला प्रबंधक, सामाजिक विकास रमेश नायक ने महिलाओं पर होनेवाली हिंसा पर खुलकर बात करने और गरिमा केंद्र जैसी पहल को एक सकारात्मक दिशा बताया। उन्होंने कहा कि इस केंद्र के माध्यम से महिलाएं कठिन परिस्थितियों में भी सशक्त होकर उभर सकेंगी। प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक शमा परवीन ने महिलाओं के प्रति होनेवाले यौन शोषण, मानसिक उत्पीड़न आदि की जानकारी साझा की और महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र महिलाओं के आत्मबल को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा। इस अवसर पर कर्रा की उप प्रमुख सावित्री देवी, भारतीय स्टेट बैंक की शाखा प्रबंधक सुनीता कुमारी, कर्रा थाना की एसआई निशा कुमारी, एएसआई मनोज कुमार ठाकुर, बमरजा पंचायत के मुखिया अनूप कुजूर, जेएसएलपीएस टीम और सखी मंडल की सदस्य उपस्थित थीं।

दुष्कर्म के आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

खूंटी : मुरहू थाना पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपित संजय मांझी को बुधवार को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस की ओर से जारी विज्ञप्ति में बताया गया कि दुष्कर्म का आरोपित संजय मांझी मूल रूप से कर्रा थाना क्षेत्र के हसबेड़ा गांव का रहने वाला है और वर्तमान में मुरहू थाना के बिचना गांव में रहता था।

सूख गये नदी-तालाब, पानी के लिए भटक रहे हैं मवेशी

खूंटी : गर्मी के शुरूआती दौर में ही खूंटी जिले की लगभग सभी नदी–ह्ननाले और तालाब सूख गये है। कारण पूरे क्षेत्र में जल संकट गहराता जा रहा है। गर्मी से अधिक परेशानी अब पानी को लेकर उत्पन्न हो गई है। अधिक तापमान के कारण तालाबों और नदी–नालो के अलावा अन्य जल स्रोतों में पानी नहीं के बराबर बचा है। भू जल स्तर नीचे जाने के कारण चापाकल भी जवाब देने लगे हैं। आदमी तो किसी तरह कुआं और चापानलों से पानी की जरूरत पूरी कर ले रहा है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी बेजुबान मवेशियों और जंगली जानवरों को हो रही है। तालाबों और नदियों के सूख जाने से पशु–पक्षियों के हलक भी सूखने लगे हैं। नदियों और अन्य जल स्रोतों के सूखने से जलापूर्ति पर भी असर पड़ा है। लोगों को कम ही सही, पर पानी मिल जा रहा है, लेकिन मवेशियों के लिए पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे में मवेशियों को लेकर किसानों में काफी चिंता है।

दो ट्रकों के बीच दब जाने से एक युवक की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

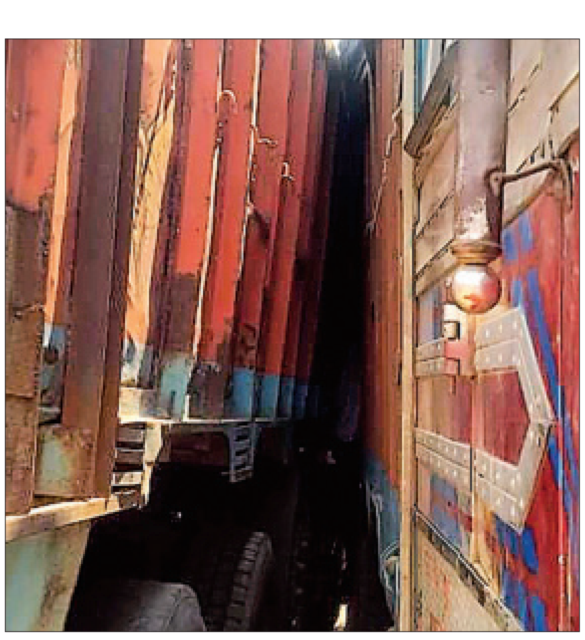

पलामू : जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के कर्मा कलां गांव स्थित महेंद्रा पेट्रोल पंप के पास दो ट्रकों के बीच दब जाने से बाइक सवार एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब दो ट्रक चालक अपने ट्रक साइड करने लगे तब बीच में आए युवक को ट्रक ने कुचल दिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। इस हादसे से गांव में दुख की लहर दौड़ गई, स्थानीय लोगों ने इस घटना को लेकर शोक व्यक्त किया है। घटना स्थल पर पहुंची पुलिस मामले की जांच कर रही है और ट्रक के चालक को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार, यह घटना बुधवार को हुई। बाइक सवार पेट्रोल पंप की दिशा में जा रहा था, तभी ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। टक्कर से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान अशोक राम के पुत्र विपिन कुमार (19) के रूप में हुई है, जो छतरपुर थाना क्षेत्र के बगईया पंचायत के बंधुडीह आबादगंज टोला निवासी बताया जा रहा है।

पुलिस ने पुष्टि करते हुए बताया कि एक युवक की मौत हुई है। ट्रक का चालक हादसे के बाद मौके से फरार हो गया है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस ने घटनास्थल से बाइक और ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है और ट्रक के चालक को पकड़ने के लिए जुट गई है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे दुर्घटना की सभी परिस्थितियों की जांच कर रहे हैं और दोषी को जल्द पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे है।

स्थानीय लोगों ने कहा कि यह हादसा सड़क सुरक्षा के मुद्दे पर गंभीर सवाल उठाता है। खासकर, छतरपुर जैसी सड़क दुर्घटनाएं आम हैं, लोगों का कहना है कि सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन किया जाना चाहिए। यहां पर गति को नियंत्रित करने के उपायों की आवश्यकता है। साथ ही, मालवाहन वाहनों की गति और उनके लोड पर भी कड़ी निगरानी होनी चाहिए, ताकि ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। घटनास्थल पर छतरपुर थाना के सब इंस्पेक्टर अशोक टोपो, मिथिलेश यादव ,संजय कुमार सिंह पहुंचे और जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया।

हजारीबाग नगर निगम, हजारीबाग

बन्दोवस्ती हेतु आम सूचना

हजारीबाग शहर स्थित गाँधी मैदान, मटवारी में डिजनी लैण्ड –सह– हैण्डिक्राफ्ट मेला 2025 के अवसर पर खुला डाक के द्वारा बन्दोवस्ती किया जाना है। निबंधित फर्म / इच्छुक व्यक्ति / स्वयं सेवी संस्था अपना आवेदन दिनांक 23.04.2025 तक कार्यालय अवधि में जमा कर सकते हैं तथा बन्दोवस्ती खुली डाक के माध्यम से दिनांक 24.04.2025 के अपराह्न 3:00 बजे नगर निगम सभाकक्ष में किया जायेगा।

क्रमांक	सैरात का नाम	न्यूनतम डाक की राशि	जमानत की राशि
1	गाँधी मैदान, मटवारी में डिजनी लैण्ड –सह– हैण्डिक्राफ्ट मेला 2025 के अवसर पर	17,20,000 / –	5,00,000/-

नोट – डाक की नियम एवं शर्तों की विस्तृत जानकारी नगर निगम कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

नगर आयुक्त सह प्रशासक
नगर निगम, हजारीबाग

PR 350069 (Urban Development and Housing)25-26*D

JAPIT
Jharkhand Agency for Promotion of Information Technology
(An Autonomous body under Department of Information Technology, Govt. of Jharkhand)
Ground Floor, Engineer's Hostel – I, Near Golchakkar, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand
Phone. 0651-2401044/2401067, E-mail- japit_doit@rediffmail.com

CORRIGENDUM-I
Purchase, Installation, Configuration & Integration of two Server System (Live & Backup) & Other Equipment with 05 Years Comprehensive Warranty along with 24x7 Technical Manpower at Data Center of Hon'ble Jharkhand High Court, Ranchi
Tender Ref No. JAPIT/HIGHCOURT-DMS/01/2025

With reference to the above tender, please be informed that the tender schedule has been revised.

	Revised Tender Schedules	
S.N.	Basic Requirement	Specific Requirement
1.	Start Date for Online Bid Submission	11/04/2025 (3:00 P.M.)
2.	Last Date for Online Submission of Bids	17/04/2025 (3:00 P.M.)
3.	Date of Commercial Bid opening	To be announced later

For further details please visit https://jharkhandtenders.gov.in.
PR Ref No. 349383
PR.NO.350029 Information Technology(25-26):D
Sd/-
(OSD, JAP-IT)

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमंडल, राँची

अल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या SCA/MID/RANCHI/F2-01/2025-26

पत्रांक– दिनांक–

1. विज्ञापनदाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रांची
2. परिमाण विपत्र (BOQ) बिक्री की तिथि : 19.04.2025 से 25.04.2025 कार्यालय अवधि
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 26.04.2025 को 03:00 बजे अपराह्न तक
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 26.04.2025 को 03:30 बजे अपराह्न में
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रांची
6. निविदा खोलने का स्थान :– कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, रांची
7. कार्य की विस्तृत विवरणी:

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1.	श्री रमेश उरॉव, ग्राम–बरवे, रिंगटोली लहु ओरमांझी के खाता नं०– 137, प्लॉट नं०– 394 रकबा– 1.00 एकड़ भूमि पर अवस्थित तालाब का जीर्णोद्धार	10,00,000.00	1250.00	20,000.00	2 (दो माह)

नोटः– 1. निविदा की प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है, तत्पश्चात् अग्रधन की राशि देय होगा।
2. निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कार्यालय के सूचना पट्ट से प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
लघु सिंचाई प्रमंडल, रांची

PR 350037 Minor Irrigation(25-26).D

अपने गिरेबां में झांकें मुस्लिम रहनुमा

केंद्र की भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली राजग सरकार ने संशोधित वक्फ बोर्ड बिल पास कर दिया और राष्ट्रपति ने उसको मंजूरी भी दे दी। अब वक्फ कानून आठ अप्रैल से देशभर में लागू हो गया है। इस बिल के क्या फायदे होंगे क्या नुकसान होगा यह बात इतर है, लेकिन इस ऐतिहासिक कदम के बाद उन मुस्लिम रहनुमाओं को अपने गिरेबां में झांकना होगा कि आखिर केंद्र सरकार को यह कदम क्यों उठाना पड़ा? वक्फ बोर्ड की भूमि की बंदरबाट, भ्रष्टाचार और कुछेक परिवारों का कब्जा इसकी प्रमुख है। आज वक्फ बोर्ड की हजारों एकड़ जमीन अदालती झमेलों में फंसी है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? इस विकट स्थिति के लिए आखिरकार कौन जिम्मेदार है। अब यह सवाल तो उठेगा ही और रहनुमाओं को जवाब देना चाहिए।

संशोधित बिल पास होने के बाद जहां सुप्रीम कोर्ट में धड़ाधड़ याचिकाएं डाली जा रही हैं, वही एक हारे हुए जुआरी की तरह मुस्लिम रहनुमा भी केवल और केवल खोखली बयानबाजी कर रहे हैं। साथ ही कथित तौर पर उनके रहनुमा कहे जाने वाले राजनीतिक दलों के नेता क्यों चुप्पी साधे हुए हैं। यह सवाल भी देश पूछ रहा है।

इस बिल का क्या असर होगा? क्या आम मुसलमान को इसका लाभ मिल पाएगा? अभी हम इस बहस पर नहीं जाना चाहते लेकिन हमारा मानना है कि मुसलमान वक्फ प्रॉपर्टी के केयरटेकरों को इस पर गंभीरता से सोचना होगा। पिछले सैकड़ों सालों के दौरान वक्फ संपत्ति के साथ ये लोग कितना इंसाफ कर पाए हैं? यह किसी से छुपा नहीं है। उनके बुजुर्गों ने समाज लिए जो जमीन और अपनी कीमती संपत्ति वक्फ की थी, उनका क्या मकसद था ? क्या इन केयरटेकरों ने उनके मकसद के हिसाब से आम लोगों को या आम मुसलमान को उनका हक देने की कभी कोशिश की या फिर माफिया या बड़े पैसे वालों को वक्फ की संपत्ति चंद पैसों में लेकर सौंप देने का काम किया? अब सरकार ने एक कदम उठाया तो ये लोग क्यों लोग बिलबिला रहे हैं। क्या इन लोगों को पहले नहीं सोचना चाहिए था कि आखिर वक्फ की संपत्ति की बंदरबांट क्यों हो रही है? मुसलमान की शिक्षा और बेरोजगारी की समस्या को दूर करने के लिए आखिर इन लोगों ने काम क्यों नहीं किया किया। वक्फ संपत्ति का बंदरबाट करना या फिर अपने परिवार के लोगों का लालन-पोषण करना ही इनका मकसद रह गया था? यह बहुत बड़ा सवाल है। इस सवाल का जवाब आज समुदाय की जनता को इन लोगों को देना होगा। आखिर क्यों इस्लामी सिद्धांतों के मुताबिक यह लोग यह इंसाफ नहीं कर पाए। यह बेहद गंभीर मामला है। आगे इस तरह के मसले ना हों तो मुस्लिम रहनुमाओं को अब इस पर पहल करनी होगी। गंभीरता दिखानी होगी और गंभीर मंथन करना होगा। हूबहू इस्लाम में जो मकसद इस तरह के मामलों में दिया गया ,उसके अनुरूप काम करना होगा। यदि यह लोग ऐसा करते तो शायद वक्फ संशोधन बिल की आवश्यकता नहीं पड़ती।

हम यह नहीं कहते कि इसको लेकर सरकार की मंशा अच्छी है या बुरी। यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा, लेकिन कहीं ना कहीं तो गड़बड़, भ्रष्टाचार और घोटाले थे और इस गड़बड़ी के विरोध में आज तक कोई भी रहनुमा क्यों नहीं आगेआया । सबसे बड़ा सवाल यही है।

आम मुसलमानों को भी इस पर पैनी नजर रखनी होगी। उन्हें रहनुमाओं से सवाल करने होंगे। न कि इस्लाम के नाम पर उनके समर्थन में हां में हां मिलानी होगी। आम लोगों को इस पर सवाल करना चाहिए कि आखिर इसकी नौबत क्यों आई? आगे उनकी क्या मंशा है?

बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव से जुडे. जीवन-संकट

ललित गर्ग

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है, जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है, कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्त्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है।

प्रतिवर्ष धरती का तापमान बढ़ रहा है। आबादी बढ़ रही है, जमीन छोटी पड़ रही है। हर चीज की उपलब्धता कम हो रही है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से ह्यतीसरा ध्रुवह्ल कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति लिटल आइस एज के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। सरकारों को नीतिगत फैसला लेकर बदलते मौसम की चुनौतियों को गंभीरता से लेना होगा। समय रहते बचाव के लिये नीतिगत फैसले नहीं लिए गए तो एक बड़ी आबादी के जीवन पर संकट मंडराएगा। यह संकट तीखी गर्मी से होने वाली बीमारियों व लू से होने वाली मौतें ही नहीं होंगी, बल्कि हमारी कृषि एवं खाद्य सुरक्षा श्रृंखला भी प्रभावित होगी। हालिया अध्ययन बता रहे हैं कि मौसमी तीव्रता से फसलों की उत्पादकता में भी कमी आई है। दरअसल, मौसम की यह तल्खी केवल भारत ही नहीं, वैश्विक स्तर पर नजर आ रही है।

सरकारों को मानना होगा कि वैसे तो प्रकृति किसी तरह का भेदभाव नहीं करती मगर सामाजिक असमानता के चलते वंचित समाज इसकी बड़ी कीमत चुकाता है। सरकार रेड अलर्ट व ऑरेंज अलर्ट की सूचना देकर अपने दायित्वों से पल्ला नहीं झाड़ सकती। बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूल-कालेजों के संचालन, दोपहर की तीखी गर्मी के बीच कामगारों व बाजार के समय के निर्धारण को लेकर देश में एकरूपता का फैसला लेने की जरूरत है। कुछ जगहों पर धारा 144 लागू करना इस संकट का समाधान कदापि नहीं है। कभी संवेदनशील भारतीय समाज के संपन्न लोग सार्वजनिक स्थलों में प्याऊ की व्यवस्था करते थे। लेकिन आज संकट यह है कि पानी व शीतल पेय के कारोबारी मुनाफे के लिये सार्वजनिक पेयजल आपूर्ति को बाधित करने की फिराक में रहते हैं। सरकारें भी जल के नाम पर राजनीति करती है। हमारे राजनीतिज्ञ, जिन्हें सिर्फ वोट की प्यास है और वे अपनी इस स्वार्थ की प्यास को पानी से बुझाना चाहते हैं। विभिन्न प्रांतों के बीच का यह विवाद आज हमारे लोकतांत्रिक ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है, जनजीवन से खिलवाड़ कर रहा है। इस तरह की तुच्छ एवं स्वार्थ की राजनीति करने वाले नेता क्या गर्मी एवं जल-समस्याओं का समाधान दे पायेंगे?

धर्मनिरपेक्ष हिन्दुओं से 'नफरत के सौदागरों' को सीख लेनी चाहिये

निर्मल रानी

हमारे देश के मंदिरों व शिवालों में प्रातः व सायंकालीन आरतियों के बाद जो प्रार्थनायें की जाती हैं उनमें प्रत्येक सनातनी धर्मावलंबी यह प्रार्थना भी करता है कि 'प्राणियों में सद्भावना हो ', विश्व का कल्याण हो। हमारा ही धर्म हमें विश्व बंधुत्व व वसुधैव कुटुंबकम का पाठ भी पढ़ाता है और यही हमें 'सर्वे भवन्तु सुखिनः ' की सीख भी देता है। यह वाक्यांश भारतीय विचारधारा में सार्वभौमिक एकता और भाईचारे की भावना के प्रतीक हैं तथा समग्र हिन्दू सोच को प्रतिबिंबित करती हैं। निश्चित रूप से यही भारतीय हिन्दू समाज का स्वभाव भी है। और भारतीय बहुसंख्यकों के यही मानवतापूर्ण संस्कार ही भारत को विश्व के सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र के रूप में पहचान दिलाते हैं। परन्तु हमारे देश में दशकों से अनेक संकीर्णतावादी संगठन ऐसे भी सक्रिय हैं जिन्हें न तो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की सोच पसंद है न ही विश्व बंधुत्व,वसुधैव कुटुंबकम और प्राणियों में सद्भावना जैसी बातें इन्हें पसंद हैं। और न ही इन्हें विश्व के कल्याण से कोई वास्ता है। यह संकीर्ण साम्प्रदायिकतावादी देश और दुनिया को अपने ही कट्टरपंथी रंग में रंगना चाहते हैं । यह संकीर्ण व विद्वेषपूर्ण विचार, धर्म और हिन्दू जागरण के नाम पर देश के आम शांतिप्रिय लोगों को उकसाता व भड़काता है। और इसके पीछे की सबसे बड़ी चाल यह है कि इसी वैमनस्य व साम्प्रदायिकता के नाम पर न जाने कितने निखट्टुओं को सत्ता मिल जाती है। और जो लोग लिपिक या चौकीदार अथवा सिपाही के योग्य भी नहीं होते उन्हें देश की लोकतान्त्रिक व्यवस्था में राज करने का अवसर मिल जाता है।

पिछले दिनों देश में एक ऐसे विषय को विवाद का रूप दे दिया गया जो आजादी के 78 वर्षों बाद भी कभी विवाद का विषय था ही नहीं। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में प्रशासन द्वारा अलविदा (रमजान का आखिरी शुक्रवार) की नमाज सड़कों पर या अपने घरों की छतों पर पढ़ने पर रोक लगा दी गयी। जिसके कारण अलीगढ़ जैसे शहर में मुसलमानों ने प्रशासन के निर्देशों की पालना करते व सहयोग करते हुये ईद की नमाज ईदगाह में सुबह 7 बजे और 7:45 पर यानी दो बार में अदा की गयी। ऐसा पहली बार हुआ था। दिल्ली में भी कई भाजपा विधायकों ने एक सुर में सड़क पर नमाज पढ़ने पर रोक लगाने की मांग की। उधर मुस्लिम धर्मगुरुओं द्वारा मुस्लिम समुदाय के लोगों से यह कहा गया कि लोग मस्जिदों में जब नमाज पढ़ने जाएं तो अगर एक मस्जिद में जगह खत्म हो जाए तो दूसरी मस्जिद में जाकर नमाज पढ़ लें। उन्होंने मुसलमानों से यही अपील की कि सड़कों पर नमाज न पढ़ी जाए और कानून व्यवस्था को बनाए रखने हेतु प्रशासन के निर्देशों का पालन किया जाये। परन्तु इसी सन्दर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ योगी का भी एक बयान चर्चा में आया। उन्होंने सड़कों पर नमाज अदा करने के विरुद्ध मुसलमानों को प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी का पूरी तरह बचाव किया और कहा कि -'सड़क चलने के लिए होती है और जो लोग बोल रहे हैं उन्हें हिंदुओं से अनुशासन सीखना चाहिए। कुल 66 करोड़ लोग प्रयागराज में आए, कहीं कोई लूटपाट नहीं, कहीं कोई आगजनी नहीं, कहीं कोई छेड़खानी नहीं, कहीं कोई तोड़फोड़ नहीं, कहीं कोई अपहरण नहीं, यह होता है अनुशासन... यह है धार्मिक अनुशासन। मुख्यमंत्री ने मेरठ में सड़कों पर नमाज अदा करने के विरुद्ध प्रशासन द्वारा दी गई चेतावनी पर उठे विवाद के बारे में पूछे जाने पर सरकार के कदम का बचाव करते हुए कहा कि इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

इसमें कोई संदेह नहीं कि महाकुंभ में इस बार श्रद्धालुओं की रिकार्ड उपस्थित रही। प्रशासनिक लापरवाहियों के चलते भगदड़,आगजनी व यातायात जाम जैसी कुछ घटनाएं भी हुईं। परन्तु निश्चित रूप से इन सबके बावजूद बहुसंख्य शांतिप्रिय हिन्दू श्रद्धालु देश विदेश से आये और संगम में स्नान कर वापस चले गये। निश्चित रूप से इनसे अनुशासन की सीख लेने की जरुरत है। परन्तु इसी कुंभ में चंद सत्ता संरक्षित लोग ऐसे भी थे जो खुले आम लोगों को आत्मरक्षा के नाम पर शस्त्र वितरित कर रहे थे। इसी महाकुंभ में कुछ लोग ऐसे भी थे जो संविधान का मजाक उड़ाते हुये हिन्दू राष्ट्र स्थापना की बातें कर रहे थे,इसी महाकुंभ में कुछ ऐसे भी थे जो 'सर्वे भवन्तु सुखिनः,प्राणियों में सद्भावना और विश्व का कल्याण जैसे मूलभूत सनातनी सिद्धांतों की खिल्ली उड़ाते हुये धर्म विशेष के लोगों के मेले से बहिष्कार की बात कर रहे थे। कई संतरूपी वेषधारियों ने सत्ता के संरक्षण में केवल धर्म विशेष के विरुद्ध नफरत फैलाने जैसा कारोबार फैला रखा था। कुछ लोग ऐसे भी थे जो यातायात की असुविधा से खिन्न होकर बड़े पैमाने पर ट्रेंस में तोड़फोड़ कर रहे थे। परन्तु वास्तव में धन्य हैं वह करोड़ों बहुसंख्य अनुशासित देशभक्त कुंभ श्रद्धालु जिन्होंने इनके जहरीले व देश व संविधान विरोधी आवाहनों को धत्ता बताते हुये मेले में शांति बनाये राखी। निश्चित रूप से देश व दुनिया को ऐसे मानवतावादी हिन्दुओं से सीख लेने की जरुरत है।

सच पूछिये तो इसी महाकुंभ के दौरान प्रशासनिक गलतियों के चलते जब इन्हीं श्रद्धालुओं पर भगदड़ जैसा संकट मंडराया तो इन्होंने प्रयागराज के सैकड़ों मस्जिदों,इमामबाड़ों,दरगाहों व मुस्लिम शैक्षणिक संस्थाओं में पनाह लेने के बाद वहां के मुस्लिम समाज के प्रति अपने प्रेम,विश्वास व सद्भावना के जो भाव सोशल मीडिया पर व्यक्त किये वही भाव देश के बहुसंख्य भारतीयों के भाव हैं। धर्मनिरपेक्षता से नफरत करने वालों को किसी विपक्षी नेता से नहीं बल्कि स्वयं अपने ही वरिष्ठ नेता अटल बिहारी वाजपई के बयानों से सीख लेनी चाहिये। वाजपेई का कहना था कि "अगर भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं है, तो भारत बिल्कुल भारत नहीं है। " यह भी वाजपेयी के ही शब्द थे कि भारत भाजपा या आरएसएस की वजह से धर्मनिरपेक्ष नहीं है। बल्कि भारत धर्मनिरपेक्ष है क्योंकि इसकी 82% आबादी हिंदू है। यह हिंदुओं की विचार प्रक्रिया और दर्शन है जो इस देश को धर्मनिरपेक्ष बनाता है। हिंदू किसी एक किताब या एक पैगंबर से बंधे नहीं हैं। यहाँ तक कि नास्तिक भी हिंदू है। हिंदू धर्म सभी को गले लगाता है। नफरत के सौदागरों के लिये ही वाजपेई ने यह भी कहा था कि अगर भारत में कोई हिंदू अपने बहुसंख्यकों के आधार पर अपने लिए ज्यादा अधिकार मांगता है और अल्पसंख्यक समुदाय के लिए कम अधिकार मांगता है, तो मैं ऐसे व्यवहार को सांप्रदायिक कहूँगा। इसलिये निःसंदेह देश के धर्मनिरपेक्ष हिन्दुओं से 'नफरत के सौदागरों ' को सीख लेनी चाहिये।

सूडोकु नवताल- 7396

✱✱✱✱✱ सरल

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7395 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

मीडिया, स्त्री और सनसनी

डॉ. सत्यवान सौरभ

सूचना और संचार की इस तीव्र गति वाली दुनिया में मीडिया का प्रभाव जितना व्यापक हुआ है, उतना ही गहरा भी। आज किसी घटना की रिपोर्टिंग केवल सूचना देने तक सीमित नहीं है, बल्कि वह एक नैरेटिव, एक छवि और कभी-कभी एक पूर्वग्रह को भी जन्म देती है। जब स्त्री से जुड़ी घटनाओं की बात आती है, खासकर तब जब वह विवादास्पद हों- जैसे धोखाधड़ी, झूठे आरोप या ब्लैकमेलिंग,तो मीडिया का रुख कहीं अधिक सनसनीखेज और पक्षपाती हो जाता है। यह चिंता का विषय है।

पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसी घटनाएं देखी गईं जहां महिलाओं पर पुरुषों को झूठे मामलों में फंसाने के आरोप लगे। कुछ मामलों में ये आरोप सही भी साबित हुए। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या इन गिने-चुने मामलों के आधार पर 'हर औरत भरोसे के लायक नहीं' जैसी सोच विकसित करना जायज है? क्या यह सही है कि मीडिया इन घटनाओं को इस तरह प्रस्तुत करे कि पूरा समाज स्त्रियों की नीयत पर शक करने लगे? वास्तव में यह सोच एक लंबे समय से पनप रही उस मानसिकता का हिस्सा है जो स्त्री को या तो देवी के रूप में पूजती है या खलनायिका के रूप में ठुकराती है। बीच का कोई स्थान बचा ही नहीं।

अखबार की सुर्खियां देखें या न्यूज चैनलों की हेडलाइन सुने, तो एक बात स्पष्ट नजर आती है-स्त्री से जुड़ी घटनाओं को ज्यादा उत्तेजक, भावनात्मक और आकर्षक तरीके से पेश किया जाता है। उदाहरण के लिए- प्रेमिका निकली सौतन की हत्यारिन, महिला टीचर ने छात्र से बनाए शारीरिक संबंध, बीवी ने पति को प्रेमी संग मिलकर मरवाया। ऐसी खबरें समाज में एक खास सोच को मजबूत करती हैं कि स्त्रियां कपटी, चालाक और अवसरवादी होती हैं। जबकि हकीकत यह है कि पुरुषों द्वारा किए गए अपराधों को इतनी सनसनी के साथ नहीं दिखाया जाता। वहां 'मानसिक तनाव', 'पारिवारिक दबाव' या 'सामाजिक अस्वीकृति' जैसे कारण खोज लिए जाते हैं।

मीडिया अकसर स्त्री को या तो पूरी तरह पीड़ित के रूप में दिखाता है, या फिर पूरी तरह अपराधिनी के रूप में। लेकिन हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल है। हर महिला जो धोखा देती है, वह स्वाभाविक रूप से 'बुरी' नहीं होती, और हर महिला जो पीड़ित है, वह स्वाभाविक रूप से 'पवित्र' नहीं होती। इंसानी व्यवहार कई सामाजिक, मानसिक और भावनात्मक कारकों से बनता है। जब मीडिया इन पहलुओं की उपेक्षा करके केवल एक सनसनीखेज चेहरा दिखाता है, तो वह सच्चाई को तोड़-मरोड़कर पेश करता है।

हाल के वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए जिन्होंने इस विषय को और जटिल बना दिया। जैसे- फर्जी यौन उत्पीड़न के आरोप लगाकर ब्लैकमेलिंग का मामला महिला द्वारा पति को फंसाकर तलाक और संपत्ति हथियाने की कोशिश। सोशल मीडिया पर 'फेमिनिज्म ' का इस्तेमाल करके जनभावनाओं का दोहन। इन घटनाओं का मीडिया में खूब प्रचार हुआ, लेकिन इनसे जुड़ी कानूनी प्रक्रिया, जांच के निष्कर्ष, या महिला के पक्ष की गहराई से पड़ताल शायद ही कभी दिखाई गई।

यह बात माननी भी गलत होगा कि पुरुष वर्ग सदैव पीड़ित होता है। सैकड़ों-हजारों महिलाएं आज भी घरेलू हिंसा, बलात्कार, यौन उत्पीड़न और मानसिक शोषण की शिकार हैं। हर साल महिला सुरक्षा से जुड़े आंकड़े भयावह तस्वीर पेश करते हैं। ऐसे में यदि कुछ मामलों में महिलाएं दोषी पाई जाती हैं, तो उससे पूरे स्त्री वर्ग को कठघरे में खड़ा कर देना न केवल अन्याय है, बल्कि सामाजिक संतुलन के लिए भी खतरनाक है। मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा गया है, लेकिन जब यह स्तंभ टीआरपी की दौड़ में नैतिकता भूल जाए, तो समाज की नींव डगमगाने लगती है। पत्रकारिता का काम सूचना देना है, विचार बनाना नहीं। लेकिन आज मीडिया अक्सर 'मूड' बनाता है, 'मत' गढ़ता है और 'फैसला' सुनाता है। यह प्रवृत्ति न्याय व्यवस्था से भी आगे निकलने का दावा करती है-जिसे हम मीडिया ट्रायल कहते हैं। जहां मुख्यधारा मीडिया की सीमाएं हैं, वहीं सोशल मीडिया ने तो हर किसी को जज बना दिया है। व्हाट्सऐप, फॉरवर्ड, ट्विटर ट्रेंड और इंस्टाग्राम रील्स-हर जगह स्त्री के चरित्र और नीयत पर सवाल उठाए जा रहे हैं। 'हर औरत गोल्ड डिगर है', 'औरतें सिर्फ फायदे के लिए प्यार करती हैं'- जैसे जुमले सोशल मीडिया पर सामान्य हो चुके हैं। यह माहौल केवल स्त्रियों के लिए नहीं, बल्कि युवा पुरुषों के लिए भी हानिकारक है जो रिश्तों में भरोसे की जगह शक लेकर आते हैं।

हमारे समाज की सबसे बड़ी कमजोरी यही है कि हम एक घटना से पूरे वर्ग के लिए निष्कर्ष निकाल लेते हैं। किसी महिला ने धोखा दिया, इसका अर्थ यह नहीं कि हर महिला अविश्वसनीय है। उसी तरह एक पुरुष बलात्कारी निकला तो हर पुरुष को संदेह की नजर से नहीं देखा जा सकता। हमें घटना और व्यक्ति को उनके सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भ में देखने की आदत डालनी होगी। आज जब मीडिया समाज की सोच को तय कर रहा है, तब पत्रकारों, संपादकों और न्यूज रूम की जिम्मेदारी कहीं अधिक है। उन्हें यह तय करना होगा कि वे 'सच दिखा रहे हैं' या 'सच बेच रहे हैं'। साथ ही, हमें (दर्शकों, पाठकों और नागरिकों) यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि हम हर खबर पर आंख मूंदकर विश्वास न करें। समाज तब ही संतुलित रहेगा जब हम स्त्री और पुरुष दोनों को गुण, दोष, भावना और सीमाओं के साथ इंसान समझें। मीडिया अगर इस संतुलन को नहीं समझेगा तो वह सूचना का वाहक नहीं, बल्कि पूर्वग्रह का प्रसारक बन जाएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

10 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

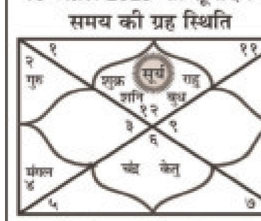

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.59 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृष	07.40 बजे से
मंगल	कर्क में	मिथुन	09.38 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.51 बजे से
गुरु	वृष में	सिंह	14.07 बजे से
शुक्र	मीन में	कन्या	16.19 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.30 बजे से
राहु	मीन में	वृश्चिक	20.45 ब.से
केतु	कन्या में	धनु	23.01 बजे से
राहुकाल		मकर	01.06 बजे से
1.30 से 3.00		कुंभ	02.52 बजे से
बजे तक		मीन	04.25 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 100 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** चैत्र **पक्ष** शुक्ल **तिथि** त्रयोदशी 01.01 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पूर्वाफाल्गुनी 12.25 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 18.59 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 11.56 बजे तदनन्तर तैतिल 01.01 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 11.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 07° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872310 **जूलियन दिन** 2460775.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 11 **विशेष** प्रदोष व्रत, महावीर स्वामी जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05.54 से	07.22 बजे तक	अमृत	05.40 से	07.11 बजे तक
रोग	07.22 से	08.51 बजे तक	चर	07.11 से	08.43 बजे तक
उद्वेग	08.51 से	10.19 बजे तक	रोग	08.43 से	10.15 बजे तक
चर	10.19 से	11.47 बजे तक	काल	10.15 से	11.47 बजे तक
लाभ	11.47 से	01.15 बजे तक	लाभ	11.47 से	01.19 बजे तक
अमृत	01.15 से	02.43 बजे तक	उद्वेग	01.19 से	02.51 बजे तक
काल	02.43 से	04.11 बजे तक	शुभ	02.51 से	04.23 बजे तक
शुभ	04.11 से	05.40 बजे तक	अमृत	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

कोडरमा में पेंशन अदालत 16 अप्रैल को

कोडरमा : बुधवार को पेंशनर समाज की मासिक बैठक पेंशनर्स कार्यालय में अध्यक्ष नारायण मोदी की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिसमें कई प्रस्ताव लिए गए। 16 अप्रैल को उपायुक्त कोडरमा के कार्यालय ने पेंशन अदालत आयोजित होने की जानकारी दी गई। पेंशन भोगी अपनी समस्याओं के समाधान के लिए इसमें शामिल होंगे। वहीं माध्यमिक शिक्षक, कार्यरत एवं सेवानिवृत्ति शिक्षकों का जल्द से जल्द प्रवरण वेतनमान की मांग जिला शिक्षा पदाधिकारी से की गई। श्रीमती उर्मिला देवी पति स्व जनार्दन प्रसाद सिंह का जो प्लस टू उच्च विद्यालय डोमचांच में पदस्थापित थे, उनका सातवां वेतन पुनरीक्षण से संबंधित कागजात महालेखाकार रांची द्वारा आपत्ति लगाकर जिला शिक्षा पदाधिकारी कोडरमा को तथा उनके द्वारा अनुमंडल शिक्षा पदाधिकारी सह जिला शिक्षा पदाधिकारी कोडरमा को भुगतान की प्रक्रिया के लिए भेजा गया है। लेकिन अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। संबंधित पारिवारिक पेंशन भोगी को भुगतान की कार्रवाई की मांग की गई। वहीं पेंशनभोगी भगवती प्रसाद सिंह के निधन पर उनकी आत्मा की शांति के लिए 2 मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की गई। बैठक में अध्यक्ष नारायण मोदी के अलावा नारायण सिंह, सीता प्रसाद, महेश्वर पांडेय, बलदेव मोदी, चंद्रिका प्रसाद, भोला चौधरी, महेश्वर सिंह आदि उपस्थित थे।

क्रिकेट में कोडरमा नित्य नई ऊंचाइयों को छू रहा : डॉ नीरा

कोडरमा : झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर 16 क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान में जमशेदपुर और लातेहार के बीच मैच खेला गया। मैच के शुरूआत में दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते हुए कोडरमा विधायक और पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव ने कहा कि जेएससीए द्वारा इस प्रकार के आयोजन की जिम्मेवारी कोडरमा को दी जाती है जिसे कोडरमा क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से सफलतापूर्वक निर्वहन भी किया जाता है। यहां के खिलाड़ियों ने स्टेट लेवल पर अपनी प्रतिभा दिखाकर एक नई पहचान बनाई है। क्रिकेट में कोडरमा नित्य नई ऊंचाइयों को छू रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के लड़के - लड़कियों को भी इंटर डिस्ट्रिक्ट टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने खेल प्रतिभाओं को हर संभव सहयोग करने का भरोसा दिलाया। वहीं पहले बल्लेबाजी करते हुए लातेहार ने 30 .4 ओवर में अपने सभी विकेट होकर 145 रन बनाये। इसमें अमित मुंडा ने 45 रन हिमांशु ने 29 रन और कृष्ण ने 23 रन का योगदान दिया।

चेकिंग के दौरान गर्भवती महिला बाइक से गिरकर घायल

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम के बागबेड़ा थाना क्षेत्र स्थित स्टेशन रोड पर बुधवार को चेकिंग के दौरान एक गर्भवती महिला बाइक से गिरकर घायल हो गई। महिला अपने पति के साथ परसुडीह सदर अस्पताल जा रही थी, तभी पुलिस ने उन्हें जांच के लिए रोका। इस बीच महिला को अचानक चक्कर आया और वह बाइक से गिर गई। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। लोगों ने पुलिस पर ₹चेकिंग के नाम पर जाम लगाने₹ का आरोप लगाते हुए सड़क को एक घंटे तक जाम कर दिया। बिष्टुपुर-बमार्माइंस और गोलपहाड़ी की ओर से आने-जाने वाले वाहनों की लंबी कतार लग गई, जिससे पूरे क्षेत्र में यातायात बाधित हो गया। तीन थानों की पुलिस पहुंची, समझा-बुझाकर खत्म कराया जामस्थिति बिगड़ती देख बागबेड़ा थाना, जुगसलाई थाना और जुगसलाई यातायात थाना के प्रभारी मौके पर पहुंचे।

उपायुक्त ने पोषण पखवाड़ा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : 8 अप्रैल से 22 अप्रैल 2025 तक मनाए जा रहे पोषण पखवाड़ा 2025 के तहत बुधवार को उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने समाहरणालय परिसर से पोषण पखवाड़ा जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । साथ ही उक्त मौके पर पोषण पखवाड़ा से संबंधित शपथ भी लिया गया। मौके पर ने उपायुक्त ने जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की से पोषण पखवाड़ा 2025 के तहत किए जा रहे कार्यों एवं जागरूकता रथ के रोस्टर के संबंध में जानकारी ली। जागरूकता रथ के द्वारा प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्रों में जाकर ग्रामीण व अन्य को पोषण पखवाड़ा 2025 के उद्देश्यों जैसे बच्चों के जीवन के प्रथम सुनहरे 1000 दिवस पर ध्यान, पोषण ट्रैकर में लाभार्थी मॉड्यूल का प्रचार प्रसार, समर कार्यक्रम से समुदाय स्तर पर कुपोषण प्रबंधन, बच्चों में मोटापे के समाधान के लिए स्वस्थ जीवन शैली आदि के प्रति जागरूक किया जाएगा। साथ ही जागरूकता रथ के माध्यम से ग्रामीणों को खाने में हरी पत्तेदार सब्जियां, दूध, फल, अंडा आदि शामिल करने के प्रति जागरूक किया जाएगा। उपायुक्त मेघा भारद्वाज द्वारा सभी को पोषण पखवाड़ा का शपथ दिलाया। उनके द्वारा भारत के बच्चों, किशोरों और महिलाओं को कुपोषण मुक्त स्वस्थ और मजबूत करने, राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा के दौरान में हर घर तक सही पोषण का संदेश पहुंचाने, सही पोषण का अर्थ, पौष्टिक आहार, साफ पानी और सही प्रथाएं, पोषण अभियान को एक देश व्यापी जन आंदोलन बनाने, हर घर, हर विद्यालय, हर गांव, हर शहर में सही पोषण की गूंज उठाने, इस जन आंदोलन से मेरे भारतीय भाई और बहन और सब बच्चे स्वस्थ होंगे और पूरी क्षमता प्राप्त करने, हम बाल विवाह नहीं करेंगे व हम ऐसे किसी आयोजन में शामिल नहीं होंगे, जहां बाल विवाह हो रहा हो और हम यह प्रण करते हैं कि इसकी रोकथाम के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, जिससे हर बच्चा सुरक्षित, मुक्त और शिक्षित हो सके, की शपथ दिलाया गया। साथ ही पोषण पखवाड़ा 2025 हस्ताक्षर बोर्ड पर उपायुक्त समेत अन्य पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने हस्ताक्षर कर सही पोषण देश रौशन का संदेश दिया। इस मौके पर उप विकास आयुक्त ऋतुराज, अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कनक कुमारी तिर्की, जिला सहकारिता पदाधिकारी रूमा झा समेत अन्य मौजूद रहे।

कोडरमा में आसमानी बिजली के कारण नौ स्कूली छात्राएं बेहोश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा जिले के मरकच्चो में आसमानी बिजली मासूम बच्चों पर कहर बनकर बरसा है। जिसमें एक निजी विद्यालय के 9 बच्चे घायल हो गए हैं। बताते चलें कि कोडरमा जिले के मरकच्चो थाना क्षेत्र अंतर्गत ललकापानी गांव में स्थित सन्त मौरिया स्कूल में बुधवार की दोपहर हुए वज्रपात में नौ स्कूली छात्राएं घायल हो गईं। जिसको स्कूल के शिक्षकों ने तत्परता दिखाते हुए स्कूल के वैन से मरकच्चो के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों की देखरेख में उनका उपचार किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बुधवार को 12 बजे जब विद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे तभी बारिश हुई और अचानक से जोर की बिजली कड़की जिसमे विद्यालय के अलग-अलग कक्षाओं में एक के बाद एक नौ छात्राएं बेहोश होकर गिर गईं। जिसके पश्चात उन्हें आनन फानन में मरकच्चो सामुदायिक स्वस्थ केंद्र ले जाया गया। इधर चिकित्सकों द्वारा उपचार के बाद सभी बच्चियां खतरे से बाहर बताई जा रही हैं। इधर मामले की जानकारी मिलते ही प्रखंड के बीपीओ प्रभुदेव यादव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे और घायल छात्राओं का हालचाल जाना। उन्होंने व्रजपात की घटना में 9 बच्चियों के घायल होने की पुष्टि करते हुए कहा कि जिस स्कूल में बच्चियों पढ़ रही थी। वहां व्रजपात से बचाव के लिए तड़ित चालक यंत्र नहीं लगा था, इसके अलावा स्कूल का इंफ्रास्ट्रक्चर भी नियमों के मुताबिक नहीं था। ऐसे में स्कूल संचालक के खिलाफ जिला स्तर पर बनी कमेटी से शिकायत की जाएगी। वहीं प्रखंड चिकित्सा पदाधिकारी प्रदीप बैठा ने बताया कि तकरीबन 12 बजे के आसपास 9 बच्चियां आईं थी। जिनका प्रार्थमिक उपचार किया गया है। बच्चियां अब खतरे से बाहर हैं।

अड्डी बांग्ला दुर्गा पूजा समिति परिसर का विकास होगा : अन्नपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : अड्डी बांग्ला दुर्गा पूजा समिति परिसर की झारखंड रांची से धार्मिक न्यास बोर्ड से पंजीकृत होने के पश्चात समिति के सभी प्रमुख पदाधिकारीगण कोडरमा सांसद सह भारत सरकार की महिला एवं बाल कल्याण मंत्री अन्नपूर्णा देवी के से भेंट किया झारखंड धार्मिक न्यास बोर्ड रांची से प्राप्त पंजीयन की जानकारी उन्हें दी गई पंजीयन कराए जाने में सांसद सह केंद्रीय मंत्री से जो सहयोग प्राप्त हुआ। उसके लिए उन्हें ट्रस्ट कमेटी के मुख्य न्यासी करता नितेश चंद्रवंशी के नेतृत्व में धन्यवाद दिया गया । सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति अड्डी बांग्ला के अध्यक्ष आलोक कुमार सरकार, पूर्व सचिव आलोक कुमार, कोषाध्यक्ष श्यामजीत कुमार, अमित कुमार जायसवाल, संतोष केसरी, मनोज साव, सुदीप्तो घोष एवं विमल चटर्जी मुख्य रूप से उपस्थित होकर अन्नपूर्णा देवी को उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और मंदिर परिसर की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया अन्नपूर्णा देवी ने समिति के न्यासी सदस्यों को आश्वस्त किया की अब मैं बहुत जल्द मंदिर परिसर में आकर वहां की सही जानकारी लूंगी और उस परिसर का विकास किया जाएगा।

कौंडिण्निया पब्लिक स्कूल के बच्चे ट्रेंड प्रशिक्षक से सिख रहे है तैराकी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : आश्रम रोड स्थित कौंडिण्निया पब्लिक स्कूल के प्रांगण में निर्मित स्विमिंग पूल छात्र-छात्राओं के लिए एक सुरक्षित और स्वच्छ स्थान है जहां बच्चों को ट्रेंड प्रशिक्षक के संरक्षण में तैराकी सिखायी जाती है जिससे बच्चे काफी आनंदित और उत्साहित नजर आ रहे हैं। इसके साथ-साथ यह तैराकी उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाने में कारगर साबित होगी। आधुनिक सुविधाओं से लैस स्विमिंग पूल कौंडिण्निया पब्लिक स्कूल की खास विशेषता है जो इसे शहर के बाकी स्कूलों से अलग करता है। कौणिडनिया पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष सह रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर राजीव रंजन सिंह ने कहा कि स्कूल में स्विमिंग पूल की व्यवस्था के पीछे का मकसद है बच्चों में सर्वांगीण विकास के साथ साथ आत्मविश्वास जागृत करना तथा उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना है।

सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने को लेकर अंचल अधिकारी ने दिया दो दिन का समय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : परसाबाद में प्रतिदिन जाम की स्थिति को लेकर मंगलवार को अंचल अधिकारी सारांश जैन तथा जयनगर थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह के नेतृत्व में सड़क पर हो रहे अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चलाया गया। इस दौरान जहां-जहां अतिक्रमण किया गया है वहां-वहां खुद से अतिक्रमण मुक्त करने की हिदायत दी। इस दौरान अंचल अधिकारी ने ध्वनि यंत्र के माध्यम से लोगों को कहा कि जो भी लोग सड़कों पर बड़ा करके अपनी दुकानों को लगाए हैं वह दो दिनों के अंदर उसको हटा ले अन्यथा जेसीबी लगाकर प्रशासन के द्वारा हटाया जाएगा। आगे उन्होंने कहा कि दौरान अगर आपको क्षति होती है आर्थिक नुकसान होता है तो इसके लिए प्रशासन जिम्मेवार नहीं होगा इसके लिए आप खुद जिम्मेदार होंगे। इस दौरान अंचल अधिकारी ने पेट्रोल बेचने वाले दुकानदारों को हिदायत दी कि अगर अवैध रूप से पेट्रोल बेचते हुए पाए गए तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि जयनगर, परसाबाद आदि क्षेत्रों में प्रति दिन वाहनों का आवा जाही होता है। ऐसे में दुकानदारों के द्वारा सड़क पर दुकान का सामान सजा देने के कारण सड़क संकीर्ण हो जाता है वाहनों से घंटों जाम लग जाता है जिससे आम लोगों के साथ-साथ पढ़ने वाले विद्यार्थियों व परीक्षार्थियों को भी काफी कठिनाई उठानी पड़ती है। इतना ही नहीं एंबुलेंस को भी रास्ता नहीं मिल पाता है। इसी मद्देनजर अंचल अधिकारी सारांश जैन ने यह हिदायत दी। मौके पर थाना प्रभारी बबलू कुमार सिंह सहित रोड सेफ्टी के कई अधिकारी मौजूद थे।

झारोटेफ ने ध्यानाकर्षण रैली का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सतगावां : झारखंड ऑफिसर्स, टीचर्स एण्ड एंप्लॉईज फेडरेशन (झारोटेफ) के तत्वाधान में राज्य के सरकारी कर्मचारियों के ज्वलंत मांगों की पूर्ति हेतु आहूत आन्दोलन के प्रथम चरण, हस्ताक्षर महाअभियान की शानदार सफलता के उपरांत आंदोलन के द्वितीय चरण में राज्य अंतर्गत समस्त प्रखंडों में प्रखंड के समस्त राज्य कर्मियों द्वारा प्रखंड मुख्यालय में राज्य सरकार का उपर्युक्त मुद्दों के प्रति ध्यानाकर्षण रैली का आयोजन क्रमशः दिनांक 4 से 23 अप्रैल के मध्य किया जाएगा।

उक्त ध्यानाकर्षण रैली के अंतर्गत राज्य के सभी प्रखंडों के कर्मचारी अपने न्यायोचित मांगों के निमित प्रखंड विकास पदाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव, झारखंड सरकार को ज्ञापन सौंपेंगे । ज्ञापन के साथ कर्मचारियों के हस्ताक्षर की प्रति भी अनुलग्न होगा। अन्य राज्य कर्मियों की भांति शिक्षक संवर्ग को एमएसीपी का लाभ देने। राज्य कर्मियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 62 वर्ष करने। केंद्रीय कर्मचारियों की भांति राज्य कर्मियों को शिशु शिक्षण भत्ता प्रदान करने सहित 11 सूत्री मांग शामिल हैं। इस बावत झारोटेफ के प्रखंड अध्यक्ष, नारायण रजक ने कहा कि आन्दोलन के प्रथम चरण में उपरोक्त प्राथमिक मांगों को लेकर पूरे राज्य में हस्ताक्षर महाअभियान चलाया गया। जिसमें अभी तक 40 हजार से अधिक कर्मचारियों ने आन्दोलन के समर्थन में हस्ताक्षर करते हुए राज्य सरकार से इन मांगों को पूरा करने का आग्रह किया है। यह अपने आप में अभूतपूर्व एवं ऐतिहासिक है तथा किसी संगठन के द्वारा अब तक के सर्वाधिक संख्या में हस्ताक्षर को दशार्ता है। इस ऐतिहासिक हस्ताक्षर महाअभियान की सफलता के लिए प्रखंड अध्यक्ष ने संगठन के समस्त प्राधिकारियों एवं सदस्यों का आभार प्रकट किया है। महासंघ के प्रखंड कोषाध्यक्ष अरुण कुमार ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2024 में झारखंड मुक्ति मोर्चा सहित अन्य सतारूढ़ दलों ने संगठन के मांग पत्र के अधिकांश मुद्दों को अपने घोषणा पत्र में भी सम्मिलित करते हुए इन्हें पूर्ण करने का वादा किया है। वर्तमान सरकार कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील है इसी सरकार के द्वारा पुरानी पेंशन व्यवस्था, शिशु देखभाल अवकाश एवं कैशलेस मेडिकल जैसे कई संवेदनशील एवं गंभीर मुद्दों का समाधान निकाला गया है।इसलिए कर्मचारियों की उम्मीदें मुख्यमंत्री से और बढ़ जाती है और उन्हें विश्वास है कि राज्य सरकार राज्य कर्मियों के न्यायोचित मांगों को शीघ्र पूरा करेगी। मौके पर सुधांशु सिंह चौधरी, हेमन्त कुमार राय, मुकेश कुमार, विष्णु प्रसाद यादव, जन नारायण प्र० यादव, प्रधुम्न कुमार, विजय कुमार, चन्द्रशेखर प्रसाद वर्मा, विवेकानन्द शांडिल, अरुण कृष्ण मिश्रा, पुनम प्रसाद,विष्णु प्रसाद यादव, कृष्ण देव रविदास, श्रवण कुमार,अमित कुमार,कैलाश चन्द्र महतो,कार्तिक पासवान,आलोक कुमार,संजय प्रसाद वर्मा,बैजनाथ प्रसाद यादव, रवि शंकर प्रसाद, राजेश कुमार, प्रशांत रजक, जितेंद्र कुमार, श्रीराम पंडित, निशांत राज,ब्रजेश पांडेय, सोनू पासवान सहित प्रखंड तथा अंचल के सभी कर्मी और अन्य विभाग के कर्मी शामिल हुए।

संक्षिप्त खबरें

प्रेरणा शाखा द्वारा शपथ ग्रहण समारोह का हुआ आयोजन

झुमरी तिलैया : झुमरी तिलैया प्रेरणा शाखा ने श्री अग्रसेन भवन में सत्र 2025-26 के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया। समारोह का कुशल संचालन शाखा सदस्य प्रियंका बोटा द्वारा संपन्न हुआ, जिन्होंने पूरे कार्यक्रम को सुचारू ढंग से आगे बढ़ाया। उद्घाटन में पूर्व सचिव शीतल पोद्दार ने अपने कार्यकाल की उपलब्धियों एवं गतिविधियों की प्रस्तुति देकर प्रेरणा का संचार किया। निवर्तमान कोषाध्यक्ष नेहा बजाज द्वारा सत्र 2024-25 के आय-व्यय का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया गया, जिससे सदस्यों में पारदर्शिता एवं एकता की भावना का संचार हुआ। इसके पश्चात प्रांतीय मंडल 1की सहायक मंत्री श्रेया केडिया ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष सारिका लड्ढा एवं सचिव आकृति चौधरी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाकर नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के प्रति विश्वास एवं जिम्मेदारी का संदेश दिया। समस्त नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने भी अपने-अपने पद की शपथ लेकर कार्यक्रम में उत्साह की नई लहर बहा दी। श्रेया केडिया को सहायक मंत्री नियुक्त किये जाने पर दुशाला भेंट कर उन्हें शुभकामनाएँ दी गईं तथा नव-नियुक्त अध्यक्ष, सचिव एवं पूर्व अध्यक्षों को पुष्पगुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान अप्रैल माह में जन्म लेने वाले सदस्यों का जन्मदिन भी उल्लासपूर्वक मनाया गया। केक काटने के समारोह ने सदस्यगण में उत्साह एवं उमंग की नई लहर दौड़ा दी। कार्यक्रम में प्रांतीय मंडल की सहायक मंत्री श्रेया केडिया, अध्यक्ष सारिका लड्ढा, उपाध्यक्ष प्रगति चौधरी एवं शीतल पोद्दार, सचिव आकृति चौधरी, सह-सचिव प्रिया अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नेहा बजाज, विभिन्न कार्यक्रम संयोजकों समेत अन्य सदस्यगण की उपस्थिति ने समारोह की इस भव्य प्रस्तुति ने न केवल नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को नए दायित्वों की ओर अग्रसर किया बल्कि सम्पूर्ण शाखा में साहस, एकता एवं प्रेरणा का संदेश भी प्रसारित किया। यह आयोजन निश्चित रूप से सदस्यों के मन में उत्साह एवं विश्वास की नई किरण जगाने वाला रहा।

हनुमान की शक्ति अद्वितीय है : अमर सिंह

झुमरीतिलैया : नगर की धार्मिक संगठन श्री हनुमान संकीर्तन मंडल के तत्वधान में दो दिवसीय हनुमान जन्मोत्सव सह मंडल का 44 वां वार्षिक उत्सव को ले बुधवार के देर शाम श्री अग्रसेन भवन में पोस्टर विमोचन एवं प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में अतिथि के रूप में एसबीआई झुमरीतिलैया शाखा के मुख्य प्रबंधक अमर कुमार सिंह,तनिष्क शोरूम के कोडरमा निदेशक विमल फोगला, हर्ष जालान, सिटी मैनेजर लेमांशु कुमार,आरएसएस के दिलीप सिंह, मंडल के संरक्षक मधुसूदन दारूका,प्राइवेट स्कूल चिल्ड्रन वेलफेयर एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष बीएनपी बर्णवाल,क्लोरोफिल के निदेशक अजय अग्रवाल,समाजसेवी,अभिषेक पांडेय,बीरू यादव,मारवाड़ी सम्मेलन के पप्पू केडिया मुख्य रूप से उपस्थित थे। मौके पर मुख्य अतिथि अमर कुमार सिंह ने कहा कि हनुमान जी की शक्ति अद्वितीय है।और हनुमान मंडल का यह महोत्सव एक अनूठी छाप छोड़ेगा।वहीं विमल फोगला ने कहा कि हनुमान मंडल एक यूनिवर्सिटी है और मंडल अद्वितीय कार्य कर पूरे विश्व मे एक अलग पहचान बनाई है। हर्ष जालान ने कहा कि शक्ति और भक्ति का अनूठा संगम हनुमान मंडल है। सिटी मैनेजर लेमांशु कुमार ने कहा कि भक्ति के बिना कोई भी कार्य नही हो सकती। बीएनपी बर्णवाल,अजय अग्रवाल,दिलीप सिंह, मुन्ना भदानी ने कहा कि हनुमान मंडल एक धार्मिक संगठन में अलग पहचान बनाई है। और यह मंडल एक बटवृक्ष के समान है बाकी इसकी सभी शाखाएं है। कार्यक्रम का मंच संचालन मंडल के अध्यक्ष नवीन सिन्हा ने किया। जबकि धन्यवाद ज्ञापन संचालक विजय पांडे ने किया। मौके पर सचिव विक्की केशरी, कोषाध्यक्ष बबलू पांडेय,धीरेन्द्रनाथ मिश्रा, बिनोद कुमार, अरविंद चौधरी, संदीप केडिया, आशुतोष भदानी,सज्जन शर्मा, चंद्रशेखर जोशी, आलोक कुमार सिन्हा, राकेश राजपूत, अमित सुरुलिया, विकास अग्रवाल, राकेश बजाज, रितेश पाण्डेय, नितिन मिश्रा, चन्द्रशेखर शर्मा, ओम प्रकाश, अभिषेक रंजन सहित काफी संख्या में मॉडल के सदस्य उपस्थित थे।

णमोकार महामंत्र से अमन चैन संभव है : मुनि श्री108 विशल्य सागर जी

झुमरितिलैया : जैन धर्म के वर्तमान शासन नायक देवाधिदेव 1008 भगवान श्री महावीर स्वामी के 2625 वें जन्म कल्याणक महोत्सव के दूसरे दिन जीतो ऑर्गनाइजेशन के द्वारा आयोजित विश्व णमोकार दिवस पर विश्व के अनेकों देशों सहित सम्पूर्ण भारत वर्ष के सभी मंदिरों के साथ आज श्री दिगम्बर जैन मंदिर में सकल जैन समाज झूमरी तिलैया द्वारा पूज्य मुनि श्री 108 विशल्य सागर जी मुनिराज के मुखारबिंद से 8 .01 से प्रारंभ होकर 9 :36 तक पूरे समाज के लोगो द्वारा जाप किया गया । इस शुभ अवसर पर पूज्य मुनि श्री विशल्य सागर जी मुनिराज ने कहा कि णमोकार महामंत्र से ही अमन चैन संभव है।विश्व में णमोकार की छाया में ही देश,राष्ट्र,विश्व का पर्यावरण परिशुद्ध होगा । णमोकार मंत्र की वर्गणाएं ब्रह्माण्ड को पवित्र करती हैं । प्रत्येक प्राणी को यह मंत्र जपना चाहिए । इसे अपने हृदय में प्रतिष्ठापित करो । इस मंत्र में पाँच दिव्य सर्वोच्च महाशक्तियाँ है जिनका स्मरण पाप - ताप - संताप को दूर करता है । द्वादशांग का सार है यह महामंत्र । इस महामंत्र में सम्पूर्ण ग्रंथ - निर्ग्रंथ समाए हैं । जिसने इस मंत्र को पढ़ लिया,समझ लिया,उसने सम्पूर्ण ग्रंथों को निर्ग्रथों को पढ़ लिया । मुनि श्री ने कहा कि आगे बताया कि देश मे परमाणु बम की नही णमोकार मंत्र की आवश्यकता है जिससे देश के कोने कोने में शांति की स्थापना होगी।इस कार्यक्रम में विशेष सहयोगी कोलकोत्ता जीतो संस्था के अध्यक्ष धर्मेन्द्र जैन चोरड़िया,रांची संभाग के वाइस प्रेसिडेंट विनीता जैन सेठी,कार्यक्रम संयोजक मनीष जैन सेठी,राज जैन अजमेरा,अभिषेक जैन,अमित जैन सेठी,मोहित जैन सोगानी,हेमंत दुग्गड़,रितेश दुग्गड़,सारांश जैन अंचल अधिकारी जयनगर,समाज के पदाधिकारि सह मंत्री राज जैन छाबड़ा,कोशाध्यक्ष सुरेन्द जैन काला, सुनील जैन सेठी,जय कुमार जैन गंगवाल,ललित जैन सेठी, सुर समार्ट सुबोध-आशा जैन गंगवाल,नीलम सेठी,शशि सेठी के साथ लगभग हजारों लोग उपस्थित थे।

एक नजर

मोबाइल चोरी करते हुए एक युवक को रंगे हाथ पकड़ा गया

साहिबगंज/उधवा : राधानगर थाना क्षेत्र अंतर्गत बालूगांव बाजार में मोबाइल चोरी करते हुए एक युवक को रंगे हाथ पकड़ा गया है। हालांकि पीड़ित द्वारा हो हल्ला करने पर ग्रामीणों ने युवक को जमकर पिटाई कर दिया। घटना की सूचना राधानगर थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही राधानगर पुलिस मौके पर पहुंचकर युवक को थाना लाया। पकड़ाए युवक राजमहल थाना क्षेत्र के जामनगर का बताया जाता है।

मंडलकारा का उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने मंडलाकारा पाकुड़ का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मंडलकारा में लगे सीसीटीवी फुटेज, विजिटर रजिस्टर, कारा परिसर की भी जांच की गई, जिसमे किसी भी प्रकार का कोई आपत्तिजनक सामान जेल के अंदर नही पाई गई।

युवक ने प्रेम प्रसंग में कर ली खुदकुशी

सरायकेला : आदित्यपुर थाना क्षेत्र के माझी टोला में बुधवार को अपने घर के कमरे में अनिल सरदार (30) ने फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। परिजन उसे फंदे से उतारकर एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अनिल सरदार एक निजी कंपनी में मजदूरी का काम करता था। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह वह काम पर गया था और लौटने के बाद उसने खुद को कमरे में बंद कर लिया। जब घरवालों ने आवाज लगाई, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला तो उन्होंने अनिल के दोस्तों को सूचना दी। दोस्तों ने दरवाजा तोड़ा तो देखा कि वह फंदे से झूल रहा था। परिजन और दोस्त आनन-फानन में उसे अस्पताल ले गए, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बताया जा रहा है कि अनिल की खुदकुशी की वजह प्रेम प्रसंग है।

गेहूं के खेत में सांप काटने से युवक हुआ मूर्छित, अस्पताल में भर्ती

साहिबगंज : मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत महादेवगंज गांव में जहरीले सांप के काटने से एक युवक मूर्छित हो गया। मूर्छित युवक को परिजनों ने इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ऋतुराज के द्वारा इलाज प्रारंभ कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि महादेवगंज गांव निवासी गुदर यादव के 27 वर्षीय पुत्र अटल बिहारी वाजपेई अपने गेहूं के खेत गया हुआ था। खेत में गेहूं के बोझा उठाने के दौरान किसी सांप ने युवक के पैर में काटने से मूर्छित हो गया।

रेलवे ट्रेन से कट कर एक वृद्ध व्यक्ति का हुआ मौत

साहिबगंज/तीनपहाड़ : तीनपहाड़ बाबूपुर रेलवे फाटक के समीप बुधवार को दोपहर लगभग 1:00 बजे रेलवे ट्रैक पोल संख्या 191/33 एवं 35 के बीच ट्रेन से कटकर एक वृद्ध व्यक्ति की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान महेंद्र पंडित उम्र करीब 78 वर्ष जो की ग्राम पहाड़पुर, थाना तीनपहाड़, जिला साहिबगंज का निवासी के रूप में पहचान की गई है। वही घटना की जानकारी मिलते ही तीनपहाड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया पूरी कर पोस्टमार्टम हेतु राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया।

मशरूम उत्पादन के गुर सीख रहे जेल के कैदी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिला प्रशासन की यह पहल बंदियों के पुनर्वास और उनकी सकारात्मक दिशा में उन्मुखीकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रोजेक्ट परिवर्तन के तहत बंदियों के भविष्य को संवारने का प्रयास हेतु जिला प्रशासन ने उन बंदियों के भविष्य को संवारने का बीड़ा उठाया है, जो जाने-अनजाने में अपराध के कारण जेल में निरूद्ध हैं। इसके लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी पाकुड़ की मदद ली गई है। आरसेटी के सहयोग से बंदियों के लिए मशरूम की खेती का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस प्रशिक्षण में 35 बंदियों को चुना गया है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य रूप से उपायुक्त मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, निदेशक आरसेटी राजेश कुमार मिश्रा, मंडल कारापाल दिलीप कुमार, चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एस के झा और वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक अमित कुमार बर्धन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि जेल में बंदियों को दस दिनों का प्रशिक्षण आज से दिया जा रहा है। जेल में बंदियों को अब मशरूम की खेती के गुर सिखाए जा रहे हैं, ताकि वे जेल से रिहाई के बाद अपराध की दुनिया को छोड़कर आत्मनिर्भर बन सकें। इस पहल का उद्देश्य बंदियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना और समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। प्रशासन की ओर से बंदियों को हरसंभव मदद दी जा रही है ताकि वे इस व्यवसाय को सीखकर आत्मनिर्भर बन सकें। वहीं पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रशिक्षण के बाद, रिहाई के उपरांत बंदी मशरूम की खेती को व्यवसाय के रूप में अपना सकते हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकते हैं। यह प्रयास न केवल उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगा, बल्कि अपराध से दूर रहकर समाज में सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर भी प्रदान करेगा। मंच का संचालन करते हुए अमित कुमार बर्धन ने कहा कि जिला प्रशासन के महत्वपूर्ण सहयोग से जेल बंदियों का यह तीसरा प्रशिक्षण बैच है। इससे पूर्व आरसेटी पाकुड़ द्वारा सर्फ, साबुन, फिनायल, मेकिंग और फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी पर प्रशिक्षण दिया गया है। लाभुकों को मशरूम उत्पादन के अलावा व्यक्तित्व विकास, उद्यमी योग्यता, समय प्रबंधन, वित्तीय समावेशन, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, विपणन, बैंकिंग व बीमा आदि से संबंधित जानकारी भी दी जाएगी।

मेडिकल मोबाइल यूनिट के माध्यम से गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को घर तक मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के लोगों को गांवों में ही निःशुल्क बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से मिलेंगी। इसके लिए मोबाइल मेडिकल यूनिट वैन का शुभारंभ जल्द होगा। इसे लेकर बुधवार को पूर्व प्रशासनिक डीएस डॉ. मुकेश कुमार ने मोबाइल मेडिकल यूनिट का जायजा लिया। स्वस्थ समाज के लिए एक अभिनव पहल की जा रही है। उन्होंने बताया कि ओपीडी की सारी सुविधा इस मोबाइल मेडिकल यूनिट में उपलब्ध है। अब गांव के लोगों इलाज के लिए सोंचने की आवश्यकता नही पड़ेगी। मोबाइल मेडीकल यूनिट गांव में ही लोगों का स्वास्थ्य जांच कर दवा उपलब्ध कराएगी। मोबाइल मेडिकल यूनिट में एक मिनी लैब भी उपलब्ध है। इसमे मलेरिया, टाइफाइड, लिवर फंक्शन जांच, किडनी जांच आदि सभी जांच की सुबिधा उपलब्ध होगी। इसमे जीएनएम व एक आयुष डॉक्टर भी उपलब्ध रहेंगे। मेडिकल मोबाइल यूनिट के माध्यम से गांव-गांव जाकर ग्रामीणों को घर तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जाएगी। मेडिकल मोबाइल वैन के माध्यम से ग्रामीणों को अपने गांवों में ही सभी प्रकार की स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिलेगा। मोबाइल वैन में सभी प्रकार के टेस्ट, वैक्सीन व स्वास्थ्य से संबंधित सभी प्रकार की सुविधाओं से ग्रामीणों को निःशुल्क लाभान्वित किया जाएगा।

उच्च विद्यालय, बेलडांगा एवं आईटीआई महेशपुर में अध्ययनरत छात्रों को अब मिलेगी छात्रवृत्ति

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के उपायुक्त मनीष कुमार की अध्यक्षता में प्रवेशिकोत्तर छात्रवृत्ति योजना वित्तीय वर्ष 2024- 25 का जिला स्तरीय अनुमोदन एवं अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। शैक्षणिक सत्र 2024- 25 में राज्य अंतर्गत स्थित विद्यालय/ महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान करने हेतु दो शिक्षण संस्थानों के ऑनलाइन आवेदन की सूची परियोजना निदेशक आईटीडीए पाकुड़ द्वारा ई-कल्याण पोर्टल से प्राप्त कर उपस्थित सभी सदस्यों को दी गई। शिक्षण संस्थानों के नाम उच्च विद्यालय बेलडांगा, पाकुड़ एवं महेशपुर आईटीआई है। परियोजना निदेशक ने बताया कि उच्च विद्यालय बेलडांगा, पाकुड़ का स्थल एवं अभिलेखीय जांच जिला शिक्षा पदाधिकारी से कराई गई है। महेशपुर आईटीआई का स्थल एवं अभिलेखीय जांच प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी महेशपुर से कराई गई है। जिला शिक्षा पदाधिकारी पाकुड़ एवं प्रभारी प्रखंड कल्याण पदाधिकारी महेशपुर द्वारा जांच प्रतिवेदन उपलब्ध कराया गया है। प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर उच्च विद्यालय बेलडांगा पाकुड़ एवं महेशपुर आईटीआई पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु अहर्ता के अनुरूप पाया गया। उपायुक्त पाकुड़ एवं समिति की उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा जांच प्रतिवेदन अवलोकनोंपरान्त सर्वसम्मति से आवेदित 02 शैक्षणिक संस्थान उच्च विद्यालय बेलडांगा पाकुड़ एवं महेशपुर आईटीआई को अनुमोदन देने हेतु निर्णय लिया गया। उपायुक्त के द्वारा परियोजना निदेशक आईटीडीए सह जिला कल्याण पदाधिकारी पाकुड़ को नव आवेदित उक्त 02 संस्थानों में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान करने हेतु अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया।

चौकीदार नियुक्ति के लिए शारीरिक जांच व दौड़ आज तीसरे दिन भी जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : चौकीदार नियुक्ति प्रक्रिया के तहत लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की शारीरिक जांच एवं दौड़ आज तीसरे दिन सिद्धो कान्हू, साहेबगंज स्टेडियम में जारी रहा।चौकीदार भर्ती परीक्षा-2024 विज्ञापन संख्या -01/24, जिसकी लिखित परीक्षा- 19.01.2025 को ली गई थी। लिखित परीक्षा में कुल 946 अभ्यर्थी सफल हुए थे। लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का शारीरिक जांच एवं दौड़ परीक्षण सिद्धो-कान्हू स्टेडियम, साहिबगंज में दिनांक 07अप्रैल, 2025 से 12 अप्रैल, 2025 तक प्रातः 6:00 से 10:00 तक कराया जा रहा है। शारीरिक दक्षता परीक्षा जांच समिति में अपर समाहर्ता, साहिबगंज, अनुमंडल पदाधिकारी, साहिबगंज, अनुमंडल पदाधिकारी, राजमहल, जिला नियोजन पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक, साहिबगंज एवं श्रम अधीक्षक, साहिबगंज है। आज दौड़ के तीसरे दिन 237 अभ्यर्थियों में 22 अनुपस्थित थे। उपस्थित अभ्यार्थियों की शारीरिक, दौड़ एवं साइकिल चलाने की परीक्षण किया गया है जिसमें 132 अभ्यर्थी सफल हुए। जिसमें महिला अभ्यर्थियों की संख्या 26 थी। सभी कार्य सीसी कैमरा की निगरानी में कराया गया। साथ ही वीडियोग्राफी भी कराई गई। रौल नंबर के अनुसार एक बार में 30-30 अभ्यर्थियों को दौड़ाया गया। दौड़ 1600 मीटर का था।जो पुरूष अभ्यर्थी 1600 मीटर का दौड़ 5 मिनट में पूरा किया उसे 20 अंक दिया गया। जो अभ्यर्थी 6 मिनट में 1600 मीटर के दौड़ पूरा किया उसे 10 अंक दिया गया एवं जो अभ्यर्थी 6 मिनट के बाद दौड़ पूरा किया उसे डिसक्वालिफाइड किया गया। जो महिला अभ्यर्थी 1600 मीटर का दौड़ 8 मिनट में पूरा की उसे 20 अंक दिया गया। जो महिला अभ्यर्थी 8-10 मिनट में 1600 मीटर के दौड़ पूरा की उसे 10 अंक दिया गया एवं जो महिला अभ्यर्थी 10 मिनट के बाद दौड़ पूरा की उसे डिसक्वालिफाइड किया गया। अभ्यर्थियों का रौल नंबर और दौड़ नंबर लगाने के लिए ओपन जिम स्थान में 6 टेबल लगाए गए थे।

श्री श्याम भजन संध्या महोत्सव भक्ति गीतों पर थिरके श्रोतागण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज/मंडरो : मिजाचौकी दुर्गा मंदिर परिसर में बने भव्य पंडाल में श्री श्याम भजन संध्या महोत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य जजमान भोलटू चौधरी व उनकी पत्नी के द्वारा खाटू श्याम जी का विधिवत पूजा अर्चना किया गया। श्री श्याम भजन संध्या का उद्घाटन मिजाचौकी थाना प्रभारी रूपेश कुमार यादव के द्वारा फीता काटकर किया। भजन संध्या मे उत्तर प्रदेश से आयी भजन गायिका अंजलि द्विवेदी के भजन गायन से महिलाएं, युवा और बच्चे को अपने भजन से मंत्र मुग्ध कर झूमने के लिए विवश कर दी। जबकि भजन गायन के दौरान बोली खाटू श्याम जी की गलियों की कुछ बात ही निराली है। बाबरा कर ले शावरा ना होके जुदा हारे के सहारे खाटू श्याम मेरा सहारा खाटू श्याम, मेरा सहारा खाटु श्याम बाबा। वही बोली की आज कल की लड़कियां जो सड़क पर जाकर मोबाइल से रील बनती है। वह पहले बंद करे और अपने धर्म के रास्ते पर चले। वहीं कलाकारों ने कृष्ण राधा एवं सखी टोली की झांकी प्रस्तुत की। श्री श्याम भजन संध्या में उत्तर प्रदेश से आई अंजलि द्विवेदी ने खाटु श्याम की भजन संगीत गायन कर पंडाल मे मौजूद हजारों लोगो को मंत्रमुग्ध कर दी। लोगो ने ऐ राधा तेरे बिना तेरा श्याम है आधा, मुरलिया बाजे वृंदावन टुटे शिव शंकर जी की ध्यान, भक्ति गीत में जमकर झुमे। वहीं खाटू श्याम के भक्त श्री श्याम भजन संध्या में अंजलि द्विवेदी के सुर पर भक्तों ने खुब आनंद उठाया। जबकि भक्ति गीत सुनने के लिए महिला, पुरुष, बालिकाएं बच्चे की भीड़ उमड़ पड़ी थी। श्री श्याम भजन संध्या महोत्सव के दौरान भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो लोगों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

सांसद व विधायक ने गुदड़ी में किया सड़क का शिलान्यास

अच्छी सड़क से खुलेगा विकास का द्वार : जोबा माझी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चाईबासा : सिंहभूम की लोकसभा सांसद जोबा माझी व मनोहरपुर के विधायक जगत माझी ने बुधवार को गुदड़ी प्रखंड में सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि विकास की किरण पहुंचाने के लिए सबसे पहले अच्छी सड़क की सुविधा उपलब्ध करानी होती है। क्योंकि अच्छी सड़क से ही विकास के द्वार खुलते हैं। बिरकेल पंचायत की मुख्य सड़क से टूटीसेल तक करीब तीन किलोमीटर पीसीसी सड़क का निर्माण डीएमएफटी से किया जाएगा। इस सड़क के बनने से ओलगेर, टूटीसेल, लिगिर, रगदा, हेसाबेडा, जामंग, जोनो व आसपास के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी। सांसद ने कहा कि उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया था कि जल्द ही यहां सड़क का निर्माण कराया जाएगा, जिसकी अब शुरूआत हो चुकी है। विधायक जगत माझी ने कहा कि गुदड़ी प्रखंड अब विकास के मामले में पीछे नहीं रहेगा। ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। शिलान्यास समारोह में मुखिया कुंवारी बरजो, पूर्व जिप सदस्य आइलिना बरजो, प्रखंड 20 सूत्री अध्यक्ष रोलेन बरजो, चंदन बरजो, मानकी बिरसा बरजो, जकरियस लुगुन, गोसनर बरजो, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सुनील बुढ़ समेत काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

युवक ने घर में फांसी के फंदे लगाकर दी जान, पुलिस जांच पड़ताल में जुटी

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत छोटी कोदरर्जन्ना गांव में एक युवक ने अपने ही घर में पंखे के कड़ी में रस्सी के सहारे फांसी के फंदे लगाकर अपने जीवन लीला को समाप्त कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार छोटी कोदरर्जन्ना गांव निवासी घोघन शाह के 22 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार शाह ई रिक्शा चालक किसी बात को लेकर फांसी के फंदा लगा लिया। इधर सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेज दिया। इधर मृतक छोटू कुमार शाह के चाचा राम प्रसाद शाह ने बताया कि सुबह 10 बजे पता चला कि फांसी के फंदे लगा लिया,आगे चाचा ने बताया कि मंगलवार की रात मेला घूमने के बाद सुबह खाया पिया दो भाई था दोनों भाई गाड़ी लेकर घर आ गया और मां, पिता गेहूं काटने के लिए खेत गया था। मृतक छोटू कुमार के मां गीता देवी घर आई 10 बजे तो देखा कि गेट बंद है झांक कर देखा तो फांसी के फंदे पर पुत्र लटका हुआ है। मृतक अपने पीछे दो भाई एक बहन मां, बाप को छोड़ गए। पिता मजदूरी का काम किया करता है पुत्र ई-रिक्शा चलाता था। इधर परिजनों को रो-रो कर बुरा हाल है पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चौकीदारी नियुक्ति के दौड़ में एक युवक का पैर हुआ फैक्चर

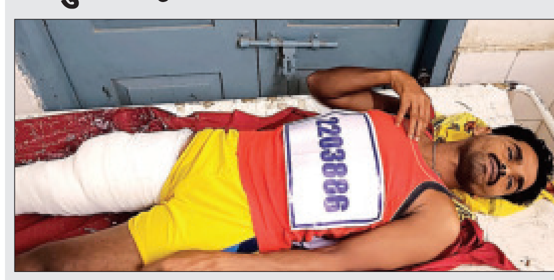

साहिबगंज : चौकीदार नियुक्ति के लिए शारीरिक जांच और दौड़ में भाग लेने वाले एक युवक का पैर फैक्चर हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार तालझारी थाना क्षेत्र निवासी रामचनी महतो के 30 वर्षीय पुत्र कैलाश कुमार महतो महाराजपुर मीना बाजार बिनटोली के रहने वाले ने बताया कि आज दिनांक 9 अप्रैल 2025 दिन बुधवार को चौकीदारी नियुक्ति एवं शारीरिक जांच व दौड़ के लिए सिद्धू कानू स्टेडियम साहिबगंज में उपस्थित हुआ था। जहां दौड़ने के दौरान कैलाश कुमार महतो मैदान में गिरकर उनका पैर फैक्चर हो गया। जहां प्रशासन के द्वारा उठाकर इलाज के लिए सदर अस्पताल साहिबगंज भेजा गया। जहां ड्यूटी पर तैनात चिकित्सकों ने घायल का इलाज किया।

मुखिया ने अनिश्चितकालीन 6 सूत्री मांगों को लेकर धरना स्थगित करने के लिए पत्र लिखा

साहिबगंज : सदर प्रखण्ड गंगा प्रसाद पूरब पंचायत के मुखिया संतोष कुमार गोंड ने अपनी छह सूत्री मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना आज तीसरे दिन भी जारी रहा। वही मुखिया संतोष कुमार गोंड ने सदर प्रखंड विकास पदाधिकारी को पत्र लिख कर धरना स्थगित करने की बात कही। मुखिया संतोष कुमार गोंड ने कहा कि उसकी माँ के स्वास्थ्य खराब होने के कारण उसे इलाज के लिए बाहर ले जाना पड़ रहा है। जिस कारण से धरना प्रदर्शन कार्यक्रम अस्थगित करना पड़ रहा है। आज के धरना मे नन्दजी ओझा, वार्ड सदस्य मो मोईन, नित्यानंद सिंह, दशरथ यादव, प्रमिला देवी, गुड़िया कुमारी, मनीष कुमार, शफीक आलम, मो गफ्फर अली सहित अन्य लोग मौजूद थे।

बीडीओ ने लाभुकों के बीच व्हीलचेयर, ट्राइसाइकिल एवं छतरी का किया वितरण

पाकुड़/ हिरणपुर : ज़िले के हिरणपुर में बुधवार को घाघरजानी स्थित प्रखंड सभागार में सीडीपीओ सह बीडीओ टुडू दीलिप ने तीन लाभुकों के बीच ट्राइसाइकिल तथा व्हीलचेयर का वितरण किया गया। साथ ही सभी सेविकाओं के बीच छतरी का वितरण किया गया एवं स्मार्टफोन का वितरण छूटे हुए शेष सेविकाओं के बीच किया गया। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका टुसू मुनी मुर्मू, प्रधान सहायक एवं अन्य उपस्थित रहे।

नाबालिग से दुष्कर्म, वीडियो वायरल करने की धमकी, आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज

पूर्वी सिंहभूम : पूर्वी सिंहभूम के साकची थाना क्षेत्र में बुधवार को एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना के बाद आरोपित ने पीड़िता को चुप रहने के लिए घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। पुलिस ने हल्दीपोखर कारगिल निवासी मोहम्मद साबीर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। घटना के अनुसार, पीड़िता पिछले एक साल से अपने मामा के घर हल्दीपोखर जाते समय पड़ोसी साबीर के संपर्क में आई थी। दोनों के बीच मोबाइल पर नियमित बातचीत होती थी। साबीर ने धीरे-धीरे पीड़िता को अपने जाल में फंसा लिया और गत एक मार्च को मिलने के बहाने उसे साकची स्थित एक ओयो होटल ले गया, जहां उसने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। घटना के बाद पीड़िता ने परिवार को सूचना दी, जिसके बाद साकची थाना में शिकायत दर्ज की गई। पीड़िता का परिवार आरोपित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए पीड़िता का एमजीएम अस्पताल में मेडिकल परीक्षण कराया और कोर्ट में मजिस्ट्रेट के समक्ष उसका बयान दर्ज किया। जांच अधिकारियों के अनुसार, आरोपित साबीर ने पीड़िता को डराने के लिए घटना का वीडियो बनाकर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी। इस मामले में यौन उत्पीड़न, बाल यौन शोषण और साइबर धमकी से संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपित की गिरफ्तारी के लिए विशेष दल गठित किया है और उसके संभावित ठिकानों की तलाश कर रही है।

महाराष्ट्र की हिंद सेना बिहार में नहीं चलेगी

शिवदीप लांडे के राजनीति में एंट्री लेते ही भीतरी-बाहरी की लड़ाई शुरू, सिंघम के सामने 3 बड़ी चुनौती

पटना। बिहार के सभी अखबारों के पहले पेज पर फुल ऐड आया। इसमें लिखा था- 'लव बिहार..हेट पॉलिटिक्स..जॉइन द मोस्ट प्रोग्रेसिव पार्टी।' इसका थीम कुछ ये था कि बिहार बेहतर का हकदार है और वो संभव है। इस घोषणा के साथ बिहार के पॉलिटिकल घराने से संबंध रखने वाली पुष्पम प्रिया चौधरी ने चुनाव से बस 7 महीने पहले अपनी पार्टी द प्लूरल्स की घोषणा की थी। इसके बाद अगले 6 महीने उन्होंने बिहार में घूम-घूम कर युवाओं को अपने साथ जोड़ने की कोशिश की।चुनाव के दौरान द प्लूरल्स पार्टी ने 103 सीटों पर अपने कैंडिडेट उतारे। नतीजा ये रहा कि इनके कैंडिडेट के लिए जमानत बचाना मुश्किल हो गया था। इन्हें कुल एक लाख 22 हजार 997 वोट मिले। ये कुल वोट का मात्र 0.3 फीसदी वोट शेयर था।अब चुनाव से 6 महीने पहले एक बार फिर से बिहार में सिंघम के नाम से मशहूर पूर्व ब्हर शिवदीप लांडे ने चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। इसके लिए उन्होंने अपनी पार्टी हिंद सेना की घोषणा की है। लांडे सभी 243 सीटों पर कैंडिडेट उतारने की तैयारी में हैं। हालांकि, खुद कहां से लड़ेंगे, इसका खुलासा अभी नहीं किया है।ऐसे में सवाल ये कि महाराष्ट्र के रहने वाले शिवदीप लांडे के लिए बिहार में सियासत की राह कितनी मुश्किल होने वाली है? क्या जाति की राजनीति के लिए देश भर में जानी जाने वाली बिहार शिवदीप लांडे को स्वीकार करेंगी? क्या क्लीन इमेज के सहारे ये बिहार में सियासत कर सकते हैं?जो बिहार में बदलाव चाहता है, उसका पार्टी में स्वागत है। बिहार के युवा बदलाव चाहते हैं। कई राजनीतिक पार्टियों ने मुझे राज्यसभा भेजने, मंत्री बनाने और मुख्यमंत्री बनाने का ऑफर दिया, लेकिन मैं बिहार में बदलाव लाना चाहता हूं, इसलिए मैंने नई पार्टी बनाने का फैसला किया।'उनके इस बयान के तुरंत बाद बिहार पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने पोस्ट किया, 'इतिहास प्रमाण है बिहार ने देश पर शासन किया है। गणतंत्र की जननी है। बिहार में कोई भी बिहारी ही मुख्यमंत्री होगा। महाराष्ट्र की हिंद सेना बिहार में नहीं चलेगी।'

इन दो बयानों से साफ है शिवदीप लांडे की सियासत में सबसे बड़ा रोड़ा उनका मराठी होना है। उन्हें बाहरी बताकर बिहार की सियासत से दूर करने की कोशिश की जाएगी। दरअसल शिवदीप लांडे महाराष्ट्र के अकोला के रहने वाले हैं। IPS में उनका चयन बिहार कैडर में हुआ था। इस दौरान उनकी तैनाती बिहार के अलग-अलग जिलों में हुई।इस सवाल पर सीनियर जर्नलिस्ट और द हिंदू के असिस्टेंट एडिटर अमरनाथ तिवारी कहते हैं, बिहार में जाति लोगों के जड़ में है। ये राज्य देशभर में कास्ट पॉलिटिक्स के लिए जाना जाता है। इस स्थिति में शिवदीप लांडे के विकास की बात शायद ही कोई सुनें।' एक्सपर्ट बताते हैं, 'यहां लालू यादव को बिहार का नेता बाद में पहले यादव का नेता कहा जाता है। नीतीश कुमार पिछले 20 वर्षों से कोइरी-कुर्मी की सियासत करते आ रहे हैं।' 'बिहार का जातीय समीकरण ही है कि जीतन राम मांझी एक सीट जीत कर केंद्र में मंत्री बन जाते हैं। यही यहां की हकीकत भी है। जाति की सियासत वाले इस राज्य में शिवदीप लांडे शायद ही अपने लिए कोई जगह बना पाएं।'क्लीन इमेज के अलावा लांडे के पास क्या 'शिवदीप लांडे के पास बताने और दिखाने के लिए केवल अपनी क्लीन और सिंघम वाली इमेज है। इसके अलावा उनके पास कोई उपलब्धि नहीं है, जिसे बताकर वे लोगों के साथ कनेक्ट कर सकें। लेकिन ये प्रयोग बिहार में कई बार फेल हो चुका है।' 'डीपी ओझा जैसे बोल्ड और दबंग छवि वाले आईपीएस, जिन्होंने डीजीपी रहते बाहुबली और सीएम की सांठ-गांठ का काला चिट्ठा बाहर कर दिया था।'

क्या किसी पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकते हैं लांडे

एक सीनियर जर्नलिस्ट नाम नहीं छापने की शर्त पर बताते हैं 'चुनाव से पहले पॉलिटिकल पार्टियां कई प्रयोग करती हैं। शिवदीप लांडे उस रणनीति का भी एक हिस्सा हो सकते हैं।' दरअसल, शिवदीप लांडे भले चुनाव नहीं जीतें, लेकिन कुछ वोट इधर-उधर कर सकते हैं। विधानसभा चुनाव में ये बहुत मैटर करता है। बहुत कम वोट के मार्जिन से जीत-हार का फैसला तय होता है।

साइबर अपराधियों ने 5 लोगों से ठगी की

पटना। साइबर अपराधियों ने पांच लोगों से ठगी की है। सभी मामले साइबर थाने में दर्ज किए गए हैं। डॉ. अली शब्बर सेवा हैं और पीरबहोर थाना क्षेत्र में रहते हैं। शातिर ने उन्हें फोन किया और कहा कि ट्रेजरी से बोल रहा हूं। आपका जीआईसी का फंड रिलीज होना है। इसके बाद उनसे योना एप पर खाता खुलवाया। उनके खाते की गोपनीय जानकारी ले ली और 20.50 लाख रुपए की निकासी कर ली। कंकड़बाग के रंधीर कुमार के खाते से भी अवैध निकासी हो गई।जब बैंक गए तो पता चला कि उनके खाते में मात्र 1.72 लाख रुपए शेष हैं। जांच करने पर पता चला कि अवैध तरीके से यूपीआई के माध्यम से 44,300 रुपए की निकासी हुई है। एक विधान पार्षद के आदेशपाल महेश मंडल को शातिर ने फोन किया। कहा कि आपके पिता का किसान निधि का पैसा आया हुआ है। इसके बाद एक लिंक भेजकर खाते से 35 हजार की निकासी कर ली।बिट क्वाइन की खरीद-बिक्री के बहाने 97 हजार रुपए ठगेकाजीपुर के कुमार सत्यम को शातिरों ने बिट क्वाइन की खरीद-बिक्री में मुनाफे का झांसा देकर ठगी कर ली। सत्यम को टेलीग्राम पर एक ग्रुप में जोड़ दिया। इसके बाद सत्यम से एक युवती बात करने लगी। शुरूआत में उसे अमेजन नाम के एक ग्रुप से जोड़ा गया। इसके बाद प्रीपेड टास्क पर कुछ मुनाफा दिया गया। फिर युवती ने सत्यम से बिट क्वाइन की खरीद-बिक्री पर अधिक मुनाफा मिलने का झांसा दिया और 97,800 रुपए की ठगी कर ली। फुलवारीशरीफ के मनोज कुमार चौधरी को भी बिट क्वाइन और क्रिप्टो करेंसी में निवेश पर मुनाफे का झांसा दिया। इसके बाद उनसे 49,881 रुपए की ठगी कर ली।नौकरी दिलाने के नाम पर 8 लाख रुपए की ठगीमिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में नौकरी दिलाने के नाम पर गुड्डू कुमार से 8 लाख की ठगी कर ली गई। गुड्डू गांधी मैदान इलाके में रहते हैं। वे वैशाली के गोरौल के रहने वाले हैं। उन्होंने मंतोष कुमार माहली, दीप राज कुमार भट्टाचार्य, मनीष कुमार और प्रभात कुमार के खिलाफ गांधी मैदान थाने में जालसाजी का केस दर्ज कराया है। गुड्डू के अनुसार, मनीष हमेशा महेश होटल में खाना खाने आता था। वह बोकारो के नारायणपुर चास का रहने वाला है। इस दौरान उससे दोस्ती हुई। उसने मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया।कहा कि वहां के अधिकारियों से संपर्क है। उसकी बातों पर भरोसा करके रकम दे दी। इस जालसाजी में मनीष के साथ दीप राज कुमार, प्रभात और मंतोष कुमार माहली भी शामिल थे। रकम देने के बाद भी नौकरी नहीं लगी और न ही पैसे वापस मिले। उसके बाद सबों ने मोबाइल बंद कर लिया। उधर रियल एस्टेट के कारोबारी मो. कासिम से जमीन बेचने के नाम पर कुछ लोगों ने दो करोड़ रुपए ले लिये। रकम लेने के बाद भी जमीन की रजिस्ट्री नहीं की। कासिम का ऑफिस गांधी मैदान थाना इलाके में है। उन्होंने गांधी मैदान थाने में केस दर्ज करा दिया।

सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत

आरा । शहर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जमीरा गांव में हुए सड़क हादसे में जख्मी महिला की मौत हो गई। इलाज के क्रम में आरा लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का आलम रहा। जानकारी के अनुसार मृतका चरपोखरी थाना क्षेत्र के मनैनी गांव निवासी शिव शंकर साह की 35 वर्षीया पत्नी नीता देवी है।मृतका के पति शिव शंकर साह ने बताया कि वह बाइक से अपनी पत्नी के साथ सोमवार की सुबह चांदी थाना क्षेत्र के खनगांव गांव अपने ससुराल आए थे। सोमवार की दोपहर जब वह पत्नी के साथ अपने घर लौट रहे थे। उसी बीच चादी-जमीरा मार्ग पर जमीरा गांव के समीप अज्ञात वाहन ने उनके बाइक में टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गई।जिसके बाद उनके द्वारा उसे इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल से आरा शहर के स्थित निजी अस्पताल ले जाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उसकी हालात को चिंताजनक देखते हो पटना रेफर कर दिया गया था। जिसके बाद परिजन उसे इलाज के लिए पटना ले गए। वहां से डॉक्टर द्वारा कहा गया कि अब कोई फायदा नहीं आप इन्हें वापस घर ले जाइए। जिसके बाद परिजन उसे वापस गांव ला रहे थे। तभी कोईलवर के समीप उसने दम तोड़ दिया। जिसके बाद परिजन उसके शव को वापस सदर अस्पताल ले आए। जिसके पश्चात उन्होंने इसकी सूचना सदर अस्पताल में कार्यरत पुलिस पदाधिकारी को दी।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की हत्या

सुषमा देवी, मृतका

गया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की नातिन की बुधवार को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। मृतका की पहचान सुषमा देवी के रूप में हुई है। सुषमा पूर्व सीएम के भांजे की बेटी है। वो अतरी ब्लॉक में विकास मित्र के पद पर काम करती थी, जबकि आरोपी पति रमेश पटना में ट्रक चलाता है। जानकारी के मुताबिक, दोपहर 12 बजे आरोपी ने घर में ही पत्नी के सीने में गोली मार दी और देसी कट्टा फेंककर फरार हो गया।दोनों की 14 साल पहले इंटरकास्ट मैरिज हुई थी। दोनों के 3 बच्चे हैं। घटना अतरी प्रखंड के टेटूआ गांव की है।

दूसरे कमरे में थी बहन और बच्चे बारदात के वक्त मृतका की बहन और बच्चे घर पर दूसरे कमरे में ही थे। गोली की आवाज सुनते ही मृतका की बहन और बच्चे मौके पर पहुंचे। वहीं, गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग भी सुषमा के घर पहुंचे। फिर पुलिस को इसकी जानकारी दी।शादी के बाद रमेश सिंह ने अपना घर बेच दिया था और पत्नी सुषमा के साथ उसके घर में ही जमाई बनकर रहने लगा था।मृतका की बहन पूनम का कहना है कि, 11 बजे वाली बस से जीजा पटना से गया पहुंचे। आंगन में घूम रहे थे। फिर जिस कमरे में दीदी थी, वहां चले गए और लॉक कर लिया। सुषमा का पति रमेश पटना से हर रविवार की सुबह गांव आता था, लेकिन इस बार रमेश बुधवार को गांव आया और घटना को अंजाम देकर फरार हो गया।

इधर, सूचना मिलते ही अतरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घर को चारों तरफ से घेर लिया। वहीं, गया एसएसपी ने बताया कि मामले की जांच के लिए स्पेशल टीम बनाई गई है।

3 जनाजे उठे,फिर 5 लोगों ने की निकाह की रस्म

पटना। सटे मोकामा में 7 अप्रैल को दरियापुर गांव में मो.रज्जी की शादी थी। शादी वाले दिन ही दूल्हे के भाई सहित 3 लोगों की गंगा में नहाने के दौरान डूबने से मौत हो गई। शादी वाली घर में अचानक मातम फैल गया। मंगलवार को तीनों शवों को सुपुर्दे खाक किया गया। इसके बाद मंगलवार रात को ही दूल्हा अपने परिवार के 4 लोगों के साथ बेगूसराय पहुंचा और निकाह की रस्म पूरी की, हालांकि लड़की की विदाई नहीं हो पाई।लड़के के घर वालों का कहना है कि इस माहौल में लड़की को घर नहीं लाया जा सकता। लड़की अभी अपने घर पर ही रहेगी। हालात ठीक होने पर लड़की को यहां लाया जाएगा।मृतकों की पहचान मो. मेराज, मो. इब्राहिम और मो. अमीर के रूप में हुई है। मो. मेराज (20) और मो. इब्राहिम (19) दोनों पड़ोसी थे। जबकि, मो. आमिर (18) का घर थोड़ी दूरी पर गांव में ही है। मेराज अपने दोस्त की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली से आया था।बेगूसराय जानी थी बारात

मृतक इब्राहिम के ममेरे भाई मोहम्मद रज्जी की बारात सोमवार शाम को बेगूसराय के डुमरी गांव जाने वाली थी। घर सजा हुआ था। सभी तैयारियां पूरी हो चुकी थीं।तीनों मौतों के कारण बारात रोक दी गई। उनके अंतिम संस्कार के बाद निकाह पढ़ा गया। अब दुल्हन की विदाई कुछ महीने बाद होगी।इब्राहिम दसवीं का छात्र था और छह भाइयों में सबसे छोटा था। आमिर नौवीं का छात्र था और दो भाइयों में छोटा था। मेराज दिल्ली में प्राइवेट जॉब करता था और पांच भाइयों में सबसे छोटा था। वह अपने दोस्त मोहम्मद रज्जी की शादी में शामिल होने के लिए पिता के साथ दिल्ली से आया था।इसके बाद एक मछुआरे ने जाल लगाकर शव को बाहर निकाला। ग्रामीणों ने डूबने से बचाने का प्रयास किया था, लेकिन इन तीनों युवक को बचाने में सफलता नहीं मिली। एसडीआरएफ की टीम दो घंटे तक वहां नहीं पहुंची थी।गंगा बालू की कटाई के कारण ऐसा हादसा होता है। जहां भी बालू काटा जाता है उस स्थान पर वाहन के चालान की जांच की जाए और जहां भी किनारा गहरा हो वहां चेतावनी का बोर्ड लगाया जाए।गंगा में नहाते वक्त डूबे थे 8 लोग, 5 बचाए गएदरअसल, सोमवार को मोकामा के दरियापुर गांव में गंगा में नहाने के दौरान 8 युवक डूब गए थे। इनमें तीन की मौत हो गई थी।

सभी शादी में शामिल होने के लिए गांव के ही मो. रज्जी के घर आए थे। मृतकों में दो रिश्तेदार थे, जबकि तीसरा युवक दूल्हे का दोस्त था।

कैबिनेट के फैसले बैठक में 27 एजेंडों पर लगी मुहर

पटना। सरकार ने रोजगार और सेवा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में 27,370 नए पदों के सृजन की मंजूरी दी गई। बैठक में 27 एजेंडों पर मुहर लगी। फैसलों की जानकारी कैबिनेट के अपर मुख्य सचिव डॉ. एस सिद्धार्थ ने दी। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य विभाग में दो नए कैडर (पब्लिक हेल्थ और हॉस्पिटल मैनेजमेंट कैडर) का गठन होगा। स्वास्थ्य विभाग में अब 3 निदेशालय काम करेंगे। लोक स्वास्थ्य निदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं निदेशालय और चिकित्सा शिक्षा निदेशालय के गठन की स्वीकृति दी गई है। इनके सुगम संचालन के लिए कुल 20,016 नए पदों का सृजन किया गया है। शीघ्र ही इन पदों पर बहाली होगी। इन दोनों कैडर के अलग होने से क्वालिटी ऑफ सर्विस बेहतर होगी। मरीजों के ट्रीटमेंट और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार होगा।राज्य मंत्रियों और उप मंत्रियों के वेतन-भत्तों में वृद्धिसरकार ने मुख्य सचेतक, सचेतक, उप सचेतक समेत राज्य के विभिन्न आयोग व बोर्ड में तैनात राज्य मंत्री व उप मंत्री स्तर के अध्यक्षों-सदस्यों के वेतन भत्तों में बढ़ोतरी कर दी है। अब उन्हें 1,55,500 की जगह 1,97,000 रुपए मिलेंगे। यात्रा भत्ता 15 रुपए प्रति किलोमीटर की जगह 25 रुपए प्रति किलोमीटर मिलेगा। उप मंत्रियों और राज्यमंत्रियों का वेतन 50,000 से बढ़कर 65,000 रुपए, क्षेत्रीय भत्ता 55,000 रुपए से बढ़ाकर 70,000 और दैनिक भत्ता 3,000 से बढ़ाकर 3,500 रुपए कर दिया गया है। आतिथ्य भत्ता में राज्यमंत्रियों को 24,000 की जगह 29,500 और उपमंत्री को 23,500 की जगह 29,000 रुपए मिलेंगे।

सहायक उर्दू अनुवादकों के 3,306 नए पद मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यालयों में 3,306 सहायक उर्दू अनुवादकों के पद सृजित किए गए हैं। इनकी तैनाती राज्य के सभी 1,380 थानों में भी की जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों घोषणा की थी कि राज्य में सहायक उर्दू अनुवादक के पदों की संख्या को बढ़ा कर 3306 किया जाएगा। स्कूलों की निगरानी और सशक्त होगी प्रदेश के 81,399 सरकारी स्कूलों में नियमित निरीक्षण और मॉनिटरिंग के लिए बिहार शिक्षा प्रशासन संवर्ग नियमावली 2025 को मंजूरी मिली है। इसके तहत 1,339 नए पद सृजित किए गए हैं। बीपीएससी के जरिए सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी के 805 पदों पर बहाली होगी। इनसे प्रोन्नति पाकर 534 प्रखंडों में शिक्षा विकास पदाधिकारी तैनात होंगे। हर 10 पंचायत पर एक सहायक शिक्षा विकास पदाधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। संविदा के पदों को समाप्त कर दिया गया है। शिक्षा विभाग में परामर्शी के दो पदों का सृजन हुआ है। आईएएस वैधनाथ यादव व पंकज कुमार जो 1 वर्ष के लिए संविदा पर नियुक्त किया गया है। कृषि विभाग में 2590 नए पद सृजित राज्य में कृषि रोड मैप के तहत खेती-किसानी को लाभकारी बनाने के लिए कई योजनाएं चलायी जा रही हैं। कृषि रोड मैप के अंतर्गत किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए कृषि विभाग में लिपिकीय संवर्ग के 2,590 पदों का पुनर्गठन किया गया है। इससे विभिन्न योजनाओं के संचालन में सुगमता आएगी।

संक्षिप्त डायरी

ट्रक में बाइक टकराने से बच्ची की मौत, पिता घायल

आरा । बिहिया-बिहटा स्टेट हाईवे पर जिले के जगदीशपुर थाना क्षेत्र के तेंदुनी गांव के समीप मंगलवार को अनियंत्रित होकर बाइक खड़ी ट्रक से टकरा गई। हादसे में बाइक पर बैठी बच्ची की मौत हो गई। इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाने के दौरान उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।जबकि बाइक चला रहे व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिन्हें प्राथमिक उपचार करने के बाद उनकी गंभीर हालत देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। मृत बच्ची जगदीशपुर थाना क्षेत्र के जज भड़सरा वार्ड नंबर 9 निवासी धर्मेंद्र कुमार पंडित की चार वर्षीय पुत्री दिव्या कुमारी है। जबकि जख्मी मृत बच्ची के पिता धर्मेंद्र कुमार पंडित हैं।मृत बच्ची की मां सीता देवी ने बताया कि उसकी मां की स्वाभाविक मौत हो गई थी। जिसको लेकर वह अपने पति धर्मेंद्र कुमार पंडित और सात माह के पुत्र दिव्याम कुमार के साथ पुछार में अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के लहठान गांव अपने मायके जा रही थी।रास्ते में तेंदूनी गांव के समीप बाइक और साइकिल की सीधी भिड़ंत हुई थी। जिसमें दोनों जख्मी हो गए थे। उसी घटना को लेकर तेंदूनी गांव के समीप स्थानीय लोगों द्वारा सड़क जाम किया गया था। जिसको लेकर तेंदुनी गांव के समीप ट्रक की लंबी लाइन लगी थी।उसी दौरान उनकी बाइक अनियंत्रित खड़ी ट्रक में टकरा गई। इससे बाइक पर आगे बैठी उनकी पुत्री दिव्या कुमारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि उनके पति धर्मेंद्र कुमार पंडित गंभीर रूप से जख्मी हो गए।जिसके बाद मृत बच्ची कैसे दिव्या कुमारी के शव को और जख्मी उसके पिता धर्मेंद्र कुमार पंडित को स्थानीय थाना द्वारा सदर अस्पताल लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद धर्मेंद्र कुमार पंडित की गंभीर हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।जिसके पश्चात पुलिस ने मृत बच्ची के शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया। बताया जाता है कि मृत बच्ची अपने एक भाई व एक बहन में बड़ी थी। उसके परिवार में मां सीता देवी एवं एक भाई दिव्याम कुमार है। घटना के बाद मृत बच्ची के घर में कोहराम मच गया है। इस घटना के बाद मृत बच्ची के परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से 10 लोगों की मौत

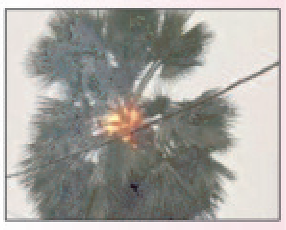

दरभंगा। बिहार के 3 जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से 9 लोगों की मौत हो गई है। इनमें सबसे ज्यादा बेगूसराय में 5 की मौत हुई है। वहीं मधुबनी में पिता-पुत्री समेत 3 लोगों की जान गई है। दरभंगा में 2 लोग ठनका की चपेट में आ गए दोनों की मौत हो गई। इधर, 4 जिलों में ओला गिरने का अलर्ट है। वहीं आज यानी बुधवार को 27 जिलों में हल्की बारिश होने की संभावना है। सुबह-सुबह लखीसराय, मधुबनी में तेज बारिश हुई है। वहीं सहरसा, बेगूसराय के ग्रामीण क्षेत्र में हल्की बारिश हो रही है। इसके अलावे मुंगेर में बादल छाए हैं, तेज हवा भी चली रही है। दरअसल, असम और बंगाल की खाड़ी में बने निम्न दबाव का क्षेत्र के कारण बिहार तक नमी युक्त हवाएं आ रही है। इसी हवा से उत्तर-पूर्व के इलाकों में मौसम बदला है।राज्य के अलग-अलग भागों में 13 अप्रैल तक मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश और तेज हवा चलने की संभावना है। इस दौरान तापमान में गिरावट आने के साथ लोगों को चिलचिलाती गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। बिहार में अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस तक घटा है। लेकिन न्यूनतम तापमान दो डिग्री बढ़ गया है। न्यूनतम तापमान और हवा में नमी की मात्रा बढ़ने से उमस का एहसास बढ़ गया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार जैसे-जैसे न्यूनतम तापमान और हवा में नमी की मात्रा बढ़ेगी गर्मी अधिक महसूस होगी। पटना में मंगलवार का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, लेकिन न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री हो गया। राज्य के अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान 22 डिग्री से 27 डिग्री के बीच रहा। सबसे अधिक न्यूनतम तापमान गया में 27.2 डिग्री दर्ज किया गया। औरंगाबाद के डेहरी में अधिकतम तापमान सबसे अधिक 39.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 22 डिग्री दर्ज किया गया है।मौसम में यह बदलाव फसलों पर भी असर डाल सकता है, इसलिए किसानों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि यदि फसल तैयार है तो जल्द से जल्द कटनी और दौनी कर लें। कटाई के बाद फसल को सुरक्षित स्थान पर ढंककर रखें। ताकि बारिश और आंधी से नुकसान न हो।

120 की स्पीड में 65 फीट नीचे गिरी स्कॉर्पियो,4 मौतें

गया। सोमवार रात श्राद्ध कार्यक्रम से लौटते वक्त एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई। हादसे के वक्त स्कॉर्पियो 120 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चल रही थी। स्पीड ज्यादा होने के कारण ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया। गाड़ी पहले डिवाइडर से टकराई, फिर पुलिया से 65 फीट नीचे तालाब में गिर गई। स्पीड इतनी थी कि पुलिया पर लगे लोहे के मोटे रॉड तक उखड़ गए।ड्राइवर ने गाड़ी रोकने के लिए अपनी तरफ से पूरी कोशिश की थी। अगर रफ्तार कम होती तो शायद हादसा नहीं होता।हादसे में ड्राइवर की जान बच गई, लेकिन परिवार के 4 सदस्यों की मौत हो गई। घर में अब सिर्फ 3 बुजुर्ग ही बचे हैं। वहीं, मगध मेडिकल कॉलेज में घायल ड्राइवर सिंटू का इलाज चल रहा है। बड़ा बेटा सुमित आनंद (17) बीजेपी कार्यकर्ता था। उसके दोस्त गांधी की दादी की मौत हो गई थी। सुमित ने अपने पिता शशिकांत शर्मा (42) और मां रिंकू देवी (37) से जिद की थी सभी लोग बिहार शरीफ श्राद्ध कार्यक्रम में चलें।पूरा परिवार सोमवार को बिहार शरीफ गया। साथ में छोटा भाई बाल कृष्ण (5) भी था। वहां से देर रात परिवार लौट रहा था। घर पहुंचने के लिए महज 30 किमी का सफर तय करना था। तभी हादसा हो गया। घटना खिजरसराय में दखिनगांव के पास हुई।ग्रामीणों के अनुसार, जिस गाड़ी से एक्सीडेंट हुआ। उसे शशिकांत बेचने वाले थे। एक व्यक्ति से एक महीने पहले 9 लाख रुपए में डील भी हुई थी, पर बड़ा बेटा सुमित स्कॉर्पियो नहीं बेचना चाहता था।उसने अपने पिता से जिद की थी कि गाड़ी को नहीं बेचिए। गाड़ी में किसी प्रकार की खराबी नहीं थी। गाड़ी इसलिए नहीं बिकी, क्योंकि सुमित को स्कॉर्पियो पसंद थी।वहीं, ड्राइवर सिंटू सहवाजपुर का निवासी है। कुछ दिन पहले तक सिंटू ऑटो चलाता था। कुछ ही दिन पहले शशिकांत ने अपनी स्कॉर्पियो चलाने के लिए रखा था।मां-पिता और दादा की कौन करेगा देखभाल ?बताया गया कि शशिकांत शर्मा का परिवार सुखी-संपन्न था। सूद पर पैसे देने का कारोबार करते थे। दोनों बेटे सुमित और बाल कृष्ण की उम्र के बीच लंबा फासला था, क्योंकि शुरू में शशिकांत एक ही बेटा रखना चाहते थे।

महावीर
अभी के लिए और सभी के लिए हैं

लगभग 2500 वर्ष पहले अहिंसा और सहिष्णुता की शिक्षा देने वाले जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी का जीवन ही उनका संदेश है। उनके सिद्धांत और आदर्श वर्तमान संदर्भों में सभी के लिए प्रासंगिक हैं। सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, ब्रह्मचर्य और अस्तेय आदि अनेक उपदेशों को अपनाकर आज भी राम राज्य की स्थापना की जा सकती है।

वर्द्धमान महावीर का जन्म दिन महावीर जयंती के रुप मे मनाया जाता है। वर्धमान महावीर जैन धर्म के प्रवर्तक भगवान आदिनाथ की परंपरा में चौबीसवें तीर्थंकर थे। वे कठोर तप से इंद्रियों पर विजय प्राप्त कर जिन अर्थात विजेता कहलाए। संतों का कहना है कि भगवान महावीर अभी के लिए हैं और सभी के लिए हैं....

कोई भी सुखी नहीं रह सकता

भगवान महावीर ने कहा था कि दूसरों को दुखी बनाकर कोई सुखी नहीं रह सकता। महावीर से बढ़कर इस जगत में कोई साधना नही है। इसमें असीम सुख, शांति और तृप्ति के साथ ही जीवन की ऊंचाइयों और गहराइयों को छूने की शक्ति है।

एक होकर आगे बढ़े जैन बंधु

महावीर जंयती के दिन दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन बंधुओं को एक होकर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। अपनी मान्यताओं और अपने अहम को ताक में रखकर एक मंच पर आकर समाज कल्याण के लिए कार्य करना चाहिए।

धन से नहीं मन से धर्म हो

महावीर के सिद्धांत आज भी प्रासंगिक हैं। आज धर्म और धर्माचार्यों पर अंगुली उठती है। ऐसे विषम माहौल में समाजजनों को उन लोगों को आगे लाना चाहिए जो सच्चे साधु –संत हैं और नि:स्वार्थ भाव से समाज व धर्म की सेवा कर रहे हैं।

अहिंसा और मैत्री आज की जरूरत

अहिंसा और मैत्री की आज दुनिया को जरूरत है और भगवान महावीर ने यही संदेश दुनिया को दिया था। आज धर्म में दिखावा और आडंबर अधिक आ गया है। अपना नाम गुप्त रखकर गरीबों और पीड़ितों की सेवा करें।

अहिंसा सब समस्याओं का समाधान

विश्व की समस्याओं का एक ही समाधान है– भगवान महावीर के अहिंसा के सिद्धांत का पालन करना। भगवान महावीर ने कहा था– मैं अपने भक्तों को ही अपनी परतंत्रता से मुक्ति देता हूं। इस स्वतंत्रता का अर्थ हमने बदल दिया।

मैं और मेरा से मुक्त करें अपने को

महावीर सभी के लिए हैं। मनुष्य यदि आज मैं और मेरा– इन दो चीजों से अपने को मुक्त कर ले तो मोक्ष संभव है। बच्चों को हमेशा सुसंस्कार दें। जीवन में पहला स्थान माँ का, दूसरा पिता और तीसरा स्थान गुरु का होता है। त्याग जीवन को उन्नत बनाता है।

अलगाव की नीति खतरनाक

तीर्थंकर महावीर ने विश्व मैत्री का अनुपम सूत्र दिया है। नमक की भांति जियो जो सबका स्वाद बढ़ाता है, शकर की तरह घुल जाओ जो सबको मधुरता देती है और प्राण वायु यानि ऑक्सीजन की तरह जियो यानि सबको जीवन दो। यही भगवान महावीर का संदेश है।

भगवान महावीर : अहिंसा के स्रोत

एक बार तीर्थंकर भगवान महावीर पूर्व की ओर खड़े–खड़े सूर्य देव का आतप ले रहे थे। इतने में कुछ लोग वहां आए। भगवान महावीर को उस स्थिति में देख उन्हें हंसी आई और उन्हें शरारत करने की सूझी। एक व्यक्ति ने उन पर धूल उड़ाई, किंतु वे आतप में लीन रहे। इस पर दूसरे ने उन पर कंकड़ फेंके किंतु भगवान ने उसकी ओर देखा तक नहीं। तीसरे ने उन पर थूका, लेकिन भगवान शांत ही खड़े रहे। यह देख वे आपस में कहने लगे, अरे! यह कैसा आदमी है, थूकने पर भी इसे क्रोध नहीं आया, न ही इसने हमें भला–बुरा कहा। तब दूसरा बोला, यह तो कोई पागल मालूम होता है या गूंगा। तीसरा बोला,यह तो कोई ढोंगी दिखाई देता है। मैं इसमें गुस्सा लाता हूं। और यह कह उसने उनके सिर पर बहुत सारी धूल फेंक दी किंतु इसका भी उस संत पुरुष पर कोई असर नही हुआ।

सभी कष्टों का निवारण करे हनुमानजी की आराधना

परंपरागत रूप से हनुमान को बल, बुद्धि, विद्या, शौर्य और निर्भयता का प्रतीक माना जाता है। संकट काल में हनुमानजी का ही स्मरण किया जाता है। वह संकटमोचन कहलाते हैं। कहा जाता है कि बजरंग बली ने शनि महाराज को कष्टों से मुक्त कराया था, उनकी रक्षा की थी इसलिए शनि देवता ने यह वचन दिया था हनुमानजी की उपासना करने वालों को वे कभी कष्ट नही देंगे। बल्कि कष्टों को दूर कर उनकी रक्षा करेंगे। शनि या साढ़ेसाती की वजह से होने वाले कष्टों के निवारण हेतु हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए। बजरंग बली की पूजा से शनि का प्रकोप शांत होता है। सूर्य व मंगल के साथ शनि की शत्रुता व योगों के कारण उत्पन्न कष्ट भी दूर हो जाते हैं।

- मंगलवार को सूर्योदय के समय नहाकर ? श्री हनुमते नम : मंत्र का जप करें।
- मंगल को सुबह तांबे के लोटे में जल व सिंदूर मिश्रित कर श्री हनुमानजी को अर्पित करें।
- श्री हनुमान यंत्र को सिद्ध कर लाल धागे में धारण करें, हर मंगलवार को इसका विधिवत पूजन करें।
- लगातार दस मंगलवार तक श्री हनुमान को गुड़ का भोग लगाएं।
- शुक्ल पक्ष के पहले मंगलवार से यह क्रिया शुरू करें।
- हर मंगलवार को श्री हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- चित्रा या मृगशिरा नक्षत्रों में किसी भी मंगलवार से शुरू कर लगातार 10 मंगलवार तक श्री हनुमान के मंदिर में जाकर केले का प्रसाद चढ़ाएं।
- चमेली के तेल में सिंदूर मिलाकर श्री हनुमान को अर्पित करें। यह उपाय मंगलवार के दिन करने से शीघ्र सफलता मिलती है।

अहिंसा का संदेश देती महावीर जयंती

यदि किसी को हमारी मदद की आवश्यकता है और हम उसकी मदद करने में सक्षम भी हैं फिर भी हम उसकी सहायता न करें तो यह भी हिंसा है। जरूरतमंद की सहायता करना अहिंसा धर्म है। किसी की जान बचाने के लिए अहिंसक प्राणी अथवा प्रेम से भरा हुआ प्राणी अपनी जान भी दे देता है। इस तरह की उत्तम वृत्ति मनुष्यों में ही नहीं पशुओं में भी देखी जा सकती है।

भगवान महावीर ने आज के दिन जन्म लेकर जीवों को अहिंसा, स्याद्वाद और अपरिग्रह का संदेश दिया। सत्य और अहिंसा जैसे महान सिद्धान्त तो सामान्यत: सत्पुरुषों की श्रेणी में आने वाले सभी मनुष्यों में देखे जा सकते हैं। लेकिन महावीर की अहिंसा बहुत सूक्ष्म है।

उनके विचारों में जीवों की रक्षा कर लेना मात्र अहिंसा नहीं है किसी भी प्राणी को तकलीफ नहीं पहुंचाना मात्र अहिंसा नहीं है।

यदि किसी को हमारी मदद की आवश्यकता है और हम उसकी मदद करने में सक्षम भी हैं फिर भी हम उसकी सहायता न करें तो यह भी हिंसा है। जरूरतमंद की सहायता करना अहिंसा धर्म है। किसी की जान बचाने के लिए अहिंसक प्राणी अथवा प्रेम से भरा हुआ प्राणी अपनी जान भी दे देता है। इस तरह की उत्तम वृत्ति मनुष्यों में ही नहीं पशुओं में भी देखी जा सकती है।

दो मित्र जंगल के रास्ते से गुजर रहे थे। उन्होंने देखा कि एक सूखे पेड़ के नीचे दो मृग मृत पड़े हैं। उनमें से एक मित्र ने गौर से उन्हें देखा और चकित होते हुए अपने मित्र से बोला- मित्र! खड़ा न दीखे पारधी लगा न दीखे बाण। मैं तोसों पूछों सखे कैसे तज्या प्राण॥

हे मित्र! यहां पर न तो कोई शिकारी नजर आ रहा है, न ही इन मृगों के शरीर में कोई बाण ही लगा हुआ है, फिर भला इनकी मृत्यु कैसे हो गई। दूसरे बुद्धिमान मित्र ने उसे बताया कि देखो यहां किनारे पर गड्ढा है जिसमें थोड़ा पानी है।

जल थोड़ा नेहा घना लगा प्रीति का बाण
तू पी- तू पी कहत ही दोनों तज्या प्राण

मित्र देखते नहीं हो गड्ढे में कितना कम पानी है और इन दोनों में प्रेम गहरा है। प्यास से व्याकुल दोनों हिरण एक-दूसरे से यह कहते रहे कि पहले तुम पानी पी लो फिर मैं पी लूंगा। एक-दूसरे के लिए बलिदान करते हुए दोनों ने प्राण त्याग दिया।

जैसे बिना जल के कुआं शोभित नहीं होता। मूर्ति के बिना मंदिर की शोभा नहीं होती, जैसे पुष्प के बिना उद्यान मनोरम नहीं लगता वैसे ही अहिंसा के बिना धर्म का अस्तित्व सम्भव नहीं।

भगवान महावीर ने इन्द्रियों पर विजय प्राप्त करके, अपनी इच्छाओं का निरोध करके परम पद को प्राप्त किया और संसार के प्राणियों को भी उसी मार्ग पर चलने का उपदेश देकर गए। मनुष्य में से यदि इच्छाओं को घटा दिया जाए तो भगवान अवशिष्ट रहते हैं वही मोक्ष है। और मनुष्य में इच्छाओं को जोड़ दिया जाए तो वह मानव ही रह जाता है। यही संसार है।

मनुष्य - इच्छा = भगवान (मोक्ष)
मनुष्य - इच्छा = इन्सान (संसार)

इन हनुमान मंत्रों से वर्ष भर रहें
सुरक्षित

जीवन में शक्ति और सिद्धि की कामना को पूरी करने के लिए श्रीहनुमान उपासना अचूक मानी जाती है। दरअसल, श्रीहनुमान व उनका चरित्र जीवन में संकल्प, बल, ऊर्जा, बुद्धि, चरित्र शुद्धि, समर्पण, शौर्य, पराक्रम, दृढ़ता के साथ जीवन में हर चुनौतियों या कठिनाइयों का सामना करने व उनसे पार पाने की अद्भुत प्रेरणा है।

श्री हनुमान चिरंजीवी भी माने जाते हैं। ऐसी अद्भुत शक्तियों व गुणों के स्वामी होने से ही वे जाग्रत देवता के रूप में पूजनीय हैं। इसलिए किसी भी वक्त हनुमान की भक्ति संकटमोचन करने के साथ ही तन, मन व धन से संपन्न बनाने वाली मानी गई है। नए साल की शुरुआत भी हनुमान भक्ति के साथ करें।

यहां बताए जा रहे विशेष हनुमान मंत्र का स्मरण चुस्त व संकटमुक्त रहने की ऐसी कामनासिद्धि कर बहुत ही मंगलकारी साबित होगा।

* स्नान के बाद श्री हनुमान की पंचोपचार पूजा यानी सिंदूर, गंध, अक्षत, फूल, नैवेद्य चढ़ाकर करें।

* गुग्गल धूप व दीप जलाकर नीचे लिखा हनुमान मंत्र लाल आसन पर बैठ साल और जीवन को सफल व पीड़ामुक्त बनाने की इच्छा से बोलें और अंत में श्री हनुमान की आरती करें।

नमो हनुमते रुद्रावताराय
विश्वरूपाय अमित विक्रमाय
प्रकटपराक्रमाय महाबलाय
सूर्य कोटिसमप्रभाय रामदूताय स्वाहा ।।

भगवान महावीर अहिंसा के स्रोत

एक बार तीर्थंकर भगवान महावीर पूर्व की ओर खड़े-खड़े सूर्यदेव का आतप ले रहे थे। इतने में कुछ लोग वहां आए। भगवान महावीर को उस स्थिति में देख उन्हें हंसी आई और उन्हें शरारत करने की सूझी।

एक व्यक्ति ने उन पर धूल उड़ाई, किंतु वे आतप में लीन रहे। इस पर दूसरे ने उन पर कंकड़ फेंके किंतु भगवान ने उसकी ओर देखा तक नहीं। तीसरे ने उन पर थूका, लेकिन भगवान शांत ही खड़े रहे।

यह देख वे आपस में कहने लगे, अरे! यह कैसा आदमी है, थूकने पर भी इसे क्रोध नहीं आया, न ही इसने हमें भला-बुरा कहा। तब दूसरा बोला, यह तो कोई पागल मालूम होता है या गूंगा। तीसरा बोला,यह तो कोई ढोंगी दिखाई देता है। मैं इसमें गुस्सा लाता हूं। और यह कह उसने उनके सिर पर बहुत सारी धूल फेंक दी किंतु इसका भी उस संत पुरुष पर कोई असर नहीं हुआ।

तब उसने उन पर मुष्टि-प्रहार किया किंतु उन्हें शांत खड़े देख उसने उन पर ढेले फेंके और पास में पड़ी हड्डियों की नोक उनके शरीर में चुभोने लगा। इसका भी कुछ असर न होता देख उसने उन पर भाले से प्रहार किया, लेकिन भगवान की शांति भंग न हुई। वे आंखें बंद किए मौन खड़े रहे। उनकी शांत मुद्रा से प्रसन्नता टपक रही थी। अब तो उन सबको पश्चाताप हुआ कि उन्होंने व्यर्थ ही एक साधु पुरुष को तंग किया।

वे उनके चरणों पर गिर पड़े और बोले, भगवान! हमें क्षमा करें, आपको अकारण ही कष्ट दिया।

भगवान महावीर तो अहिंसा के स्रोत थे। उन पर दुष्ट व्यवहार का कैसे असर हो सकता था?

आत्मविकास की ज्योति प्रज्ज्वलित करें : महावीर

भौतिक चकाचौंध एवं आपाधापी के इस युग में मानसिक संतुलन को बनाए रखने की हर व्यक्ति द्वारा आवश्यकता महसूस की जा रही है। वर्तमान की स्थिति को देखकर ऐसा महसूस हो रहा है कि कुछेक व्यक्तियों का थोड़ा सा मानसिक असंतुलन बहुत बड़े अनिष्ट का निमित्त बन सकता है। मानसिक संतुलन के अभाव में शांति के दर्शन करना, आनंद का स्पर्श करना भी दुर्लभतम बनता जा रहा है, जैसे कि रेत के कणों से तेल को प्राप्त करना। इस अशांत वातावरण में मन को अनुशासित व स्थिर करना दुष्कर कार्य बनता जा रहा है। आज मानव तनाव की नाव में बैठकर जिंदगी का सफर तय कर रहा है। बच्चा तनाव के साथ ही जन्म लेता है। गर्भ का पोषण ही अशांत, तनाव

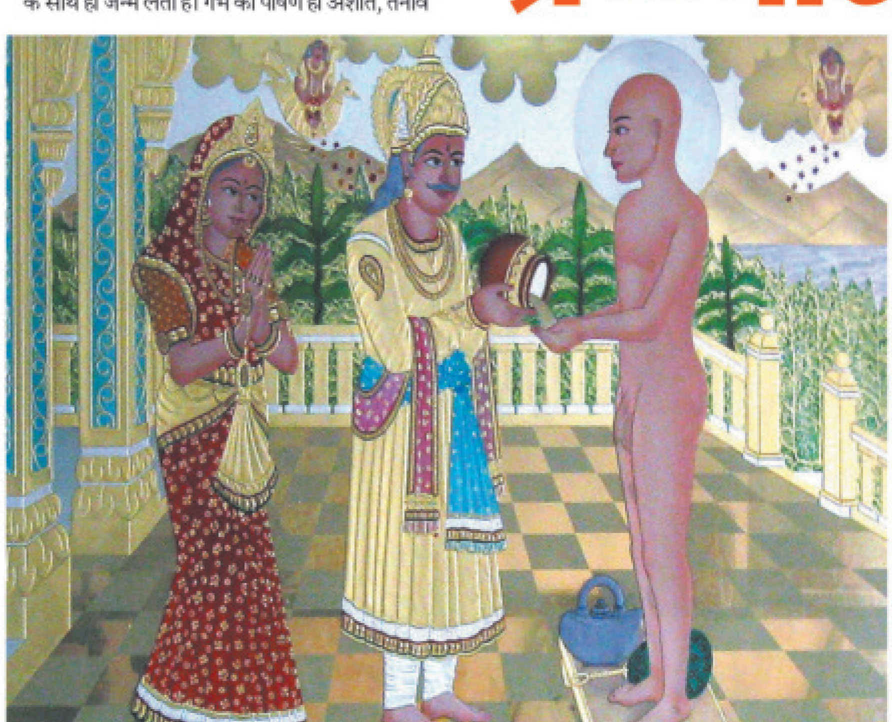

एवं निषेधात्मक विचारों के साथ होता है तो बच्चे के मज्जा में तनाव व आक्रोश के बीज कैसे नहीं होंगे। हिंसा के इस युग में एक ज्वलंत प्रश्न है कि शांति कैसे मिले? तनाव से मुक्ति कैसे मिले? मन को स्थिर कैसे बनाया जाए? इन सारे निरुत्तरित प्रश्नों का समाधान आज भी उपलब्ध हो सकता है। जरूरी है कि हम उन्हीं तरीकों और विचारों के साथ किसी भी समस्या का हल नहीं करें, जिनके साथ हमने वह समस्या पैदा की है। समस्या की उत्पत्ति और समस्या के समाधान का मार्ग कभी भी एक नहीं हो सकता।

महावीर ने आत्मा को समय माना। उन्होंने ऐसा इसलिए माना कि जिस दिन आप इतने शांत एवं संतुलित हो जाएं कि वर्तमान आपकी पकड़ में आ जाए तो समझना चाहिए कि आप सामायिक में प्रवेश के लिए सक्षम हो गए हैं।

सामायिक अथवा ध्यान जीवन की आंतरिक अनुभूति है जिसका प्रभाव हमारे बाह्य जीवन में परिलक्षित होता है। इसीलिए बाहर के जगत में समय और क्षण के भीतर घटने वाली घटनाओं की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए, बल्कि उन्हें रूपांतरित करने का प्रयास होना चाहिए। मन को अनुशासित करना जितना एक योग साधन के लिए उपयोगी है उतना ही एक साधारण व्यक्ति के लिए भी। यह मानव मात्र के लिए उपयोगी है। मनुष्य अनन्त शक्ति का भंडार है। किंतु मन को संतुलित करने का मार्ग नहीं जानता, इसलिए वह अपने आपको कभी निर्बल, कभी दुखी, कभी अज्ञानी और कभी अशांति का अनुभव करता है। इन स्थितियों से निजात पाने का मार्ग है-संकल्प। असल में संकल्प हमें हमारी जीवन-ऊर्जा को अधोगामी होने से बचाता है बल्कि वह उसे उर्द्धवगामी बनाता है। आधुनिक युग का प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी प्रकार की चिंता व तनाव से ग्रस्त है। आज विश्व के सर्वाधिक विकसित व संपन्न राष्ट्र अमेरिका में लोग तनाव व चिंता से निजात पाने के लिए प्रतिवर्ष 10 करोड़ डॉलर से अधिक व्यय करते हैं तथा कई टन मादक द्रव्यों का सेवन करते हैं। तनाव की यह समस्या नई नहीं है। प्राचीन काल में भी व्यक्ति इसके दुष्परिणामों से मुक्त नहीं था। लेकिन वर्तमान में इस समस्या ने काफी उग्र रूप धारण कर लिया है। जहां समस्या है वहां समाधान भी है। अशांत मन को अनुशासित करने की प्रक्रिया का मार्गदर्शन देने वाली कबीरदासजी की इस प्रेरणा का स्मरण रखें-जिन जागा तिन माणिक पाया। किसी भी समस्या के मूल में मन का असंयम होता है। जब मन में कोई बुरा विचार पैदा होता है तो हमारा आचार व व्यवहार भी बुरा बन जाता है। शक्ति जागरण व शांत जीवन का महत्वपूर्ण सूत्र है-संयम। मन को अनुशासित कर असंयम से होने वाली समस्या पर काबू पाया जा सकता है। तनाव व आपाधापी की जिंदगी में शांति के सुमन खिल सकते हैं, बशर्ते जीवन के प्रति सकारात्मकता का क्रम दीर्घकालित व निरंतरता लिए हुए हो।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और कैपिटल्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार को आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम अपने घरेलू मैदान पर दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक टक्कर होने की उम्मीद है। आरसीबी की टीम जहां अपने घरेलू मैदान में उतरेगी। वहीं कैपिटल्स इस सत्र में शीर्ष पर होने के कारण बढ़े हुए मनोबल से उतरेगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो आरसीबी का पलड़ा भारी नजर आता है। दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो यहां आरसीबी का पलड़ा भारी नजर आ रहा है। बेंगलुरु और दिल्ली के बीच आईपीएल इतिहास में अब तक 12 मैच इस मैदान पर खेले गये हैं, जिसमें आरसीबी ने 7 मैच जीते हैं। कैपिटल्स की टीम बेंगलुरु में आरसीबी के खिलाफ सिर्फ 4 मैच ही जीत पाई है।

इस मैच में प्रशंसकों को आरसीबी के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और रॉयल्स की ओर से खेल रहे ऑस्ट्रेलिया तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। अब देखना होगा कि इनमें कौन भारी पड़ता है। इस सत्र में अब तक दिल्ली का प्रदर्शन शानदार रहा है और उसने अपने तीनों मैच जीते हैं जबकि आरसीबी को चार मैचों में से तीन मैचों में जीत मिली है। दोनों टीमें अब तक हालातों के अनुसार खेलने में सफल रही हैं।

आरसीबी को एकमात्र हार इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस के हाथों मिली थी। वहीं दिल्ली कैपिटल्स ने अब तक अपनी तीनों ही मैच जीते हैं। ऐसे में टीम का मनोबल बढ़ा हुआ है। इस मैच में विराट को स्टार्क के अलावा बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव की गेंदबाजी का सामना करना होगा। इस सत्र में स्टार्क ने तीन मैचों में 11 की औसत से नौ विकेट लिए हैं जिससे पता चलता है कि वह लय में हैं। इसके बाद कुलदीप ने छह की इकॉनमी रेट से विकेट लिए हैं।

वहीं कैपिटल्स के कुलदीप किसी भी बल्लेबाज पर अंकुश लगा सकते हैं। आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। वह स्पिनरों के खिलाफ सफल भी रहे हैं। ऐसे में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान और स्पिनर अक्षर पटेल को अपनी ओर से बेहतर गेंदबाजी करनी होगी। वह अब तक तीन मैचों में एक भी विकेट नहीं ले पाये हैं।

दूसरी ओर आरसीबी की बात करें तो उसके पास जोश हेजलवुड और भुवनेश्वर कुमार जैसे तेज गेंदबाज हैं जिनका सामना करना कैपिटल्स के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होगा। ये दोनो ही पावरप्ले में प्रभावी रहे हैं। इनका लक्ष्य दिल्ली के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल को रन बनाने से रोकना होगा। राहुल अपने इस घरेलू मैदान पर खतरनाक साबित हो सकते हैं। इस मैच में दिल्ली को उम्मीद रहेगी कि बल्लेबाज फाफ डुप्लेसी फिटनेस जांच में सफल होकर उतरें। इसके अलावा करुण नायर से भी टीम को अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, यश दयाल, जोश हेजलवुड, फिल सॉल्ट, जितेश शर्मा, लियाम लिविंगस्टोन, रसिख सलाम, सुयश शर्मा, कृणाल पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, स्वप्निल सिंह, टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, नुवान तुषारा, मनोज भंडागे, जैकब बेथेल, देवदत्त पडिक्कल, स्वस्तिक चिकारा, लुंगी एनगिडी, अभिनंदन सिंह और मोहित राठी।

दिल्ली कैपिटल्स: अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसिस, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

सचिन तेंदुलकर ने अंजलि संग हाथियों को खिलाया खाना, नन्हे प्रशंसकों से मिले

दिसपुर (असम) (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने बुधवार को असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान की अपनी यात्रा के दौरान हाथियों को गन्ना खिलाया। 'मास्टर ब्लास्टर' ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में अपने समय का आनंद लेना जारी रखा और अभयारण्य में मौजूद वन्यजीवों के साथ बातचीत की। उन्होंने हाथियों को गन्ना खिलाया और फिर जीप सफारी का आनंद लिया। गौरतलब है कि मंगलवार को तेंदुलकर काजीरंगा नेशनल पार्क में जीप सफारी पर निकले और एक नन्हे प्रशंसक से मिले। सफारी की सवारी के दौरान, उन्होंने एक नन्हे प्रशंसक से मुलाकात की और उससे हाथ मिलाया।

'क्रिकेट के भगवान' के नाम से मशहूर तेंदुलकर के नाम अभी भी टेस्ट और वन-डे इंटरनेशनल (ODI) में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है और उन्होंने 100 अंतरराष्ट्रीय शतक बनाए हैं। अपने असाधारण कौशल और क्रिकेट में महारत के लिए प्रसिद्ध, उन्होंने 1989 से 2013 तक दुनिया भर के प्रशंसकों का मनोरंजन किया। मुंबई में जन्मे इस क्रिकेटर ने 15 नवंबर, 1989 को सिर्फ 16 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और उसी साल 18 दिसंबर को अपना पहला वनडे खेला। 664 अंतरराष्ट्रीय मैचों में उन्होंने 48.52 की औसत से कुल 34,357 रन बनाए और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रहे। उनके 100 शतक और 164 अर्धशतक खेल के इतिहास में बेजोड़ हैं।

धोनी आईपीएल में 150 कैच पकड़ने वाले पहले विकेटकीपर बने

मोहाली (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को यहां पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में भले ही हार का सामना करना पड़ा है पर उसके अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी ने एक नया रिकार्ड बना दिया। इस मैच के दौरान धोनी आईपीएल इतिहास में विकेट के पीछे सबसे पहले 150 कैच पकड़ने वाले विकेटकीपर बन गए हैं। इस सूची में दूसरा नाम दिनेश कार्तिक का है। धोनी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ रविचंद्रन अश्विन की गेंद पर नेहल वढेरा का कैच पकड़ते ही आईपीएल में अपना 150 वा कैच पकड़ा। वह आईपीएल में ये आंकड़ा हासिल करने वाले पहल खिलाड़ी हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे कार्तिक के नाम 137 कैच हैं। तीसरे नंबर पर रिद्धिमान साहा हैं, जिन्होंने 87 कैचों लिए हैं। वहीं चौथे नंबर पर ऋषभ पंत हैं। उनके नाम 76 कैच जबकि दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेटर रिकी पोंटिंग के नाम 66 कैच हैं।

पंजाब किंग्स के खिलाफ धोनी बल्लेबाजी के लिए पांचवे नंबर पर उतरे और उन्होंने 12 गेंदों में ही 27 रन बना दिया। इस पारी के दौरान उन्होंने एक चौका और 3 छक्के लगाये। उनका स्ट्राइक रेट 225 का था। इससे पहले के मैचों में वह आठवें या नौवे नंबर पर उतर रहे थी जिसपर प्रशंसकों ने नाराजगी जतायी थी।

आईसीसी रैंकिंग: ब्रेसवेल ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें नंबर पर पहुंचे

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ब्रेसवेल को पाकिस्तान के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। उनकी कप्तानी में कीवी टीम ने तीसरे वनडे में भी पाकिस्तान को हराकर 3-0 से सीरीज पर कब्जा किया। ब्रेसवल अब 246 रेटिंग अंकों के साथ ऑलराउंडरों की सूची में पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। इससे वह अपनी ही टीम के मिशेल सेंटनर के साथ शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ी बन गये हैं। अंतिम एकदिवीसय में 6ठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए इस

ऑलराउंडर ने 40 गेंदों में एक चौके और छह छक्कों सहित 59 रन बनाये। ब्रेसवेल ने गेंदबाजी के दौरान एक विकेट भी लिया। इस सीरीज में बेहतरीन बल्लेबाजी के लिए कीवी खिलाड़ी बेन सियर्स को रैंकिंग में लाभ मिला है और व 12 स्थान ऊपर आकर र 89वें स्थान पर पहुंच गए हैं। सीयर्स ने एकदिवसीय सीरीज में तीन मैचों में कुल 10 विकेट लिए जिससे वह गेंदबाजी रैंकिंग में 64 पायदान पर पहुंचे हैं।

वहीं नंबर एक स्थान पर भारतीय टीम के बल्लेबाज शुभमन गिल बने हुए हैं। शुभमन का हाल में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था। वहीं पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम दूसरी जबकि भारत के कप्तान रोहित शर्मा तीसरे स्थान पर हैं। पाकिस्तान के कप्तान मोहम्मद रिजवान को अच्छी बल्लेबाजी के कारा दो स्थान का लाभ मिला है और वह 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

पीएसएल में सईम अयूब और फखर जमां वापसी के लिए तैयार

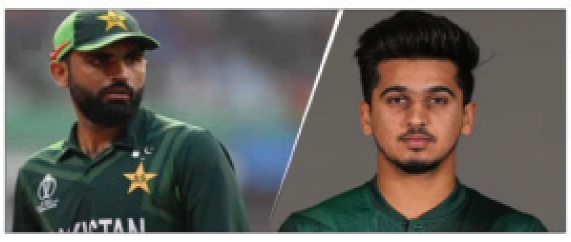

कराची। चोटों से उबरने के बाद पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सईम अयूब और फखर जमां पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में वापसी करने के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक सूत्र ने पुष्टि की कि इन दोनों बल्लेबाजों को बोर्ड के मेडिकल पैनल ने 11 अप्रैल से शुरू होने वाले पीएसएल से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटने के लिए मंजूरी दे दी है। सईम ने जनवरी की शुरुआत से ही कोई मैच नहीं खेला है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ केप टाउन में दूसरे टेस्ट के पहले दिन क्षेत्ररक्षण के दौरान उनके टखने में फ्रैक्चर हो गया था। जमां चैंपियंस ट्रॉफी के पहले मैच में चोटिल हो गए थे। सूत्र ने कहा कि सईम इस्लामाबाद में पेशावर जाल्मी जबकि फखर लाहौर कलंदर्स की टीम से जुड़ गए हैं। बता दें कि चोटिल होने के कारण ये दोनों खिलाड़ी चैंपियंस ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे।

आईपीएल अंक तालिका में सीएसके को हुआ नुकसान, सुपर जायंट्स को लाभ

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को पंजाब किंग के खिलाफ मिली हार के बाद अंक तालिका में हल्का बदलाव आया है। सीएसके अब नौवें स्थान पर खिसक गयी है। वहीं एक अन्य मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ मिली जीत के बाद एक स्थान का लाभ हुआ है। पंजाब किंग्स ने इस सत्र में तीसरा मैच जीता पर वह अभी भी चौथे पायदान पर ही है जबकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (आरसीबी) दूसरे जबकि गुजरात टाइटन्स है तीसरे व दिल्ली कैपिटल्स पहले नंबर पर है। शीर्ष पांच में शामिल सभी टीमों ने 3-3 मुकाबले जीते हैं पर नेट रन रेट के कारण पंजाब की टीम इस समय चौथे पायदान पर फिसल गयी है। वहीं लखनऊ सुपर जायंट्स एक और जीत के साथ पांचवें स्थान पर पहुंच गई है। लखनऊ के भी 6 अंक हैं पर नेट रन रेट अच्छा नहीं है। नंबर 6 पर पहुंची केकेआर के खाते में 4 अंक हैं, उसने 5 में से 2 मुकाबले जीते हैं। राजस्थान रॉयल्स ने भी दो मुकाबे जीते हैं पर रॉयल्स ने चार मैच खेले हैं, इसलिए टीम सातवें नंबर पर है। मुंबई इंडियंस पांच में से चार मुकाबलों में मिली हार से आठवें नंबर पर जबकि सीएसके नौवें नंबर पर है। दसवें स्थान पर सनराइजर्स हैदराबाद है।

द्रविड़ को नहीं पसंद 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम, ऑलराउंडरों की कमी होगी

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड ने आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को लेकर सवाल उठाये हैं। द्रविड़ के अनुसार जब वह भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच थे तभी से उन्हें आईपीएल में 'इम्पैक्ट प्लेयर' अच्छा नहीं लगता है। द्रविड़ ने कहा कि उन्होंने इस नियम के लाभ की बात सुनी है पर इससे आने वाले समय में अच्छे ऑलराउंडरों की कमी हो जाएगी। द्रविड़ से पहले भी कई दिग्गजों ने इस नीयम की आलोचना की थी। इम्पैक्ट प्लेयर नियम आईपीएल 2023 में पेश किया गया था। इसके बाद से ही ऑलराउंडरों की जगह विशेषज्ञ खिलाड़ी की मांग बढ़ने लगी। द्रविड़ ने कहा, 'जब मैं भारतीय टीम का कोच था, मुझे मुझे इम्पैक्ट प्लेयर नियम खास पसंद नहीं था। इसका ये अर्थ नहीं है कि यह खेल को अधिक

प्रतिस्पर्धी नहीं बनाता। यह निश्चित रूप से बनाता है। यह मैचों को अंत तक जीवंत बनाये रखता है हालांकि राष्ट्रीय टीम के हिसाब से ये अलग प्रकार की परेशानी पैदा करता है। वहीं एक कोच का लक्ष्य बेहतर ऑलराउंडर तैयार करना रहता है पर ये नियम उसमें आड़े आता है। उन्होंने साथ ही कहा कि पहले जब दोनों टीम के 11 खिलाड़ी खेलते थे तो उस प्रारुप में कुछ खिलाड़ियों को अलग अलग हालातों में बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने का ज्यादा अवसर मिलता था पर इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने इसमें बदलाव किया है। इस नियम के कारण टूर्नामेंट में बड़े बड़े स्कोर देखने को मिल रहे हैं। कई टीमें 200 से अधिक रन बना रही हैं। इसी कारण आईपीएल इतिहास के बड़े स्कोर देखने में आये हैं। इसका कारण है कि टीमों के पास एक अतिरिक्त विशेषज्ञ बल्लेबाज होता है। इसका मतलब है कि कोई भी टीम वास्तव में खेल से बाहर नहीं होती क्योंकि उसके पास नौवें नंबर तक एक बल्लेबाज रहता है।' इससे पहले कई अन्य पूर्व और वर्तमान खिलाड़ियों ने भी इस नियम की आलोचना करते हुए कहा था कि इससे ऑलराउंडरों के लिए टीम में जगह हासिल करने के अवसर कम होंगे।

नेहरा ने मुश्किल समय में खुश रहने की सीख दी: ऋषभ पंत

कोलकाता (एजेंसी)। साल 2022 में हुए भयानक कार हादसे के बाद आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के जीवन और करियर में सबसे बड़ी प्रेरणा पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा की सलाह बनी। पंत ने कहा कि नेहरा ने मुश्किल समय में उन्हें खुश रहने की सीख दी, जिसने उन्हें मानसिक रूप से काफी मजबूती दी। उन्होंने कहा, आशीष नेहरा मेरे क्लब के सीनियर हैं। वह मुझसे मिलने आए और बोले कि तुम्हें बहुत चोट लगी है, लेकिन अब तुम बस एक ही काम कर सकते हो - खुद को खुश रखो। पंत ने बताया कि यह सलाह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद कारगर साबित हुई। पंत के मुताबिक चोट के बाद का समय उनकी जिंदगी का सबसे कठिन दौर था। क्रिकेट से दूर रहना, खुद से ब्रश तक न कर पाना, और हर छोटे-छोटे काम के लिए दूसरों पर निर्भर रहना उन्हें भीतर तक झकझोर गया।

उन्होंने कहा, मैं दिन-रात क्रिकेट खेलता था और अचानक एक जगह बैठ जाना मेरे लिए बेहद मुश्किल था।

मुझे स्वीकार करना पड़ा कि यह एक-दो दिन में ठीक नहीं होगा। खुद को संयम में रखा और नकारात्मक सोच से दूर रहा। इस हादसे ने पंत का जीवन और खेल के प्रति नजरिया पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने कहा, जीवन के प्रति नजरिया बदला तो खेल को देखने का नजरिया भी बदल गया। अब मुझे महसूस होता है कि हर दिन जागना, चलना, ब्रश करना जैसी सामान्य चीजें भी कितनी कीमती होती हैं। हम इन्हें हल्के में ले लेते हैं, लेकिन ये बहुत महत्वपूर्ण हैं। एक समय पर क्रिकेट में सफलता को रन और रिकॉर्ड से मापने वाले पंत अब जीवन को सफलता का असली पैमाना मानते हैं।

उन्होंने कहा, हर दिन सफल होना जरूरी नहीं, लेकिन खुद को हर हाल में आगे बढ़ाने का जज्बा होना चाहिए। आईपीएल की बात करें तो लखनऊ सुपर जायंट्स ने पिछले साल मेगा नीलामी में पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपये में खरीदा और उन्हें कप्तानी सौंपी, जिससे यह साफ हुआ कि मुश्किलों के बाद भी वह टीमों के लिए भरोसे का नाम हैं। मालूम हो कि 30 दिसंबर 2022 को दिल्ली-देहरादून मार्ग पर ऋषभ पंत की कार भीषण हादसे का शिकार हो गई थी। कार में आग लग गई थी और पंत को गंभीर चोटें आई थीं। इसके बाद उन्हें कई सर्जरी से गुजरना पड़ा और करीब एक साल तक रिहैबिलिटेशन में रहना पड़ा।

हैरी ब्रूक को वनडे और टी20 टीम का नया कप्तान नियुक्त

लंदन। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बल्लेबाज हैरी ब्रूक को इंग्लैंड की वनडे और टी20 टीम का नया कप्तान नियुक्त किया। ब्रूक को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में सौंपी गई है जब इंग्लैंड की सीमित ओवरों की क्रिकेट में पुनर्गठन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। यह बदलाव उस वक्त आया जब जोस बटलर ने आईसीसी चैंपियन्स ट्रॉफी में इंग्लैंड के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद अपनी कप्तानी से इस्तीफा दे दिया। ब्रूक इंग्लैंड की सफेद गेंद की टीम का हिस्सा जनवरी 2022 से हैं और वह पिछले

एक वर्ष से उपकप्तान की भूमिका निभा रहे थे। उन्होंने पहले भी जोस बटलर की अनुपस्थिति में कप्तानी का अनुभव हासिल किया है। उन्होंने पिछले साल सितंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में इंग्लैंड की कप्तानी की थी। ब्रूक ने अब तक 26 वनडे मैचों में 34.00 की औसत से 816 रन बनाए हैं, जिसमें 110 रन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 44 मैचों में भाग लिया है और कई अहम पारियां खेली हैं। ब्रूक 2022 की टी20 वर्ल्ड कप विजेता इंग्लिश टीम का हिस्सा भी रहे हैं। उन्होंने अपने कप्तान बनाए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इंग्लैंड की कप्तानी उनके लिए एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा, 'जब से मैं यॉर्कशर की ओर से खेलने लगा, तभी से यह सपना देखा था कि एक दिन इंग्लैंड का नेतृत्व करूंगा। आज वह सपना पूरा हो गया है।' दिलचस्प रूप से, ब्रूक को 2024 की आईपीएल नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था, लेकिन उन्होंने 2025 में टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया ताकि इंग्लैंड के लिए अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर सकें। इसके परिणामस्वरूप, उन्हें दो वर्षों के लिए आईपीएल से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ईसीबी के प्रबंध निदेशक रॉब की ने ब्रूक की नियुक्ति पर कहा कि वह पहले से उत्तराधिकार योजना का हिस्सा थे, लेकिन परिस्थितियों के कारण उन्हें जल्द जिम्मेदारी सौंपी गई है।

श्रेयस, रविंद्र और डफी आईसीसी के मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ अवार्ड की दौड़ में शामिल

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय टीम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को न्यूजीलैंड के रचिन रविंद्र और जैकब डफी के साथ मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर पुरस्कार के लिये नामांकित किया है। श्रेयस का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से शानदार रहा है। चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी। उसमें अय्यर ने पांच मैचों में दो अर्धशतकों की सहायता से 243 रन बनाये थे।

आईसीसी ने कहा, ''इस बल्लेबाज ने

तीन एकदिवसीय में 57.33 की औसत से 172 रन बनाये और टूर्नामेंट में भारतीय टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाये। भारतीय टीम की खिताबी जीत में भी श्रेयस की अहम भूमिका रही। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ ग्रुप ए के मैच में 79 रन बनाये और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 45 रन बनाये। इसके अलावा न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 48 रन भी बनाये।'' विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था के अनुसार श्रेयस की

पारी के सूत्रधार की भूमिका निभाने और साझेदारियां बनाने की क्षमता काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। वहीं न्यूजीलैंड के रचिन ने कीवी टीम की ओर से चार मैचों में दो शतक सहित 263 रन बनाये और तीन विकेट भी लिये जबकि डफी ने मार्च में 6.17 की इकॉनामी रेट से 13 लिए। वहीं महिला क्रिकेट की बात करें तो सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर की दौड़ में ऑस्ट्रेलिया की अनाबेल सदरलैंड, अमेरिका की चेतना प्रसाद और ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल शामिल हैं।

मुंबई इंडियंस के पावरप्ले प्रदर्शन को लेकर चिंतित दिख रहे माहेला जयवर्धने

मुंबई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच माहेला जयवर्धने ने टीम के पावरप्ले प्रदर्शन को लेकर चिंता जाहिर की है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 12 रन की हार के बाद जयवर्धने ने कहा कि पावरप्ले में टीम का खेल, चाहे गेंदबाजी हो या बल्लेबाजी हो फीका रहा। उन्होंने बताया कि शुरुआती ओवरों में हमारे गेंदबाज लगातार रन लुटा रहे हैं और अहम मौकों पर अनुशासन भी कम दिखाता है। सोमवार को पहले ही ओवर में ट्रेंट बोल्ट ने विकेट लिया, लेकिन उसके बाद कोहली और पडिक्कल ने जवाबी हमला कर सिर्फ छह ओवर में 73 रन बना दिए, जिसमें दीपक चाहर का 20 रन का महंगा ओवर निर्णायक साबित हुआ। यह वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई के खिलाफ अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था। गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी में भी टीम शुरुआती झटकों से परेशान है। लक्ष्य का पीछा करने उतारी मुंबई ने चार ओवर में दो विकेट गंवाए और पावरप्ले खत्म होने तक स्कोर 54/2 रहा। मौजूदा सीजन में पावरप्ले में मुंबई ने कुल 10 विकेट गंवाए हैं। कोच जयवर्धने ने कहा कि टीम ने अच्छी शुरुआत की थी, लेकिन शुरुआत को बरकरार नहीं रख सके। टीम ने जल्दी विकेट खोए और फिर गति खो दी। इसके बाद बीच में कुछ बड़े ओवर जरूर आए, लेकिन पहले दस ओवरों में हम मैच में नहीं थे।

कैसे आईपीएल ने बदल दिया पूरा क्रिकेट करियर, पहली बार बोले विराट कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। महान बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि उनका मूल सिद्धांत अहंकार पर काबू रखते हुए मैच की परिस्थितियों के हिसाब से बल्लेबाजी करना है। मौजूदा दौर के सबसे सफल बल्लेबाजों में से एक कोहली ने हाल ही में एक और उपलब्धि हासिल की। वह टी20 प्रारूप में 13000 रन बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए। कोहली ने कहा कि यह (बल्लेबाजी) कभी अहंकार के बारे में नहीं है। यह कभी किसी को मात देने की कोशिश नहीं है। मेरे लिए यह हमेशा खेल की स्थिति को समझने के बारे में रहा है। यह कुछ ऐसा है जिस पर मुझे हमेशा गर्व है। मैं परिस्थितियों के अनुसार खेलना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि अगर मैं लय में होता हूं तो मैं स्वाभाविक रूप से जिम्मेदारी उठाने की पहल करता। अगर कोई और बेहतर तरीके से खेल रहा होता है तो वह ऐसा करता है।

कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा शतक और रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 256 मैचों में 8 शतकों के साथ 8168 रन बनाए हैं। इस 36 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उन्होंने 2011 सत्र के बाद से इस प्रारूप की जरूरतों को समझ लिया। उन्होंने कहा कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने पहले तीन वर्षों में मुझे शीर्ष क्रम में बल्लेबाजी करने के मौके नहीं मिले। मुझे आमतौर पर निचले क्रम में भेजा जाता था। ऐसे में मैं उस दौरान आईपीएल में बड़े पैमाने पर सफल नहीं हो पाया।

कोहली ने कहा कि मैंने साल 2010 से अच्छा प्रदर्शन करना शुरू किया और 2011 से नियमित तौर पर तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी करने लगा। तब से मैंने निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन किया है। कोहली ने स्वीकार किया कि लीग में 18 साल बिताने से उन्हें क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में अपने कौशल को निखारने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि आईपीएल आपको बहुत ही अनोखे तरीके से चुनौती देता है क्योंकि इस लीग की संरचना काफी अगल है। यह एक छोटी द्विपक्षीय श्रृंखला की तरह नहीं है, यह कई हफ्तों तक चलता है और अंक तालिका में आपकी स्थिति बदलती रहती है। लगातार बदलते परिदृश्य से अलग-अलग तरह के दबाव आते हैं। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट से आपको मानसिक और प्रतिस्पर्धी रूप से कई तरीकों से आगे बढ़ने की चुनौती मिलती है जो अन्य प्रारूपों में नहीं होती। इसने मुझे अपने टी20 कौशल को लगातार सुधारने और विकसित करने के लिए भी प्रेरित किया है।

पीएम मोदी को लेकर बोलीं कंगना रनौत

'चांद पर दाग होता है, उन पर एक भी दाग नहीं है...',

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत ने लगातार अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में हैं। इसी बीच कंगना ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर बड़ा बयान दिया है। कंगना ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा सनातन, राष्ट्रवाद, वसुधैव कुटुम्बकम पर आधारित है जिसका हम लंबे समय से पालन करते आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि 2014 से पहले बहुत सारे घोटाले होते थे - 2जी घोटाला, कोयला घोटाला, चारा घोटाला। लेकिन 2014 के बाद से पीएम मोदी पर एक भी दाग नहीं है। 'चांद पर दाग होता है, उन पर एक भी दाग नहीं है'।

इससे पहले हिमाचल प्रदेश के मंडी में एक सभा को संबोधित करते हुए भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कहा था कि पूरे देश में पीएम मोदी और भगवा की लहर है। लेकिन हिमाचल प्रदेश की हालत देखकर दुख होता है। उनकी एजेंसियां समोसे की जांच कर रही हैं। जो हो रहा है उससे हमें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हमें अपने राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाना है। हमें अपने राज्य को इन 'भेड़ियों' के पंजे से मुक्त कराना है।

आपको बता दें कि हिमाचल में कांग्रेस की सरकार है जिसका नेतृत्व सुखविंदर सिंह सुक्खू कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कोई साधारण इंसान नहीं बल्कि एक अवतार हैं। मैं 2014 से पहले वोट देने भी नहीं गई थी। उन्होंने कहा कि इससे पहले हम भी राजनीति को दुर्भाग्य समझते थे और नेताओं को लेकर लोगों में काफी नफरत थी। रनौत ने कहा कि पहले सब खा रहे थे और देश को बर्बाद कर रहे थे। कंगना ने कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला।

जोगिंदरनगर विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री विक्रमादित्य सिंह पर भी उन्होंने तीखा हमला बोला। उन्होंने विक्रमादित्य पर हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में अपनी हार को स्वीकार न कर पाने का आरोप लगाया और उनके राजनीतिक व्यवहार की आलोचना की। विक्रमादित्य ने हाल ही में सुंदरनगर के अपने दौरे के दौरान कंगना पर निशाना साधते हुए कहा था कि वह लंबे समय से अपने संसदीय क्षेत्र से गायब हैं। विक्रमादित्य और उनकी मां व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह दोनों पर निशाना साधते हुए कंगना ने कहा, 'राजनीति में प्रतिस्पर्धा होती है, लेकिन इसकी भी सीमाएं होती हैं। किसी को बार-बार दूसरों पर कीचड़ नहीं उछालना चाहिए और न ही अपशब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए।'

दिल्ली या कहीं ओर से कांग्रेस का कोई भी नेता आए, गुजरात की जनता का कभी विश्वास जीत नहीं पाएगा : ऋषिकेश पटेल

अहमदाबाद। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री और राज्य सरकार के प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने अहमदाबाद में आयोजित कांग्रेस के अधिवेशन को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से कांग्रेस का चाहे कोई भी नेता आ जाए, गुजरात की जनता का कभी विश्वास जीत नहीं पाएगा। बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में गुजरात और केन्द्र सरकार पर कड़े प्रहार किए गए हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने यहां तक दावा कर डाला कि गुजरात में भाजपा सरकार को कुछ समय की मेहमान है। कांग्रेस के बयानों पर राज्य सरकार के प्रवक्ता ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल ने कहा कि नेता चाहे दिल्ली से आएं या कहीं और से- कांग्रेस कभी भी गुजरात में लोगों का विश्वास नहीं जीत पाएगी। अब तो कागजों पर भी कांग्रेस खत्म होती जा रही है। कांग्रेस गुजरात में सरकार बनाने का केवल सपना देख रही है। ऋषिकेश पटेल ने कहा कि आज एक तरफ विधायकों के लिए विकास अनुदान में एक करोड़ रुपये की वृद्धि की गई, वहीं दूसरी तरफ विश्वविद्यालय में प्रवेश की समीक्षा के लिए कुलपति के साथ बैठक बुलाई गई। उन्होंने कहा कि राज्य के विधायक अब अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास पर प्रति वर्ष रु. 1.50 करोड़ के बजाय रु. 2.50 करोड़ खर्च कर सकेंगे। मुख्यमंत्री के तत्काल निर्णय के बाद अधिसूचना जारी कर दी गई है। विशेष निर्देश दिए गए हैं कि कैच द रेन अभियान के तहत प्रत्येक विधायक को जल संरक्षण कार्यों के लिए 50 लाख रुपए आवंटित करने होंगे। इसका मतलब यह है कि अब विकास कागजों पर ही नहीं, बल्कि जमीन पर भी दिखेगा।

साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने दिया 4 करोड़ से अधिक का दान

शिरडी (एजेंसी)। शिरडी साईंबाबा संस्थान द्वारा आयोजित श्री राम नवमी महोत्सव के दौरान साईं बाबा के चरणों में भक्तों ने 4 करोड़ 26 रुपये का दान दिया है। संसथान के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी भीमराज दराडे ने संवाददाता सम्मेलन में बताया कि श्री रामनवमी उत्सव के दौरान 2.5 लाख से अधिक साईं भक्तों ने मंदिर में दर्शन किए। इस दौरान दक्षिणा पेटी में 1 करोड़ 67 लाख 89 हजार रुपए नकद, दान काउंटर 79 लाख 38 हजार रुपए, पीआरओ द्वारा दिए गए सशुल्क पास से 47 लाख 16 हजार रुपए का दान, डेबिट, क्रेडिट कार्ड, ऑनलाइन दान, चेक, डीडी, मनीऑर्डर के माध्यम से 1 करोड़ 24 लाख 15 हजार रुपये, 6 लाख 15 हजार रुपए कीमत का 83 ग्राम सोना, 1 लाख 31 हजार रुपए मूल्य का 2030 ग्राम चांदी, इस प्रकार 4 करोड़ 26 लाख 07 हजार रूपये का कुल दान साईं संस्थान को प्राप्त हुआ।

ग्लूकोमा बुजुर्गों में ही नहीं अब बच्चों में बढ़ने लगी यह बीमारी, समय पर कराएं इलाज

हैदराबाद (एजेंसी)। काला मोतियाबिंद (ग्लूकोमा) बुजुर्गों में ज्यादा होता है, लेकिन हाल के शोध और डॉक्टरों ने बताया कि अब यह बीमारी बच्चों में भी तेजी से बढ़ रही है। ग्लूकोमा आंखों की एक गंभीर बीमारी है, जिसमें ऑप्टिक नर्व को नुकसान पहुंचता है और अगर समय पर इसका इलाज नहीं किया तो इससे हमेशा के लिए आंखों की रोशनी जा सकती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ ने बताया कि कुछ बच्चे इस बीमारी के साथ ही पैदा होते हैं और बच्चों में ये बाद में देखी जा रही है, जिसके कारण आंखों का असामान्य रूप से बड़ा दिखना, आंखों से पानी बहना या लाल होना, धुंधला दिखाई देना और आंखों में दर्द होना शामिल है। उन्होने बताया की इसका कोई मुख्य कारण नहीं कह सकते हैं, लेकिन अगर परिवार में किसी को ग्लूकोमा की बीमारी है, तो बच्चों में इसका खतरा बढ़ जाता है साथ ही कम वजन वाले बच्चों में आंखों की समस्याएं ज्यादा होती हैं। अगर बच्चों के आंख में इंफेक्शन होता, तो इससे भी ग्लूकोमा हो सकता है। कुछ रिसर्च से पता चलता है कि लंबे समय तक स्टेरॉयड दवाई दिए जाने से भी ग्लूकोमा का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि बच्चों की आंखों की नियमित जांच करवाना जरूरी है। ग्लूकोमा का इलाज आई ड्रॉप्स, लेजर थेरेपी या सर्जरी से किया जा सकता है और सबसे अहम है बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर स्क्रीन से ब्रेक लेने की आदत डालें, क्योंकि ग्लूकोमा एक गंभीर बीमारी है जिसका समय पर इलाज संभव है। अगर बच्चों के आंख में किसी तरह का बदलाव या फिर इंफेक्शन दिखता है तो तुरंत डाक्टर को दिखाएं और उसका इलाज करवाएं।

रिपोर्ट में खुलासा : प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के दौरान भारत में पाकिस्तान से भी ज्यादा मौतें

नई दिल्ली(एजेंसी)। महिलाओं में प्रेग्नेंसी और डिलीवरी के समय होने वाली मौतों पर यूनाइटेड नेशन ने रिपोर्ट जारी की है। इसमें दुनिया में हर 2 मिनट में एक महिला की मौत होना बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक 2023 में भारत में करीब 19 हजार गर्भवती महिलाओं की मौत हुई यानी हर दिन औसतन 52 महिलाओं ने अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा दुनिया में प्रेग्नेंसी के दौरान होने वाली कुल मौतों का 7.2 फीसदी है। इस सूची में नाइजीरिया के बाद भारत दूसरे नंबर पर है। रिपोर्ट में पाकिस्तान में होने वाली मौतों का भी आकड़ा शामिल किया गया है। इसमें बताया गया है कि पाकिस्तान में 2023 में 11 हजार मौतें हुई यानि हर दिन औसतन 30 मौतें। नाइजीरिया में 75 हजार महिलाओं की मौत हुई। यह दुनिया में कुल प्रेग्नेंट महिलाओं की मौत का 28.7 फीसदी है। 2000 से 2023 के बीच भारत में मातृ मृत्युदर में 78 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी के चलते 2000 से 2023 के बीच दुनियाभर में एमएमआर में 40 फीसदी की कमी आई, लेकिन 2016 के बाद से सुधार की गति धीमी हो गई है। डब्ल्यूएचओ के चीफ डॉ. टेड्रोस घेब्रेयेसस ने चिंता जताते हुए कहा कि ये आंकड़े बताते हैं कि प्रेग्नेंट महिलाओं के लिए हालात गंभीर हैं। अगर हेल्थ इंफास्ट्रक्चर में तेजी से सुधार नहीं हुआ तो यह संकट और गहरा सकता है।

एटली, अल्लू अर्जुन और सन पिक्चर्स साथ ला रहे हैं एक मेगा पैन-इंडिया फिल्म

मुंबई : भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में हलचल मचाते हुए, विजनरी डायरेक्टर एटली, आइकॉन स्टार अल्लू अर्जुन, और देश की प्रमुख प्रोडक्शन कंपनी, कलानिधि मारन की सन पिक्चर्स ने एक हाई-ऑक्टेन पैन-इंडिया फिल्म के लिए अपने बहुप्रतीक्षित सहयोग की आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह अनटाइटल्ड फिल्म तीन जबरदस्त क्रिएटिव हस्तियों के मेल का प्रतीक है, एटली, जो जवान, थेरी, बिगिल, मर्सल जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए जाने जाते हैं; अल्लू अर्जुन, पुष्पा के राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और देशभर में फैले फैनडम के प्रतीक; और सन टीवी नेटवर्क, जो भारत के सबसे प्रभावशाली मीडिया समूहों में से एक है। फिलहाल एए 22 ७ ए6 के नाम से पहचानी जा रही यह फिल्म, भारतीय स्केल, इमोशन, एक्शन और भारतीय संस्कृतियों से जुड़ी कहानी का जबरदस्त मेल है, जो ग्लोबल दर्शकों को भी जोड़ने का वादा करती है। यह एक ऐतिहासिक सिनेमाई अनुभव बनने जा रही है। यह प्रोजेक्ट इस साल के अंत में फ्लोर पर जाएगा और कास्ट, क्रू व रिलीज शेड्यूल से जुड़ी बाकी जानकारियां जल्द ही साझा की जाएंगी। अल्लू अर्जुन और सन पिक्चर्स के साथ इस बड़े सहयोग को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए एटली ने कहा, ‍श्यह वही फिल्म है जिसका सपना मैंने सालों से देखा है। इस कहानी को साकार रूप देने के लिए मैंने सालों तक मेहनत की है। और अब इसे अल्लू अर्जुन सर जैसे आइकॉन स्टार के साथ, कलानिधि मारन सर जैसे दूरदर्शी निमार्ता के नेतृत्व में सन पिक्चर्स के बैनर तले बनाना, यह मेरे लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। यह फिल्म अपनी आत्मा में पूरी तरह से 'मास' है और अपनी कहानी कहने के अंदाज में जादुई है, जो हर दर्शक को छूएगी और मनोरंजन देगी।

गंभीर कानूनी विवाद में फंसे गए कॉमेडियन कुणाल कामरा

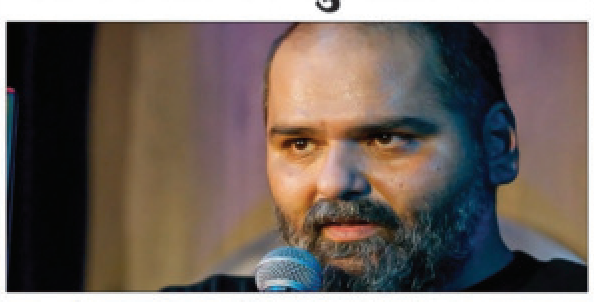

मुंबई (एजेंसी)। स्टैंडअप कॉमेडियन कुणाल कामरा इन दिनों एक गंभीर कानूनी विवाद में फंस गए हैं। कामरा पहले ही मद्रास हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत ले चुके हैं, जिसे 17 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। मुंबई पुलिस ने उन्हें तीन बार समन भेजा, लेकिन कामरा अब तक पेश नहीं हुए हैं। अगर हाईकोर्ट उनकी याचिका खारिज कर देता है, तो उन्हें गिरफ्तारी का सामना करना पड़ सकता है। याचिका में यह भी मांग की गई है कि जांच के दौरान उनके खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई न की जाए, जैसे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस जब्त करना या गिरफ्तारी।

मामला महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर की गई 'गद्दार' टिप्पणी से जुड़ा है, जिसे उन्होंने अपने शो 'नया भारत' के दौरान व्यंग्य के रूप में प्रस्तुत किया था। शो का एक हिस्सा, जिसमें कामरा ने फिल्म 'दिल तो पागल है' के गाने की पैरोडी बनाकर शिंदे पर कटाक्ष किया, मार्च 2025 में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद शिवसेना विधायक मुरजी पटेल ने खार पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर कामरा के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 353(1)(क), 353(2) और 356(2) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। कामरा ने इस एफआईआर को रद्द कराने के लिए 5 अप्रैल को बॉम्बे हाईकोर्ट का रुख किया।

याचिका पर सुनवाई करते हुए बॉम्बे हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने मुंबई पुलिस और विधायक मुरजी पटेल को नोटिस जारी किया और 16 अप्रैल को अगली सुनवाई की तारीख तय की है। कामरा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नवरोज सीरवाई ने कोर्ट में यह दलील दी कि यह मामला हत्या का नहीं बल्कि एक स्टैंडअप शो से जुड़ा है, जिसमें हास्य और व्यंग्य के माध्यम से राजनीतिक टिप्पणी की गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि कामरा को इस शो के बाद जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं, जिससे उनकी सुरक्षा खतरे में है। वकील ने यह आग्रह भी किया कि कामरा को शारीरिक रूप से उपस्थित होने की बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जांच में सहयोग करने की अनुमति दी जाए।

'वक्फ एक्ट को लेकर राहुल गांधी की सोच स्पष्ट नहीं', रविशंकर प्रसाद बोले- देश ने उन्हें गंभीरता से लेना बंद कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ एक्ट को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बयान पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने पलटवार किया है। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी ने संसद में एक बार कहा था कि 6-7 साल में एक व्यक्ति युवा हो जाता है। फिर उन्होंने कहा कि तपस्या से गर्मी आ जाती है। आज वैसा ही नया सिद्धांत कुछ दिखाई पड़ा। उन्होंने आगे कहा कि राहुल गांधी को वक्फ पर बोलने की कोशिश करने के लिए अहमदाबाद का इंतजार करना पड़ा। मैं कहना चाहता हूं कि राहुल गांधी जी 12-13 घंटे सदन में बहस हुई आप खुद बैठे थे, वक्फ पर आपने क्यों नहीं बोला। ये दिखाता है कि क्या बोलना चाहिए, क्या नहीं बोलना चाहिए, इसके बारे में उनकी (राहुल गांधी) सोच में स्पष्टता नहीं होती है।

अपना हमला जारी रखते हुए रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि इससे पता चलता है कि राहुल गांधी को समझ नहीं आ रहा है कि वक्फ के बारे में क्या बोलना है। मैं पूरे अधिकार से कह रहा हूं कि राहुल गांधी के पास इस बात की स्पष्टता नहीं है कि उन्हें किस मुद्दे पर और कब क्या रुख अपनाना चाहिए। उन्हें इन तीन सवालों का जवाब देना चाहिए। क्या आपको यह सही लगता है या गलत कि वक्फ की 8 लाख रुपये से अधिक कीमत वाली संपत्ति पर गरीब मुसलमानों और बेटियों के लिए कोई अस्पताल, स्कूल, अनाथालय या कौशल केंद्र नहीं बनाया गया है? क्या आपको इस बात से परेशानी है कि मुस्लिम समुदाय की विधवाओं की तरक्की के लिए वक्फ में सुधार किया जा रहा है?

रविशंकर प्रसाद ने कहा कि आजकल किसी ने उन्हें ओबीसी पर बोलने के लिए चिट थमा दी है। तो, क्या आपको कोई दिक्कत है अगर वक्फ में संशोधन के जरिए पिछड़े मुसलमानों पर विचार किया जा रहा है? वक्फ पर उनका रुख देरी से आया है। उनसे कहा गया कि उन्होंने वक्फ के बारे में कुछ नहीं कहा, इसलिए उन्होंने सिर्फ कहने के लिए बिल को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा कि इस देश ने राहुल गांधी को गंभीरता से लेना बंद कर दिया है। राहुल गांधी जब ओबीसी की बात करते हैं तो सबसे पहले ये बताइए कि कांग्रेस पार्टी के सबसे उच्च निर्णय लेना में ओबीसी को जगह है क्या? यही कांग्रेस पार्टी की सच्चाई है।

पीएम मोदी के बताए 9 संकल्प हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए: योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पावन धरती जैन तीर्थंकरों की भूमि रही है। अयोध्या में भगवान ऋषभदेव का जन्म हुआ, जो अयोध्या के राजा थे। अयोध्या में ही पांच तीर्थंकरों ने जन्म लिया। वहीं, काशी की धरती पर भी तीर्थंकर का जन्म हुआ है। हमारे तीर्थंकरों ने यहीं से धर्म और साधना की परंपरा को पूरी दुनिया में आगे बढ़ाया। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ के संगीत नाटक अकादमी में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान कही। शांति, ऊर्जा, सकारात्मकता और विश्व कल्याण के लिए कार्यक्रम का आयोजन जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जिटो) की ओर से किया गया। सीएम योगी ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दिए गए प्रेरणादायक संदेश का उल्लेख किया। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने हमारे जीवन में नमोकार महामंत्र को उतारने के लिए 9 संकल्प बताए हैं, जिन्हें समाज के हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए। उन्होंने भगवान महावीर जयंती की शुभकामनाएं भी दीं और जैन धर्म की अहिंसा और परोपकार की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने नमोकार महामंत्र के महत्व को बताकर कहा कि यह महामंत्र भौतिक, दैवीय और आध्यात्मिक तीनों प्रकार के दुखों से मुक्ति दिलाने का साधन है। साधना, आत्मशुद्धि और लोक कल्याण की भावना से जुड़कर व्यक्ति न केवल स्वयं का कल्याण करता है, बल्कि समाज और दुनिया के लिए भी प्रेरणा बनता है। सीएम योगी ने कहा कि सभी 24 तीर्थंकरों का जीवन लोककल्याण के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने अपने उपदेशों और साधना के माध्यम से जीवन जीने की एक उच्च परंपरा दुनिया के सामने रखी। जैन धर्म की ये शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं। हर भारतीय को उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन में अपनाना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी ने विश्व नमोकार महामंत्र दिवस के मौके पर आयोजित कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहली बार पूरी दुनिया में विश्व नमोकार महामंत्र दिवस का एक साथ आयोजन कर जैन धर्म की शिक्षाओं को वैश्विक मंच पर स्थापित किया गया है। यह सभी के लिए प्रेरणा का माध्यम बनेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ईडी के मूल अधिकार हैं तो जनता के भी, ईडी ने तुरंत याचिका वापस ली

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडी ने आर्टिकल 32 के तहत एक याचिका शीर्ष अदालत में दाखिल की थी और मांग की थी कि छत्तीसगढ़ के नागरिक आपूर्ति निगम में हुए घोटाले की जांच को दिल्ली ट्रांसफर किया जाए। इस पर सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि यदि ईडी के अपने मूल अधिकार हैं तो फिर उसे जनता के भी मूल अधिकारों के बारे में सोचना चाहिए। बेंच ने यह भी कहा कि आर्टिकल 32 के तहत तभी अर्जी दाखिल हो सकती है, जब मूल अधिकारों का उल्लंघन हुआ हो। इसके साथ ही ईडी ने सुप्रीम कोर्ट से अपनी अर्जी भी वापस ले ली है।

ईडी की ओर से यह अर्जी पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और अन्य के खिलाफ चल रहे मामले में दाखिल की थी। अनिल टुटेजा और अन्य 2015 के एक मामले में आरोपी हैं, जिसमें नागरिक आपूर्ति निगम की ओर से चावल की खरीद और उसके वितरण में बड़े घोटाले का आरोप है। ईडी का कहना है कि छत्तीसगढ़ का क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम इस जांच को प्रभावित कर रहा है। गवाहों को धमकाया जा रहा है और जांचकर्ताओं पर भी राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश हो रही है। ईडी की मांग है कि इस केस को नई दिल्ली में पीएमएलए के तहत स्पेशल कोर्ट में ट्रांसफर किया जाए। इसके अलावा इस मामले में नए सिरे से ट्रायल भी चलाया जाए।

एजेंसी ने कहा कि इस मामले की जांच में 2018 में सरकार बदलने के बाद काफी असर पड़ा था। टुटेजा तत्कालीन सीएम भूपेश बघेल के काफी करीबी हो गए और उन्हें अग्रिम जमानत दे दी गई। इस तरह जांच को प्रभावित करने की कोशिश की गई। यही नहीं एजेंसी ने एसआईटी के सदस्यों और टुटेजा के बीच हुई वॉट्सऐप चैट्स का भी जिक्र किया। यही नहीं कॉल रिकॉर्ड का डेटा भी पेश किया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की अर्जी पर ही सवाल उठा दिए। अदालत ने कहा कि यह हैरानी की बात है कि ईडी जैसी एजेंसी ने सरकार की एजेंसियों के खिलाफ ही अर्जी दाखिल की है।

संस्कृति यूनिवर्सिटी में पलक मुच्छल की सुरमयी प्रस्तुति ने दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

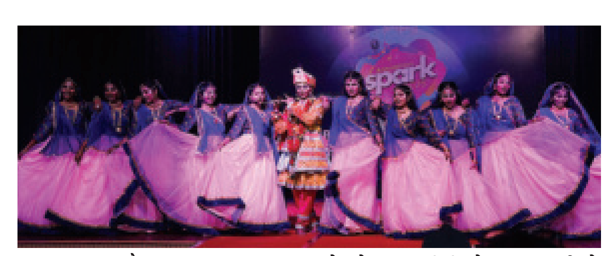

मथुरा (एजेंसी)। संस्कृति यूनिवर्सिटी मथुरा ने स्पार्क 2025 में बॉलीवुड की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका पलक मुच्छल ने अपनी सुरीली आवाज और भावपूर्ण प्रस्तुतियों से सभी का दिल जीत लिया। उनकी प्रस्तुति ने माहौल को जीवंत बना दिया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्कृति यूनिवर्सिटी के चांसलर सचिन गुप्ता और सीईओ डॉ. मीनाक्षी शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद जैसे ही पलक मुच्छल ने मंच संभाला, दर्शकों में उत्साह और उमंग का माहौल छा गया। पलक मुछाल ने अपने लोकप्रिय गीत कौन तुझे, पल दो पल की क्यों है जिंदगीमेरी आशिकी' और 'चाहूँ मैं या ना और कई अन्य हिट गानों की शानदार प्रस्तुति दी। उनकी भावपूर्ण आवाज ने पूरे वातावरण को संगीतमय कर दिया और छात्रों से लेकर अतिथियों तक सभी ने इस संगीत संध्या का भरपूर आनंद लिया। संस्कृति यूनिवर्सिटी के चांसलर सचिन गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, संस्कृति यूनिवर्सिटी हमेशा ऐसे आयोजनों के जरिए छात्रों को कला, संस्कृति और संगीत के प्रति प्रेरित करती है।

दिल्ली समेत देश के कई राज्य हीटवेव की चपेट में, बाड़मेर में पारा 47 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस साल देश में मानसून सामान्य रहने का अनुमान लगाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट में एक अनुमान के मुताबिक, 80 फीसदी से ज्यादा संभावना है कि मानसून सामान्य या उससे ज्यादा रहेगा। देश के उत्तरी-पश्चिमी राज्यों में अप्रैल के पहले हफ्ते से ही लू चलने लगी है। दिल्ली, राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, और पंजाब के कई हिस्से हीटवेव की चपेट में हैं। मध्य प्रदेश के 30 जिलों में आज यानी बुधवार को हीटवेव का अलर्ट जारी किया गया है।

15 साल बाद दिल्ली में अप्रैल में तापमान 40 डिग्री के पार चला गया है। कई इलाकों में हीटवेव के हालात बने हैं। इससे पहले 2011 में यह स्थितियां बनी थीं। राजस्थान के बाड़मेर में मंगलवार को टेम्परेचर 47 डिग्री रहा। 10 साल बाद अप्रैल में बाड़मेर का पारा 47 डिग्री पहुंच गया। जैसलमेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़ समेत कई जिलों में तेज गर्मी पड़ रही है।

आईएमडी के मुताबिक देश के कुछ हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि से थोड़ी राहत मिली है, लेकिन ये प्रभाव केवल पूर्वी राज्य और दक्षिण भारत तक ही सीमित रहा।

त्रिपुरा, असम और मेघालय में 8 से10 अप्रैल के बीच भारी बारिश का अलर्ट है। केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में अगले 3 दिन तक गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड में भी 9 से 11 अप्रैल तक बारिश और ओले गिरे की संभावना है। अगले 2 दिन तक राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश और गुजरात में 2 से 4 डिग्री का तापमान बढ़ सकता है। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के चलते बिहार, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में बारिश के साथ ओले भी गिर सकते हैं। केरल, महाराष्ट्र, गोवा और तटीय तमिलनाडु में उमस परेशान करेगी। बंगाल की खाड़ी में बनते लो प्रेशर से 11 अप्रैल के बाद पूर्वोत्तर राज्यों में भी बारिश की संभावना जताई गई है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह**. 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**